THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 153 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.6 2083 बुधवार, 2 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

यूक्रेन पर बरसे रूसी मिसाइल-ड्रोन, भारतीय समेत 12 की मौत

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच राजधानी कीव और आसपास के इलाकों में रूस ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के मुताबिक, हमले में 12 लोगों की मौत हुई है, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है।

दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन युद्ध खत्म करने की अपील की थी। जेलेंस्की ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि रूस ने बड़ी संख्या में जेट-पावर्ड ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया।

'आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता'

> एससीओ में पीएम मोदी का सख्त संदेश, शहबाज मुंह ताकते रह गये

हमें आतंकवाद के फंडिंग, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।
—नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बिश्केक, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को लेकर सख्त संदेश दिया। उन्होंने आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने की जरूरत बताई और कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। बिश्केक में आयोजित शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और एससीओ के अन्य नेताओं की मौजूदगी में भी रही।

पीएम मोदी ने कहा, हमें एक आवाज में कहना चाहिए कि इस गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं हो सकती। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह और समर्थन देते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता। 'दोस्तों, पिछली बैठक में मैंने एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभों का उल्लेख किया था: एस-सिक्योरिटी, सी-कनेक्टिविटी और ओ-ऑपर्च्युनिटी। अब समय है कि इन तीनों स्तंभों को दृष्टिकोण से आगे बढ़ाकर ठोस नतीजों तक ले जाया जाए। और इसकी पहली आवश्यकता है-शांति और सुरक्षा। आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

इसके विरुद्ध लड़ाई में हम क्रिया-प्रतिक्रिया की सोच तक सीमित नहीं रह सकते। हमें आतंकवाद के फंडिंग, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं, उन्हें कड़ा संदेश देना होगा कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा ज्योति यात्रा' वडनगर से वाराणसी तक जाएगी

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर, बीजेपी उनके जन्मस्थान वडनगर से उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी तक 'सेवा ज्योति यात्रा' निकालेगी। वडनगर को वाराणसी से जोड़ने से उनके शुरुआती सफर का पता चलता है।

पीएम की फिर अपील-जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदें

वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8% दर से बढ़ी, यह देशवासियों की मेहनत का नतीजा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8% रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है।

पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 10 मई को भी पीएम ने देशवासियों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। पीएम मोदी ने राहुल का नाम लिए बिना कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और 'झूठ की गूंज' के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत ने 7.8% की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा। उन्होंने कहा, विदेश में घूमने के लिए यात्राएं करने और विदेश में शादी करने से बचना चाहिए। लोगों को मेक इन इंडिया के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने यह भी कहा, जितना ज्यादा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जाएगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब देश की युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत सौंपा जाएगा।

नीट प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट

सभी एफआईआर रद्द-पीड़ित परिवारों को मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। साथ ही सीजेपी ने केंद्र के कदम और कोर्ट के आदेश को देखते हुए पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन से जुड़े थे।

दिल्ली पुलिस और चार राज्य सरकारों ने कोर्ट से आर्टिकल 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत में दिए गए भरोसे पर कायम है।

सेना के ठिकाने से हथियारों की चोरी, टूटे मिले ताले

> पांच राइफल और सात पिस्तौल समेत गोला-बारूद गायब

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिकंदराबाद स्थित सेना के एक ठिकाने से असॉल्ट राइफल और पिस्तौल के साथ-साथ मैगजीन और गोला-बारूद भी चोरी हो गए हैं। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि चोरी के बाद, सेना के अधिकारियों ने हथियारों के गायब होने के कारणों का पता लगाने के लिए एक विस्तृत आंतरिक जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, पांच असॉल्ट राइफलें, सात पिस्तौलें, साथ ही हथियारों के लिए 21 मैगजीन और गोला-बारूद और एक पैसिव नाइट विजन दूरबीन चोरी हो गई है। भंडारण सुविधा के दरवाजों के ताले खुले पाए गए हैं।

गायब हुई चीजों, खासकर सेवा हथियारों और गोला-बारूद की प्रकृति को देखते हुए, उनके अनधिकृत कब्जे, दुरुपयोग या इधर-उधर किए जाने की संभावना है। पुलिस ने कहा, सेना ने लापता हथियारों और गोला-बारूद का पता लगाने और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करने के लिए आवश्यक और तत्काल कार्रवाई का अनुरोध किया है। सिकंदराबाद में मद्रास रेजिमेंट (20वीं बटालियन) के एक लेफ्टिनेंट कर्नल की शिकायत के बाद, सेवा हथियारों और गोला-बारूद की चोरी के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। चोरी का पता 31 अगस्त, 2026 को लगभग 07:50 बजे 'कोटे और बटालियन मैगजीन' (गोला-बारूद भंडारण) के खुलने के दौरान चला, जब दरवाजे के ताले टूटे हुए पाए गए।

राहुल गांधी के 2014 के भाषण का मूल वीडियो जी मीडिया के पास नहीं है

भिवंडी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भिवंडी की अदालत में आरएसएस मानहानि मामले की सुनवाई हुई। जी मीडिया ने कहा कि उसके पास राहुल गांधी की 2014 की रैली में मूल वीडियो फुटेज अब उपलब्ध नहीं है।

यह केस आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि 6 मार्च 2014 की रैली में राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की हत्या को आरएसएस से जोड़कर कथित आपत्तिजनक बयान दिया था।

यह चुनाव आयोग नहीं वोट चोरी आयोग : राहुल गांधी

(फाइल फोटो)

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। एसआईआर प्रक्रिया के बाद महाराष्ट्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2,06,88,487 मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हो पाए हैं। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, घर बदल चुके थे, उनकी मृत्यु हो चुकी थी या उनके नाम डुप्लीकेट थे।

वहीं, जिन पात्र मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें 30 सितंबर तक दावा-आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी। राहुल गांधी ने कहा कि 'वोट चोरी' के जरिए बनी सरकार के लिए जनता महत्वपूर्ण नहीं है। यही वजह है कि बीजेपी न तो लोगों की बात सुनती है और न ही उनके आदेश का पालन करती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भाजपा और 'वोट चोरी आयोग' अपनी चालें बदलते रहते हैं और आगे भी ऐसा ही करेंगे-मकसद बस एक ही है: किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत और भारत के लोकतंत्र का खात्मा।'

एसआईआर के बाद 2.06 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के बाद तैयार की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 2.06 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हैं। यह संख्या महाराष्ट्र के पिछले वोटर बेस का 21.14 प्रतिशत है। राज्य के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अब 7.71 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, जो पिछले वोटर बेस का 78.86 प्रतिशत है। इनमें 3.95 करोड़ पुरुष, 3.75 करोड़ महिलाएं और 3,087 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 2,06,88,487 लोगों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया गया है।

सुभाष चंद्रा केस में नया मोड़

5 सदस्यीय एनसीएलटी बेंच ने 25 अगस्त का आदेश रोका, संपत्ति बेचने पर भी रोक

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की 5 सदस्यीय बेंच ने मंगलवार को जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा के खिलाफ चल रहे पर्सनल इन्सॉल्वेंसी केस में 25 अगस्त के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। एनसीएलटी ने आज कहा कि पिछले फैसले के बारे में कोई साफ बहुमत की राय नहीं है। इसलिए, इसने केस की नए सिरे से सुनवाई करने का फैसला किया और इसमें शामिल सभी पार्टियों को नोटिस जारी किया। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसने चंद्रा को सीधे या इनडायरेक्टली किसी भी प्रॉपर्टी को बेचने से रोक दिया। इस प्लान के तहत, चंद्रा ने 22,006.57 करोड़ रुपये के माने हुए क्लेम के बदले क्रेडिटर्स को 6.25 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव रखा। इन्सॉल्वेंसी प्रोसेस कॉस्ट के लिए और 25 लाख रुपये रखे गए।

इस प्लान पर शुरू में एनसीएलटी की बेंच ने विचार किया, जिसमें ज्यूडिशियल मेंबर अशोक कुमार भारद्वाज और टेक्निकल मेंबर रीना सिन्हा पुरी शामिल थे। दोनों मेंबर्स ने अलग-अलग राय दी। रिपोर्ट के अनुसार, भारद्वाज ने केवल उन क्रेडिटर्स के संबंध में प्लान को मंजूरी देने का समर्थन किया जिन्होंने इसका समर्थन किया था। उन्होंने बैंकों और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स सहित अलग राय रखने वाले क्रेडिटर्स को अपने कर्ज वसूलने के लिए अलग तरीके अपनाने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा। पूरी ने रेजॉल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा अपनाए गए प्रोसेस में गंभीर कमियां मिलने के बाद प्लान को खारिज कर दिया।

नेपाल त्रासदी में मरने वालों की संख्या 1000 के पार, करीब 4000 लोग अब भी लापता

काठमांडू, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में पिछले हफ्ते आई विनाशकारी बाढ़ के बाद मरने वालों की संख्या 1000 से पार हो गई है, जबकि नदियों के किनारों पर बहे हुए शवों का मिलना अब भी जारी है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने मंगलवार को ताजा अपडेट में बताया कि अब तक कुल 1003 शव बरामद किए जा चुके हैं।

सबसे ज्यादा 321 शव दक्षिणी चितवन जिले से मिले हैं। इसके बाद पूर्वी नवलपरासी में 216 शव बरामद हुए हैं। एनडीआरआरएमए के अनुसार, 583 विदेशी नागरिकों सहित 3,916 लोग अब भी लापता हैं और उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। लापता लोगों में नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के जवानों के साथ-साथ अन्य सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं।

डीलर 15 सितंबर से 2000 क्विंटल चीनी रख सकेंगे

स्टॉक 30 दिन से ज्यादा नहीं रख सकेंगे, जमाखोरी रोकने और कीमतें घटाने के लिए सरकार का फैसला

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। देश में चीनी जल्द ही सस्ती हो सकती है। केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और त्योहारों से पहले कीमतें काबू करने के लिए चीनी डीलरों के लिए स्टॉक लिमिट घटाने का ऐलान किया है। खाद्य मंत्रालय के नए आदेश के मुताबिक, 15 सितंबर से चीनी व्यापारी और डीलर्स अधिकतम 2,000 क्विंटल ही स्टॉक रख सकेंगे। यह नया नियम 30 नवंबर 2026 तक पूरे देश में लागू रहेगा।

व्यापारी 30 दिन से ज्यादा नहीं रख सकेंगे

नए नियमों के मुताबिक, डीलर्स को अब स्टॉक मिलने की तारीख से 30 दिन से अधिक समय तक चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, वे देश में किसी भी स्थान पर एक समय में 2000 क्विंटल से ज्यादा चीनी नहीं रख सकेंगे। सरकार का उद्देश्य जमाखोरी और सट्टेबाजी पर लगाम लगाना है, ताकि बाजार में आपूर्ति सुचारू रहे और आम उपभोक्ताओं को सही दाम पर चीनी उपलब्ध हो सके। कोलकाता के लिए पुरानी 4000 क्विंटल की स्टॉक लिमिट जारी रहेगी। क्योंकि, कोलकाता में यूपी और महाराष्ट्र से चीनी आती है और यहीं से पश्चिम बंगाल समेत पूरे पूर्वोत्तर भारत में सप्लाई होती है। सप्लाई चेन में कोई रुकावट न आए, इसलिए इन क्षेत्रों को राहत दी गई है।

चीनी 20% तक सस्ती हुई, रिटेल में भी घटेंगे दाम

सरकार चीनी मिलों, डीलरों और व्यापारियों के गोदामों की सख्त निगरानी और फिजिकल वेरिफिकेशन कर रही है, जहां कई अनियमितताएं और अघोषित स्टॉक पकड़े गए हैं। सरकार की कार्रवाई और बाजार में सप्लाई सुधरने से चीनी की थोक (एक्स-मिल) कीमतें करीब 20% घट गई हैं। इससे रिटेल मार्केट में भी चीनी के दाम कम होने लगे हैं। आने वाले दिनों में आम जनता को सस्ती चीनी मिलेगी।

'डॉक्टरों पर हमला करने वालों को जमानत क्यों?'

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट को खुद से मामले का संज्ञान लेना सही था। जुलाई में ठाणे जिले के एक नगर निगम अस्पताल में डॉक्टरों के साथ मारपीट के आरोपी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को ट्रायल कोर्ट से मिली जमानत पर रोक लगाना को सही ठहराया है। जस्टिस विक्रम नाथ, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और संदीप मेहता की पीठ ने यह भी कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले जमानत के हकदार नहीं हैं। यह टिप्पणी उस बेंच ने की जो हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें म्हात्रे की याचिका भी शामिल थी। कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केडीएमसी) के कॉर्पोरेटर म्हात्रे ने हाईकोर्ट द्वारा जमानत देते समय लगाई गई शर्तों को चुनौती दी है। 18 जुलाई को, हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लेते हुए निचली अदालत की ओर से दी गई जमानत पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही म्हात्रे को पुलिस के सामने सरेंडर करने को कहा था। बाद में, 7 अगस्त को हाईकोर्ट ने म्हात्रे को जमानत दे दी और आदेश दिया कि ट्रायल तेजी से और तय समय में पूरा किया जाए।

वायुसेना अधिकारी शक्ति शर्मा एयर वाइस मार्शल बनीं

मार्शल शक्ति शर्मा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा भारतीय वायुसेना को भारतीय रक्षा बलों में एयर वाइस मार्शल (या इसके बराबर) का पद पाने वाली पहली महिला अधिकारी (गैर-चिकित्सा) बनीं। 1 सितंबर 2026 को उन्होंने असिस्टेंट चीफ का पद संभाला। भारतीय वायु सेना ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

फंदे से लटकी मिलीं ममता बनर्जी की भतीजी

आत्महत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चचेरे भाई निहार मुखोपाध्याय की बेटी ब्रिष्टि मुखोपाध्याय मंगलवार को बीरभूम के रामपुरहाट स्थित अपने घर की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटकी मिलीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। परिवार के मुताबिक, ब्रिष्टि पिछले पांच-छह वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। वहीं, शिक्षक भर्ती में अनियमितता के आरोपों, नौकरी रद्द करने वाली सूची में नाम और पति से चल रहे तलाक के मामले को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह रामपुरहाट थाना क्षेत्र के कुसुंबा गांव स्थित घर की दूसरी मंजिल पर ब्रिष्टि मुखोपाध्याय फंदे से लटकी मिलीं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रामपुरहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपुरहाट राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। ब्रिष्टि मुखोपाध्याय ने आखिर ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। ब्रिष्टि के पिता निहार मुखोपाध्याय ने कहा, 'मेरी बेटी करीब पांच-छह साल से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। हम नियमित रूप से उसे डॉक्टर को दिखाते थे। आज यह सब कैसे हो गया, मुझे नहीं पता। उस समय हम घर के ग्राउंड फ्लोर पर थे।' रामपुरहाट पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ करने के साथ-साथ उन परिस्थितियों का भी पता लगा रही है, जिनके बीच ब्रिष्टि की मौत हुई।

गौरतलब है कि राज्य में प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती और सरकारी स्कूलों में ग्रुप-सी पदों पर हुई नियुक्तियों को लेकर सामने आए भ्रष्टाचार के आरोपों में ब्रिष्टि मुखोपाध्याय का नाम भी सामने आया था। आरोप लगाया गया था कि उन्हें अनियमितताओं के जरिए नौकरी मिली थी। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सेंट्रल स्कूल सर्विस कमीशन की ओर से जारी नौकरी रद्द किए जाने वाले अभ्यर्थियों की सूची में भी ब्रिष्टि मुखोपाध्याय का नाम शामिल था। सूची में उनका नाम 608वें स्थान पर था।

अवैध होर्डिंग मामले में पूछताछ के लिए थाने पहुंचे अभिषेक बनर्जी, नहीं आए डेरेक ओ'ब्रायन

कोलकाता, 1 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी मंगलवार को कोलकाता के मध्य क्षेत्र स्थित शेक्सपियर सरणी थाने पहुंचे। वहां उनसे कैमैक स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय की छत से एक अवैध होर्डिंग हटाए जाने के मामले में दर्ज एफआईआर के संबंध में पूछताछ की गई। अभिषेक बनर्जी जब पुलिस स्टेशन पहुंचे तो समर्थकों ने नारे लगाए। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने मीडिया से कहा, जब तक हमारे जनरल सेक्रेटरी पुलिस स्टेशन के अंदर हैं, हम सभी यहीं जमा रहेंगे।

पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे डेरेक ओ'ब्रायन

पार्टी के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन को सोमवार को इसी थाने में पेश होना था और इसी मामले में पूछताछ का सामना करना था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। इसके बजाय उनके वकील ने कोलकाता पुलिस को एक पत्र भेजकर पेश होने के लिए सात दिन और मांगे। कोलकाता पुलिस ने उन्हें सात दिन देने से इनकार कर दिया और ओ'ब्रायन को दूसरा नोटिस भेजकर बुधवार दोपहर तक उसी पुलिस स्टेशन में पेश होने को कहा।

27 अगस्त को कैमैक स्ट्रीट पर फैल गया था तनाव

अभिषेक बनर्जी के पर्सनल असिस्टेंट सुमित रॉय को भी बुधवार दोपहर तक उसी पुलिस स्टेशन में पेश होना है। 27 अगस्त को कैमैक स्ट्रीट पर तनाव फैल गया, जब कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) के कर्मचारी पुलिसकर्मियों के साथ अभिषेक बनर्जी के ऑफिस में अवैध बिलबोर्ड हटाने पहुंचे। केएमसी कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों को अभिषेक बनर्जी, ओ'ब्रायन और तृणमूल कांग्रेस के अन्य नेताओं के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई भी हुई।

लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग गिरी

चिदंबरम ने मोदी सरकार को घेरा कहा-1975 के बाद सबसे कम स्कोर कैसे?

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने मंगलवार को वी-डेम के 'चुनावी लोकतंत्र सूचकांक' में 179 देशों में भारत की 106वीं रैंक की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि यह 1975 के बाद से सूचकांक में सबसे निचला स्कोर है।

चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट किया, 'चुनावी लोकतंत्र सूचकांक में भारत 179 देशों में 106वें स्थान पर है। भारत के लिए वी-डेम का लोकतंत्र सूचकांक स्कोर 1975 के बाद से सबसे निचले स्तर पर है।' कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार सरकार को घेरती रही है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कई मौकों पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। वी-डेम ने चुनावी लोकतंत्र सूचकांक पर वर्ष 2025 के लिए भारत को 0.38 का स्कोर दिया है, जिससे देश 106वें स्थान पर है। लिबरल डेमोक्रेसी इंडेक्स पर भारत 0.26 के स्कोर के साथ 105वें स्थान पर है। वी-डेम जनसंख्या-भारित उपायों का उपयोग करता है, जो यह दर्शाता है कि औसत वैश्विक नागरिक साक्षियकीय रूप से किस हद तक लोकतंत्र का आनंद लेता है। यह देश के औसत का उपयोग करके सेशेल्स या तिमोर-लेस्ते जैसे छोटे देशों में हुई प्रगति को भारत या संयुक्त राज्य अमेरिका के समान महत्व देता है। इस संस्थान ने भारत को चुनावी तानाशाही की श्रेणी में रखा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण और मध्य एशिया में, नेपाल और श्रीलंका में केवल 2 प्रतिशत लोग ही चुनावी लोकतंत्र का लाभ उठा पाते हैं। वहीं, बहुत ही कम संख्या में लोग भूटान, मंगोलिया और मालदीव जैसे तीन ग्रे जोन' वाले लोकतंत्रों में रहते हैं। इसने भारत को किर्गिस्तान और पाकिस्तान के साथ चुनावी तानाशाही वाली श्रेणी में रखा है। जबकि अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को बंद तानाशाही वाले देशों के तौर पर वर्गीकृत किया है। भारत में, वी-डेम पार्टी 2009 से धीरे-धीरे तानाशाही के उदय की वकालत करती है। लोकतांत्रिक संस्थानों में व्यवस्थित विघटन का दावा करती है।

केस दर्ज करने में लापरवाही एसपी ने चार पुलिसकर्मियों को वीआर भेजा

राजमुंदरी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। ईस्ट गोदावरी ज़िले के एसपी नरसिम्हा किशोर ने अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले चार पुलिसकर्मियों पर नाराज़गी जताई। मंगलवार को उन्हें वीआर (वैकेंसी रिज़र्व) में भेजने के आदेश जारी किए गए। हाल ही में राजमुंदरी के बाहरी इलाके में कोरुकोंडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक महिला की हत्या की कोशिश की गई थी।

पुलिस ने इस घटना के बारे में चार दिन की देरी से केस दर्ज किया। इस बात की काफ़ी आलोचना हुई और मामला ज़िले के एसपी के संज्ञान में आया। इसलिए, केस दर्ज करने में लापरवाही बरतने वाले चार पुलिसकर्मियों के ख़िलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। एसपी नरसिम्हा किशोर ने कार्रवाई करने का फ़ैसला किया और उन्हें वीआर में भेज दिया।

मोदी सरकार लोगों को गुमराह कर रही है

उन्हें महंगाई का ज़ोरदार झटका दे रही है: कांग्रेस

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह आंकड़ों की बाज़ीगरी से लोगों को गुमराह कर रही है और साथ ही देश को बढ़ती कीमतों का ज़ोरदार झटका दे रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नकली सुर्खियां बनाने में लगे रहते हैं और उन्होंने आम आदमी का घर बनाने का सपना भी छीन लिया है।

उन्होंने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार हर हफ़्ते देश को बढ़ती कीमतों का एक नया, ज़ोरदार झटका दे रही है। रमेश ने कहा कि महंगाई अब सिर्फ़ रसोई तक सीमित नहीं है; घर बनाने से लेकर बिजली के सामान तक, गरीब और मध्यम वर्ग हर चीज़ में बढ़ती लागत का दर्दनाक 'इलेक्ट्रिक शॉक' महसूस कर रहे हैं।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, तांबे

के तार की कीमत 850 रुपये से बढ़कर 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और एल्युमीनियम की कीमत 350 रुपये से बढ़कर 650 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। 1,000 वर्ग फुट के घर की वायरिंग की लागत 50,000 रुपये से दोगुनी होकर लगभग 1 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल 10-15% महंगे हो गए हैं, जबकि पंखों और फ़ॉल्स सीलिंग की लागत भी बढ़ गई है। रमेश ने दावा किया कि इलेक्ट्रिक आयरन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतों में 20% तक की बढ़ोतरी हुई है,

जबकि एलईडी और हैलोजन लाइट की कीमतों में भी लगभग 20% की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि घर बनाने से जुड़ा हर खर्च - स्विच, सॉकेट और मेन-लाइन केबल से लेकर टाइल्स, वायरिंग और मज़दूरी तक - बढ़ रहा है। रमेश ने कहा, महंगाई जनता की जेब पर हर तरफ़ से ज़ोरदार चोट कर रही है, फिर भी अहंकारी मोदी सरकार इस सच्चाई को छिपाने और आंकड़ों की बाज़ीगरी से लोगों को गुमराह करने पर आमादा है।

उन्होंने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट शेयर की जिसमें दावा किया गया था कि कच्चे माल की कीमतों, खासकर तांबे और एल्युमीनियम में भारी बढ़ोतरी ने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स बाज़ार के बजट को बिगाड़ दिया है। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के लिए लोगों की तारीफ़ करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह उपलब्धि युद्ध, अस्थिरता और सप्लाई चेन में रुकावटों के बावजूद हासिल की गई।

अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से ज़्यादा तेज़ी से 7.8 प्रतिशत बढ़ी। इससे पता चलता है कि पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण आर्थिक मंदी की चिंताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था मज़बूत बनी हुई है।

नांदेड में जीप पेड़ से टकराई 3 की मौत, 7 घायल

नांदेड, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नांदेड में तेज रफ्तार जीप सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हादसा सोमवार शाम करीब 6 बजे तोटांबा फॉरेस्ट घाट में हुआ। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले और घायल सभी लोग तेलंगाना के निर्मल जिले के रहने वाले थे। सभी लोग नांदेड में झरना देखने और मंदिर में दर्शन करने आए थे। वापस घर लौटते समय ड्राइवर ने जीप से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद जीप सड़क से उतरकर किनारे लगे एक बड़े पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जीप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक में घुसी पिकअप, 6 की मौत

पलवल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। केएमपी एक्सप्रेस वे पर मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में पिकअप सवार छह लोगों की मौत हो गई, वहीं 16 के करीब लोग घायल भी हो गए। बताया जा रहा है कि पिकअप केएमपी किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। घायलों का उपचार जिला नागरिक अस्पताल में चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के किशनपुर मुरैया, मकोया, चांदा और आसपास के करीब 21 ग्रामीण रक्षाबंधन के पर्व पर अपने गांवों से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के दर्शन करने के लिए पिकअप से निकले थे। राजस्थान के खाटू श्याम, बालाजी के दर्शन कर मथुरा के वृंदावन के लिए निकले थे। मंगलवार सुबह जैसे ही पिकअप पलवल की सीमा में केएमपी एक्सप्रेस वे पहुंचा, उसकी टक्कर सड़क किनारे खड़े ट्रक से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप में सवार सभी सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर चीख पुकार मच गई। इसके बाद राहगीरों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। सभी घायलों को जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया।

एपीसीसी अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी का कहना है कि

'वेलिगोंडा प्रोजेक्ट का 82% काम कांग्रेस सरकार ने पूरा किया था'

विजयवाड़ा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पूला सुब्बैया वेलिगोंडा प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन का राजनीतिक श्रेय लेने के लिए मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू की आलोचना करते हुए, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री इस अहम सिंचाई प्रोजेक्ट के बारे में बहुत बड़ा झूठ फैला रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, एपीसीसी प्रमुख ने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी ही इस प्रोजेक्ट के असली सूत्रधार थे। उन्होंने उन्हें वह रोशनी (वेलुगु) बताया जिसने वेलिगोंडा में जान फूंकी, जबकि नायडू के योगदान को अंधेरा (चीकटी) करार दिया। तीन दशकों के बाद पहले चरण के शुरू होने को प्रकाशम, नेल्लोर और कडप्पा जिलों के सूखा-प्रभावित इलाकों के लिए एक सकारात्मक घटनाक्रम मानते हुए, शर्मिला ने कहा कि इस सपने को साकार करने में वाईएसआर की ही मुख्य भूमिका थी।

उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट का 82 प्रतिशत काम - जिसमें 22 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई, गोट्टीपाडिया और सुंकेसुला बांधों के लिए ज़मीन का अधिग्रहण और 4,000 करोड़ रुपये का खर्च शामिल है - कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान पूरा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायडू बाकी बचे काम का केवल 10 प्रतिशत पूरा करने के बाद ही इसका श्रेय ले रहे हैं।

अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ी

बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती, इलाज जारी

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मशहूर सोशल एक्टिविस्ट अन्ना हजारे को महाराष्ट्र में उनके पैतृक गांव रालेगण सिद्धि के पास एक हॉस्पिटल में इलाज के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अन्ना हजारे को गंभीर वायरल इन्फेक्शन और बहुत ज़्यादा डिहाइड्रेशन होने के बाद एडवांस मेडिकल केयर के लिए मुंबई शिफ्ट किया गया था। वह अभी बॉम्बे हॉस्पिटल में ऑब्जर्वेशन में हैं और डॉ गौतम भंसाली की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है।

डॉक्टर उनकी हालत की डिटेल में जांच कर रहे हैं और जांच के आधार पर आगे के इलाज का फैसला करेंगे। आईसीयू में उनकी सेहत पर करीब से नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि बीमारी की वजह से अन्ना हजारे बेहद कमजोर हो गए हैं। इसलिए उन्हें बॉम्बे हॉस्पिटल के आईसीयू में रखा गया है। उन्हें एक्यूट वायरल इन्फेक्शन है। अन्ना हजारे काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। कई दिनों से उनकी तबीयत खराब थी और हालत में सुधार नहीं हो रहा था।

उन्हें रालेगण के पास एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

यहां अन्ना हजारे को खांसी, कमजोरी, तेज बुखार और पानी की कमी दिखाई दी थी, जिसके बाद ही डॉक्टरों ने उन्हें शिफ्ट करने का फैसला लिया। अन्ना हजारे को पैतृक गांव रालेगण सिद्धि से डॉक्टरों की टीम एंबुलेंस के जरिए मुंबई लेकर आई है।

यहां बॉम्बे हॉस्पिटल के आईसीयू में उन्हें रखा गया है। फिलहाल उनकी हेल्थ को लेकर अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। अन्ना हजारे बीमारी की वजह से काफी दिनों से कम सक्रिय दिखाई दिए हैं।

बीजेपी–कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

एक-दूसरे के दफ्तर और घर पर हमले

नलगोंडा, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नलगोंडा में बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी जिलाध्यक्ष नागम वार्षित रेड्डी के घर में तोड़फोड़ की। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के कैंप ऑफिस और बीजेपी जिला कार्यालय पर सुरक्षा बढ़ा दी। यह विवाद सोमवार को बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्री के कैंप ऑफिस में कथित तोड़फोड़ के बाद शुरू हुआ। इससे पहले यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बीजेपी कार्यालय के गेट पर काला रंग फेंका गया था। पुलिस के मुताबिक, अभी दोनों पक्षों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है और मामले की जांच जारी है।

'जीडीपी बढ़ी है तो 85 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों?' संजय राउत का सवाल

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी तक पहुंच गई है जो देश के लिए बेहद खुशी की बात है। हालांकि, विपक्षी दलों का मानना है कि केवल जीडीपी से देश आगे नहीं बढ़ता, बल्कि देशवासियों को भी साथ-साथ आगे बढ़ाना होता है। इसी क्रम में उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, अगर जीडीपी बढ़ गई है तो महंगाई क्यों बढ़ रही है? रुपया क्यों नहीं गिर रहा है? बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है? बढ़ती जीडीपी के सवाल पर संजय राउत ने कहा, अरे भाई, जीडीपी कैसे बढ़ेगा?

पीएम मोदी को दिखता है। मोदी का चश्मा क्या है, वो देखना पड़ेगा। मोदी कौन से चश्मे से देखते हैं? क्या वह अर्थशास्त्री हैं? क्या वह मनमोहन सिंह हैं? क्या मोदी नरसिम्हा राव हैं? उन्होंने आगे सवाल किया कि अगर जीडीपी इतनी बढ़ गई है तो फिर देश के 85 करोड़ लोगों को 10 किलो मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है? संजय राउत ने आगे कहा कि केवल 'जीडीपी बढ़ा, जीडीपी बढ़ा' बोलने से काम नहीं चलेगा।

मंदिरों में मोबाइल क्यों हुआ बैन

5 रुपए देकर फोन जमा करना होगा

चेन्नाई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार से एक बड़ा बदलाव लागू हो गया है। राज्य के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग यानी मानव संसाधन एवं सीई ने राज्य के प्रमुख मंदिरों के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगा दी है। यह फैसला पहले से दिए गए मद्रास हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप लागू किया गया है। मंदिरों में मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाने के पीछे मुख्य वजह श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर परिसर में फोटो खींचना, वीडियो बनाना और सोशल मीडिया के लिए रील्स शूट करना बताई गई है। अब तमिलनाडु के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालु अपना मोबाइल फोन लेकर अंदर नहीं जा सकेंगे। मंदिरों के प्रवेश द्वार पर मोबाइल जमा करने के लिए अलग काउंटर बनाए गए हैं। मोबाइल जमा करने के लिए प्रति फोन 5 रुपए का एक समान शुल्क लिया जाएगा। फोन जमा करने के बाद श्रद्धालु को एक रसीद या टोकन दिया जाएगा।

दर्शन के बाद इसी रसीद के आधार पर फोन वापस लिया जा सकेगा। यानी श्रद्धालुओं को मंदिर जाने से पहले मोबाइल घर पर छोड़ने की जरूरत नहीं है। अगर वे मोबाइल साथ लेकर आते हैं, तो उसे मंदिर के बाहर बनाए गए निर्धारित काउंटर पर सुरक्षित रूप से जमा करना होगा। कांचीपुरम के प्रसिद्ध देवराजस्वामी-अथी वरदार मंदिर में यह व्यवस्था मंगलवार सुबह 6 बजे से लागू कर दी गई। मोबाइल जमा कराने के लिए वहां 2 कंप्यूटर ऑपरेटर और 2 सहायक तैनात किए गए हैं। फोन जमा करते समय श्रद्धालु की फोटो खींची जाती है। इसके साथ ही मोबाइल का मॉडल और फोन नंबर भी रिकॉर्ड किया जाता है। इसके बाद श्रद्धालु को एक पावती दी जाती है। दर्शन के बाद पावती दिखाकर और रिकॉर्ड का मिलान करने के बाद मोबाइल वापस कर दिया जाता है। मंदिर परिसर और पार्किंग क्षेत्र समेत प्रमुख जगहों पर कई भाषाओं में सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को नियम की जानकारी आसानी से मिल सके।

अमृतसर-दुबई की स्पाइसजेट फ्लाइट फिर लेट : एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा, कहा-मैनेजर को बुलाओ

अमृतसर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली उड़ान में लगातार देरी से मंगलवार को एक बार फिर यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। यात्रियों ने टिकट काउंटर पर एयरलाइन कर्मचारियों से बहस की और उड़ान की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। यात्रियों के मुताबिक, उन्हें उड़ान के समय को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही थी। इसी दौरान एक यात्री ने कर्मचारियों से कहा कि मैनेजर को बुलाया जाए, नहीं तो बाद में किसी नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा। यात्रियों ने एयरपोर्ट की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए। यात्रियों का कहना था कि कम से कम अंदर बैठने की जगह दी जाए। करीब 70 से 80 लोग तेज धूप में बाहर बैठने को मजबूर रहे। इससे यात्रियों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालंधर से पहुंचे एक यात्री ने बताया कि एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्हें जानकारी दी गई कि उनकी उड़ान रात करीब 11 बजे रवाना होगी।

इंडिगो की फ्लाइट का इंजन फेल?

14 हजार फीट की ऊंचाई पर अटकी यात्रियों की जान, दिल्ली से गोवा जा रहा था विमान

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। इंडिगो की गोवा-दिल्ली फ्लाइट को मंगलवार गोवा में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान इंजन में खराबी की सूचना मिलने पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने कुछ समय के लिए फुल इमरजेंसी घोषित कर दी थी। यह जानकारी सूत्रों के मुताबिक है। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2102 सुबह 9:16 बजे गोवा से रवाना हुई, लेकिन एक इंजन में खराबी की सूचना मिलने के बाद वह एयरपोर्ट वापस लौटने लगी।

सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 9:30 बजे एटीसी ने फुल इमरजेंसी घोषित कर दी, क्योंकि सुरक्षित लैंडिंग के लिए विमान को वापस गोवा की ओर मोड़ा जा रहा था। हवाई जहाज सुबह 9:51 बजे रनवे 28 पर सुरक्षित उतरा और स्टैंड 6 पर पूरी तरह से पार्क हो गया, जिसके बाद एटीएस ने सुबह 10:03 बजे फुल इमरजेंसी

खत्म कर दी। सभी यात्री सुरक्षित रूप से उतरे और उन्हें बोर्डिंग एरिया में ठहराया गया। एविएशन ट्रैकर फ्लाइटराडार 24 के आंकड़ों से पता चला कि विमान दक्षिणी महाराष्ट्र के तट से गोवा लौट रहा था।

हवाई अड्डे की ओर मुड़ते समय वह लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। विमान की मंजूरी और परिचालन संबंधी जरूरतों के आधार पर, दिल्ली के लिए उड़ान का समय बदलकर दोपहर 3:30 बजे कर दिया गया है। इंजन की समस्या किस तरह की थी, इस बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

महाराष्ट्र ने कर्नाटक के साथ सीमा विवाद पर

2004 के अपने मुकदमे की सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की मांग की

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक के साथ लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद पर 2004 में दायर अपने मुकदमे की जल्द सुनवाई की मांग की। यह विवाद 865 मराठी भाषी गांवों और कस्बों को लेकर है, जिनका प्रशासन पड़ोसी राज्य (कर्नाटक) संभाल रहा है।

महाराष्ट्र के वकील ने जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी। मोहना की बेंच से आग्रह किया कि इस मामले में सभी ज़रूरी दस्तावेज़ और दलीलें जमा की जा चुकी हैं, इसलिए अब इसे सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाना चाहिए। वकील ने कहा कि

मराठी भाषी आबादी वाले 865 गांव कर्नाटक में हैं और यह उस सिद्धांत के खिलाफ है जिसके आधार पर राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन किया गया था।

चीफ जस्टिस (सीजेआई) ने कहा कि वह मामले की जांच करेंगे। उन्होंने कहा, मैं इसे लिस्ट करने का भरोसा नहीं दे सकता। मराठी भाषी गांवों और कस्बों में बेलगावी (बेलगाम), कारवार और निपाणी शामिल हैं और अभी इनका प्रशासन कर्नाटक के पास है। महाराष्ट्र ने कर्नाटक के नियंत्रण और 1956 के कानून के प्रावधानों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक मूल मुकदमा दायर किया था।

1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत, राज्यों की सीमाओं को भाषाई आधार पर फिर से तय किया गया था। कन्नड़ भाषी लोगों की अधिकता के कारण बेलगावी को तत्कालीन मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) में शामिल कर लिया गया था, जबकि उससे सटे मराठी भाषी इलाके महाराष्ट्र में ही रहे।

मणिपुर में जनगणना से पहले एनआरसी अपडेट करने की मांग को लेकर 24 घंटे की हड़ताल से जनजीवन ठप

इंफाल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। 'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डेलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल के कारण मंगलवार को मणिपुर के कम से कम पांच घाटी जिलों में जनजीवन ठप हो गया। यह हड़ताल जनगणना से पहले नेशनल रजिस्टर ऑफ़ सिटिज़न्स (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग को लेकर की गई थी। इम्फाल ईस्ट, इम्फाल वेस्ट, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में दुकानें और शिक्षण संस्थान बंद रहे, सार्वजनिक परिवहन सड़कों से नदारद रहा और सड़कें सुनसान दिखीं।

सड़कों पर इक्का-दुक्का निजी वाहन ही दिखाई दिए। थौबल जिले के याइरीपोक में हड़ताल के समर्थकों ने ट्रैफिक रोकने के लिए सड़कों पर बांस के खंभे लगा दिए। नागरिक समाज संगठनों की मांग के बाद केंद्र सरकार ने मणिपुर में जनगणना की प्रक्रिया को टाल दिया था। राज्य के गृह मंत्री गोविंदस कोंथौजम ने 'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डेलिमिटेशन' से हड़ताल वापस लेने की अपील की थी।

हालांकि, जेएफडी ने जारी एक बयान में कहा कि वह हड़ताल जारी रखेगा, क्योंकि जनगणना टालने की पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक आदेश नहीं मिला था। मुख्यमंत्री सचिवालय ने सोमवार शाम को बताया कि नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद मणिपुर में जनगणना को टाल दिया गया है।

बयान के अनुसार, बैठक में मणिपुर के लोगों की उस मांग पर चर्चा की गई जिसमें एनआरसी लागू होने तक जनगणना को टालने की बात कही गई थी। बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बयान के अनुसार, सिंह ने मणिपुर के लोगों की चिंताओं पर विचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह का धन्यवाद किया। उन्होंने इस मांग को पूरा करने में सहयोग के लिए बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी आभार व्यक्त किया।

फर्जी आईपीएस गिरफ्तार : सरकारी नौकरी का झांसा दे युवाओं से ऐंठे लाखों रुपये, स्पेलिंग मिस्टेक से खुली पोल

भोपाल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल में एमपी नगर पुलिस ने खुद को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अधिकारी बताकर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी के रूप में बताता था और सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से पैसे वसूलता था। पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईपीएस पहचान पत्र, नकली दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान झांसी निवासी ऋषि कुमार यादव के रूप में हुई है। वह कभी खुद को आईपीएस अधिकारी बताता था तो कभी आयकर विभाग का जॉइंट इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर या इंटेलिजेंस अधिकारी बताकर युवाओं को प्रभावित करता था।

उसका निशाना मुख्य रूप से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्र और नौकरी तलाशने वाले युवा थे। आरोपी युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देता और इसके बदले उनसे लाखों रुपये मांगता था। विश्वास जीतने के लिए वह आयकर विभाग समेत सरकारी विभागों के नाम पर फर्जी नियुक्ति और जॉइनिंग लेटर तैयार कराकर देता था। पुलिस की शुरुआती जांच में करीब एक दर्जन युवाओं से लाखों रुपये की ठगी किए जाने की बात सामने आई है।

किसानों ने चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया; एमएसपी की गारंटी और कर्ज माफी की मांग

चंडीगढ़, 1 सितंबर (एजेंसियां)। ऐसे समय में जब आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार कर्मचारी यूनियनों के विरोध-प्रदर्शन से जूझ रही है, एक और बड़ा विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया है। सभी किसान यूनियनों के संगठन 'संयुक्त किसान मोर्चा' (एसकेएम) के बैनर तले पंजाब के किसानों ने मंगलवार को मोहाली को चंडीगढ़ से जोड़ने वाली सड़क पर सात दिन का 'पक्का मोर्चा' (विरोध प्रदर्शन) शुरू किया, जो 1 से 7 सितंबर तक चलेगा।

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी, अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को रद्द करने (जिसका किसान पुरजोर विरोध कर रहे हैं) और किसानों व खेतिहर मजदूरों के कर्ज पूरी तरह माफ करने की मांग कर रहे हैं।मांगों

की सूची में पानी पंजाब से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है; किसान पंजाब के नदी के पानी के बंटवारे से जुड़े पुराने समझौतों को रद्द करवाना चाहते हैं और मांग कर रहे हैं कि पंजाब विधानसभा इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाए।

वे भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) में पंजाब का प्रतिनिधित्व बहाल करने की भी मांग कर रहे हैं। बीबीएमबी में पंजाब के स्थायी प्रतिनिधित्व से जुड़े बदलावों के बाद यह मुद्दा फिर से राजनीतिक रूप से अहम हो गया है। यह विरोध-प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कई मांगें केंद्र सरकार से जुड़ी हैं, जबकि अन्य पंजाब सरकार और पानी व बीबीएमबी में अधिकारों को लेकर राज्य के लंबे समय से चले आ रहे विवाद से संबंधित हैं।

विरोध-प्रदर्शन की जगह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सड़क मोहाली को चंडीगढ़ और एयरपोर्ट कॉरिडोर से जोड़ती है। विरोध-प्रदर्शन वाले रास्ते का एक हिस्सा मोहाली में है, जबकि बाकी हिस्सा चंडीगढ़ में है (चंडीगढ़ के सेक्टर 48-सी इलाके में, मोहाली, पंजाब में आईआईएसईआर टी-पॉइंट की ओर जाने वाली सड़क पर); इसका मतलब है कि वहां बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का दोनों शहरों के बीच आवाजाही पर तुरंत असर पड़ता है।

इसलिए, चंडीगढ़ प्रशासन और पंजाब सरकार दोनों ने ट्रैफिक और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। ऑल इंडिया किसान फ़ेडरेशन (एआईकेएफ) के अध्यक्ष प्रेम सिंह भंगू ने कहा कि उनकी मुख्य मांगें हैं - रिपेरियन सिद्धांत और संविधान के आधार पर लंबे समय से चले आ रहे नदी जल विवाद को सुलझाना, पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 78, 79 और 80 को रद्द करना, और किसानों व खेतिहर मज़दूरों का पूरा कर्ज़ माफ़ करना।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जब तक आपका हाथ ऊपर रहेगा, तब तक सभी आपसे नाता रखेंगे।

हाई कोर्ट ने कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक योजनाओं पर लगी रोक हटाई

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार को मंगलवार को उच्च न्यायालय से राहत मिली, क्योंकि मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कल्याणा लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के कार्यान्वयन पर एकल न्यायाधीश द्वारा लगाए गए अंतरिम प्रतिबंध को रद्द कर दिया। खंडपीठ दो कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर रोक लगाने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली सरकार की अपील पर सुनवाई कर रही थी। एकल न्यायाधीश ने अधिवक्ता विजय गोपाल द्वारा व्यक्तिगत रूप से दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसमें योजनाओं के संबंध में 2014 से जारी किए गए आठ सरकारी आदेशों को चुनौती दी गई थी। सरकार द्वारा इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने में विफल रहने के बाद स्थगन आदेश जारी किया गया था। सरकार की ओर से पेश होते हुए एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी ने तर्क दिया कि याचिका में उन कल्याणकारी योजनाओं को चुनौती दी गई है जो 2014 से लागू हैं और जिनके कार्यान्वयन से न तो याचिकाकर्ता प्रभावित हुआ है और न ही उसके किसी अधिकार का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता इनमें से किसी भी योजना का लाभार्थी नहीं है। अटॉर्नी जनरल ने तर्क दिया कि याचिका जनहित याचिका की श्रेणी में नहीं आती। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शादी मुबारक जैसी योजनाओं को अनुमति दी थी और कल्याणा लक्ष्मी भी इसी तरह की एक कल्याणकारी योजना है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि याचिका एकल न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई योग्य नहीं है और सरकारी नीतिगत निर्णयों को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई का अधिकार खंडपीठ के पास है। अटॉर्नी जनरल ने अदालत से योजनाओं के कार्यान्वयन पर लगी अंतरिम रोक को हटाने का आग्रह किया। सरकार की दलीलों को स्वीकार करते हुए, खंडपीठ ने रोक हटा दी और योजनाओं को जारी रखने की अनुमति दे दी।

भव्य और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं गणेश नवरात्रि उत्सव : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री तथा हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को आगामी गणेश नवरात्रि उत्सव को भव्य, शांतिपूर्ण और सुचारु तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। मंगलवार को जुबली हिल्स स्थित डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में गणेश उत्सव-2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय समन्वय बैठक में उन्होंने हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार राज्यभर के सभी गणेश पंडालों को निःशुल्क बिजली उपलब्ध करा रही है। पंडाल आयोजक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठाएं। उन्होंने पिछले वर्षों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए संभावित समस्याओं की पहले से पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान करने को कहा। पोन्नम प्रभाकर ने पुलिस विभाग को सुरक्षा और यातायात की व्यापक व्यवस्था करने, शी टीमों और चोरी-रोधी निगरानी दलों को तैनात करने तथा कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के निर्देश दिए। पर्याप्त पार्किंग, यातायात मार्ग परिवर्तन और स्वयंसेवकों की व्यवस्था पहले से करने को कहा गया।

एएनपीआर कैमरे और एआई तकनीक से परिवहन निगरानी को और अधिक स्मार्ट बनाया जा सकेगा: परिवहन मंत्री

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य में यातायात नियमों के उल्लंघन का पता लगाने के लिए 60 स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का लाभ उठाकर परिवहन प्रणाली में निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने की योजना भी तैयार की है। मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग में 113 सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों (एएमवीआई), 50 कांस्टेबल, 20 कनिष्ठ सहायक और चार मोटर वाहन निरीक्षकों (एमवीआई) की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न को रोकने के लिए परिवहन विभाग में चेक-पोस्ट समाप्त कर दिए गए हैं, जबकि जिलों भर में प्रवर्तन टीमों को मजबूत किया गया है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) केवल एक परिवहन संगठन नहीं है, बल्कि समाज के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रेलवे पूरे देश में लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसी प्रकार तेलंगाना में लोगों के दैनिक जीवन में आरटीसी की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्री ने आरटीसी को देश के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक परिवहन संगठनों में से एक बनाने के प्रयासों में चालकों, कंडक्टरों और अन्य कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। विशेष मुख्य सचिव (परिवहन) विकास राज, टीजीएसआरटीसी के मुख्य सचिव वाई. नागी रेड्डी, परिवहन आयुक्त इलंबरथी, संयुक्त परिवहन आयुक्त चंद्रशेखर गौड़ और अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी मेजर ध्यानचंद उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में शारीरिक शिक्षा और खेल के सहायक निदेशक डॉ. सिद्धार्थ आनंदेसी को तेलंगाना इंटेलेक्चअल्स फोरम द्वारा मेजर ध्यानचंद उत्कृष्टता पुरस्कार - 2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब सभागार में प्रदान किया गया। यह दिवस हॉकी के दिग्गज पद्म भूषण मेजर ध्यान चंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। डॉ. आनंदेसी को शारीरिक शिक्षा, खेल विकास और युवाओं एवं विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रो. वी. बालकिस्टा रेड्डी, पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. चंद्रकुमार, टीएससीएचई के उपाध्यक्ष प्रो. उत्तिकाला पुरुषोत्तम और उस्मानिया विश्वविद्यालय के खेल निदेशक प्रो. के. दीपला ने समारोह में भाग लिया।

दो हशीश के तेल तस्कर गिरफ्तार, 21 लाख का माल बरामद

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स, जुबली हिल्स जोन ने एसआर नगर पुलिस के साथ मिलकर दो कथित हशीश तेल तस्करों को गिरफ्तार किया और 21.37 लाख रुपये मूल्य का 1.710 लीटर हशीश तेल जब्त किया। आरोपियों की पहचान पोट्टु मोहन राव (41) और टी. बिस्तुदास (27) के रूप में हुई, दोनों आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के कृषि मजदूर हैं। दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर 30 अगस्त को ओडिशा के चंपागुडा गांव से हशीश का तेल प्राप्त किया और 31 अगस्त को विशाखापत्तनम से सिकंदराबाद तक ट्रेन से यात्रा की। इसके बाद वे एक संभावित ग्राहक को प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने के लिए एसआर नगर गए, लेकिन वाटर टैंक लेन में इंतजार करते समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर आर्थिक कठिनाइयों के कारण अवैध व्यापार में शामिल हुए और उनका इरादा हैदराबाद में हशीश का तेल बेचकर मुनाफा कमाने का था। जुबली हिल्स जोन टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर च. यदेंदर और जुबली हिल्स जोन टास्क फोर्स के एसआईपी डी. रवि राज और उनके स्टाफ के साथ-साथ एसआर नगर पुलिस की देखरेख में यह गिरफ्तारी की गई।

थर्मल पावर प्लांटों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर में बिजली की खपत में हुई उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सरकारी कोयला उत्पादक कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे उन ताप विद्युत स्टेशनों को पर्याप्त और निर्बाध कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करें जिनके साथ उनके ईंधन आपूर्ति समझौते (एफएसए) हैं। उन्होंने सिंगारेणी को यह भी निर्देश दिया कि वह कंपनी के साथ ईंधन आपूर्ति समझौते वाले थर्मल पावर स्टेशनों को हमेशा की तरह पर्याप्त कोयले की आपूर्ति जारी रखे। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर की सरकारी कोयला उत्पादक कंपनियों के साथ थर्मल पावर स्टेशनों को कोयले की आपूर्ति के संबंध में एक विशेष समीक्षा बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने बताया कि देश के 28 ताप विद्युत संयंत्रों में वर्तमान में कोयले का भंडार कम है। उन्होंने इन ताप विद्युत संयंत्रों को कोयला आपूर्ति करने वाली सरकारी कोयला उत्पादक कंपनियों को तत्काल कार्रवाई करने और कोयले की कमी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कोयले के परिवहन को बढ़ाने का निर्देश दिया। कोल इंडिया लिमिटेड, सिंगारेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड और अन्य सरकारी संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने समीक्षा बैठक में भाग लिया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने तिरुमला मंदिर में किए दर्शन

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंगलवार को परिवार के सदस्यों के साथ तिरुमला स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद वैदिक विद्वानों ने राज्यपाल को वेद आशीर्वचन प्रदान किया। मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें तीर्थ प्रसाद भेंट किया। इसके बाद राज्यपाल ने परिवार के साथ तिरुपति के सी. रामापुरम स्थित श्री सिद्धेश्वर तीर्थ, श्री ब्रह्मऋषि आश्रम में भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। बाद में उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ श्रीकालहस्ती स्थित श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए और विशेष पूजा की।

आपराधिक रिकॉर्ड वालों पर निगरानी बढ़ी

गणेश उत्सव से पहले अत्तापुर पुलिस एक्शन मोड में

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश नवरात्रि समारोह से पहले अट्टापुर पुलिस ने एहतियाती उपायों को तेज कर दिया है और राउडी शीटर्स पर नजर पहल के तहत हिस्ट्री-शीटर्स के लिए एक विशेष परामर्श सत्र आयोजित किया है। अत्तापुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में पंजीकृत 72 इतिहास-पत्रकारों में से 45 परामर्श सत्र में शामिल हुए। पुलिस ने उन्हें त्योहार के दौरान सार्वजनिक शांति भंग करने वाली आपराधिक, असामाजिक या गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल न होने की चेतावनी दी। उन्हें यह भी निर्देश दिया गया था कि वे संदिग्ध या अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अधिकार क्षेत्र या शहर की सीमा छोड़ने से पहले नामित सेक्टर सब-इंस्पेक्टर से पूर्व अनुमति प्राप्त करें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह सत्र एसएचओ इंस्पेक्टर ए. सीताय्या, सब-इंस्पेक्टर श्रीनिवासुलु और जयराज, हेड कांस्टेबल कृष्णा और अन्य कर्मियों द्वारा संचालित किया गया।

त्योहारी सीजन में हाईटेक सिटी स्टेशन पर चार ट्रेनों का अस्थायी ठहराव बढ़ा

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा लिंगमपल्ली और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशनों पर बढ़ने वाले दबाव को कम करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे ने हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन पर चार ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, दशहरा और दीपावली के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 27 अक्टूबर 2026 से 10 नवंबर 2026 तक 15 दिनों के लिए हाईटेक सिटी स्टेशन पर इन ट्रेनों का ठहराव जारी रहेगा। इसके अलावा क्रिसमस, नववर्ष और संक्रांति के दौरान होने वाले अतिरिक्त आवागमन को देखते हुए 18 दिसंबर 2026 से 19 जनवरी 2027 तक 33 दिनों के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध रहेगी।

हाईटेक सिटी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव पाने वाली ट्रेनों में ट्रेन संख्या 17255 नरसापुर-लिंगमपल्ली, ट्रेन संख्या 17256 लिंगमपल्ली-नरसापुर, ट्रेन संख्या 12775 काकीनाडा टाउन-लिंगमपल्ली और ट्रेन संख्या 12776 लिंगमपल्ली-काकीनाडा टाउन शामिल हैं। ट्रेन संख्या 17255 हाईटेक सिटी स्टेशन पर सुबह 4 बजकर 45 मिनट पर पहुंचेगी और 4 बजकर 46 मिनट पर रवाना होगी। ट्रेन संख्या 17256 रात 9 बजकर 8 मिनट पर पहुंचेगी और 9 बजकर 9 मिनट पर रवाना होगी। ट्रेन संख्या 12775 सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर पहुंचेगी और 7 बजकर 11 मिनट पर रवाना होगी, जबकि ट्रेन संख्या 12776 शाम 7 बजकर 8 मिनट पर पहुंचेगी और 7 बजकर 9 मिनट पर रवाना होगी। दक्षिण मध्य रेलवे ने बताया कि इन चारों ट्रेनों के लिए हाईटेक सिटी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव पहले ही 9 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2026 तक 18 दिनों के लिए घोषित किया गया था। अब इस सुविधा की अवधि बढ़ाते हुए इसे दशहरा और दीपावली के बाद 27 अक्टूबर से 10 नवंबर तक तथा क्रिसमस, नववर्ष और संक्रांति के दौरान 18 दिसंबर से 19 जनवरी तक भी लागू किया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन यात्रियों ने इन ट्रेनों में लिंगमपल्ली स्टेशन से यात्रा के लिए पहले से आरक्षण करा रखा है, वे निर्धारित अवधि के दौरान हाईटेक सिटी स्टेशन से भी ट्रेन में सवार हो सकते हैं। इसके लिए यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना बोर्डिंग स्टेशन लिंगमपल्ली से बदलकर हाईटेक सिटी करना होगा।

70वीं एसजीएफआई जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताएं शुरू

महेश कुमार गौड़ ने प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला स्कूल गेम्स फेडरेशन के तत्वावधान में 70वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की अंतर-विद्यालय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 2026-27 मंगलवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में भव्य रूप से शुरू हुईं। प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और खेल प्रतियोगिताओं का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों को भी समान महत्व देकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, दृढ़ता, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि ग्रामीण और सरकारी स्कूलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने में इस तरह की प्रतियोगिताएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीत और हार को समान भाव से स्वीकार करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिताएं 14 वर्ष से कम और 17 वर्ष से कम आयु वर्ग में बालक-बालिकाओं के लिए विभिन्न खेलों में आयोजित की जा रही हैं। जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा की पहचान कर उन्हें अगले स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित किया जाएगा। इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, B Urmila Patra, W/o, No. 14673652P, NK, Y Mohan Rao , R/o, Vill &PO : Kurula, Dist: Ganjam,Odisha, Changed my name from B Urmila Patra to Y Sangeeta, vide Affidavit No. BU 316585 dt. 31.08.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Undrakla Yadav, W/o, No. 17004614Y, NK, Sanjay Yadav, R/o, Vill &PO: Ghariha, Dist: Ghazipur, Uttar Pradesh, changed my name from Indrakla Yadav to Indrakala Yadav, vide Affidavit No. 995341 dt. 31.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court Telangana.

I, Sunahala Devi, Mother of No. 14683123W, Hav, Binod Kumar Sah, R/o, Vill &PO : Sarna, Dist: Bhojpur, Bihar changed my name from Sunahala Devi to Sonahula Devi , vide Affidavit No. 995338 dt. 31.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वर्गवास

डॉ. लतिका महेंद्र

(धर्मपत्नी - डॉ. नागेन्द्र महेन्द्र)

स्वर्गवास - 31 अगस्त 2026

अंतिम यात्रा आज बुधवार 2 सितम्बर 2026, मध्याह्न 3 बजे, हमारे निवास स्थान 16-11-20/1/4, सलीम नगर कॉलोनी, मलकपेट से महाप्रस्थानम, विस्पर वैली श्मशान वाटिका जाएगी।

शोकाकुल - महेन्द्र परिवार

संपर्क - 9848018320, 9490234282

यूपी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट- इंस्पेक्टर समेत 9 पुलिसवाले सस्पेंड

11 लाशों का पोस्टमॉर्टम हुआ, फैक्ट्री मालिक एनकाउंटर में अरेस्ट

प्रयागराज/कौशांबी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में प्रयागराज-कौशांबी बॉर्डर पर अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। लापरवाही बरतने पर एक इंस्पेक्टर, 6 दरोगा समेत 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया।

मंगलवार तड़के फैक्ट्री मालिक नौशाद (50) को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद अरेस्ट कर लिया। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 11 शवों का थोड़ी देर में पोस्टमॉर्टम होगा। 3 शवों का प्रयागराज जबकि 8 शवों का पोस्टमॉर्टम कौशांबी में होगा।

इधर, आज भी फैक्ट्री का मलबा बुलडोजर से हटाया जा रहा है। पुलिस देख रही है कि कोई मलबे में दबा तो नहीं है।

फोरेंसिक टीम भी मौके पर जांच कर रही है। इसी बीच, बुजुर्ग पिता मलबे में बेटे की लाश खोजता दिखा। बोला- बेटे का एक पैर पोस्टमॉर्टम हाउस में मिला है, लेकिन धड़ अभी भी मिला।

घटना से गुस्साए लोगों ने आरोपी के घर पर पत्थरबाजी कर दी। इससे घर के शीशे टूट गए। हालांकि, घर पर ताला लगा हुआ

था। सोमवार दोपहर 11.30 बजे फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ था। इसमें आसपास के 3 मकान जमींदोज हो गए। 5 मकान टूट गए थे।

हादसे के बाद रात साढ़े 7 बजे फैक्ट्री से 400 मीटर दूर बनाए नौशाद के पटाखा गोदाम को बुलडोजर से ढहा दिया गया। फैक्ट्री में विस्फोट किस वजह हुआ, यह अभी तक साफ नहीं है। हालांकि, एक महिला ने बताया था- बिजली का खंभा गिरने के बाद फैक्ट्री में रखे बारूद में तेज धमाका हुआ। फैक्ट्री प्रयागराज में मनौरी एयरफोर्स स्टेशन से करीब 2 किलोमीटर दूर चल रही थी।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में घायलों से मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम

हर संभव मदद का दिया आश्वासन, बोले- जांच करवाएंगे

प्रयागराज, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कौशांबी में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के बाद घायलों का हाल जानने के लिए, उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात की। डिप्टी सीएम ने कहा कि हादसा बेहद दुखद और हृदय विदारक है। एक ही परिवार के कई लोगों की जान चली गई है, जबकि एक घायल की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है। उन्होंने एसआरएन अस्पताल के डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए और जिन घायलों की जान बचाई जा सकती है, उन्हें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारों को सरकार की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि वह प्रयागराज में ही थे, इसलिए हादसे

की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंचकर घायलों को देखा और उनके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुखद घटना से बेहद दुखी है और घायलों के इलाज के साथ-साथ पीड़ित परिवारों की मदद पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

सीएम योगी के खिलाफ दायर किया मानहानि का मुकदमा

मछली खाने के आरोप से आहत अजय राय पहुंचे सिविल कोर्ट

लखनऊ, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अजय राय का आरोप है कि अयोध्या में उनके मछली खाने को लेकर मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोप झूठे और आपत्तिजनक हैं। इससे आहत होकर उन्होंने मंगलवार को लखनऊ की सिविल कोर्ट में मानहानि का दावा दाखिल किया। अजय राय का कहना है कि उनके खिलाफ गलत तथ्य प्रस्तुत कर उनकी सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी को आधार बनाकर उन्होंने न्यायालय का रुख किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति के बारे में गलत और तथ्यहीन आरोप लगाना गंभीर विषय है। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से जवाब देने की बात कही है।

पटना में तेज बारिश, 14 जिलों में अलर्ट

रोहतास- वाटर फॉल में फंसे 2 युवक, किशनगंज- सीने तक पानी में निकला जनाजा, गंगा में समाया मंदिर

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों में पानी भर गया है। बिहार में मौसम विभाग ने पटना समेत प्रदेश के 14 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष चेतावनी दी गई है।

वहीं, बाकी 24 जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। ज्यादातर जिलों में तापमान 34 से 36 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 4 सितंबर को भी बिहार के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। सोमवार को पटना, लखीसराय, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, बेगूसराय, अररिया और मुंगेर में बारिश हुई। लखीसराय में तेज बारिश के दौरान दिन में ही अंधेरा छा गया। औरंगाबाद में सबसे ज्यादा 145 mm बारिश रिकॉर्ड की गई।

जहानाबाद में दरधा नदी में अचानक पानी आने के कारण जाफरगंज पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। आवागमन प्रभावित हुआ है। लोग जान जोखिम में डाल पुल पार कर रहे हैं। पुल के ऊपर से लगभग 2 फीट पानी बह रहा है। किशनगंज के बहादुरगंज प्रखंड में बैसा कब्रिस्तान में मिट्टी देने के लिए लोगों को शव को कंधे पर लेकर खकवा पार करनी पड़ती है। सोमवार को मृतक शहनसवी बेगम के शव को परिजन नदी तैरकर मिट्टी देने ले गए। नोदिया टोली-बैसा घाट पर पुल नहीं होने के कारण दर्जनों गांव के हजारों ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर अपने परिजनों के जनाजे को इसी तरह ले जाते हैं। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से दबाव के कारण सहायक नदिया भी उफान पर हैं। जिसके कारण कर्मनाशा नदी का पानी सिकरौल गांव के रास्ते पर तीन फीट ऊपर तक चढ़ गया। जिससे गांव के लोगों को आने जाने परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के अधिकतर लोग इसी रास्ते से जान जोखिम में डाल कर आ जा रहे हैं।

कैमूर पहाड़ी पर पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई है। जिसके कारण गुप्ता धाम के बगल से गुजर रही दुर्गावती, सुगवा, नौहट्टा के अवसानी, तिलौथू के तुतलाही, सासाराम के काव नदियां उफान पर हैं।

80 की स्पीड में कार नहर में गिरी

सड़क पर गीली मिट्टी से फिसली गाड़ी, 2 नाबालिग डूबे, एक लापता

औरंगाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद में सोमवार को 80 की स्पीड में कार नहर में गिर गई। कार नाबालिग चला रहा था। सड़क पर गीली मिट्टी फैली थी, जिससे कार फिसल गई। गाड़ी में एक और नाबालिग था। दोनों डूब गए। एक्सीडेंट के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। फेसर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। गोताखोरों की मदद से पहले कार को नहर से निकाला गया। इसके बाद कार में फंसे एक नाबालिग को सुरक्षित रेस्क्यू किया। जिसकी पहचान चिरकुटिया स्थान निवासी सुनील कुमार के बेटे शुभमश्री (16) के रूप में हुई है।

वहीं, दूसरा नाबालिग संतोष कुमार का बेटा यश कुमार (15) है। जो लापता है, तलाश जारी है। घटना फेसर थाना क्षेत्र अंतर्गत मौला नगर गांव के पास की है।

शुभम श्री के पिता कृषि को ऑर्डिनेटर हैं, जबकि लापता यश के पिता संतोष पांडेय चिरकुटिया बाबा मंदिर के पुजारी हैं। दोनों नाबालिग कार लेकर घर से निकले थे। कुशी गांव होते उन्धू गांव पहुंचे। इसके बाद मौला नगर की ओर जा रहे थे। तभी गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद कार को नहर से बाहर निकाला गया और शुभमश्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हालांकि, यश कुमार का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। गोताखोर लगातार नहर में तलाश कर रहे हैं। थानाध्यक्ष वर्षा कुमारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी और तत्काल बचाव अभियान शुरू कराया गया। एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि दूसरे बच्चे की तलाश जारी है।

पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार नहर में खोजबीन कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी एसडीआरएफ की टीम को दी गई है।

महिला ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म

परिवार में उत्सव का माहौल

सीतापुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है। इनमें तीन बेटे और एक बेटी शामिल हैं।

रेउसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती महिला और सभी बच्चे स्वस्थ बताए जा रहे हैं। एक साथ चार नवजात के जन्म की खबर पाकर घरवाले बहुत खुश हैं।

थानागांव क्षेत्र की रहने वाली महिला को प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा लाया गया था।

यहां तैनात स्टाफ नर्स सीमा ने अपनी कुशलता, अनुभव और तत्परता के साथ प्रसव कराया। प्रसव के बाद जब एक-एक कर चार बच्चों के जन्म की जानकारी सामने आई तो परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार में एक साथ तीन बेटों और एक बेटी की किलकारियां गूंजने से माहौल उत्सव जैसा हो गया।

खाटूश्याम से लौट रहे यूपी के 6 श्रद्धालुओं की मौत

इनमें 3 महिलाएं, एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में घुसी पिकअप, 14 घायल

मैनपुरी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मैनपुरी के 21 श्रद्धालुओं से भरी पिकअप मंगलवार तड़के हरियाणा में सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं हैं। 14 लोग घायल हुए हैं। सभी राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने के बाद पिकअप से वृंदावन जा रहे थे।

हादसा पलवल में केएमपी एक्सप्रेस-वे पर हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि लोग पिकअप से उछलकर सड़क पर जा गिरे। गाड़ी के भी परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। ड्राइवर ने पिकअप को लोहे के सरिए और जाल लगाकर डबल डेकर बनाया गया था। इससे उसकी ऊंचाई भी बढ़ गई थी। मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र के किशनपुर मुरैया, मकोया और चांदा गांव के लोगों ने रक्षाबंधन पर पिकअप किराए पर ली। 21 लोग पिकअप में सवार होकर धार्मिक अनुष्ठानों के लिए निकले। इन लोगों ने सोमवार शाम राजस्थान के खाटू श्याम और बालाजी के दर्शन किए थे। इसके बाद उन्होंने मथुरा के वृंदावन में दर्शन करने की योजना बनाई। देर रात मथुरा के लिए निकल पड़े। मंगलवार सुबह जैसे ही पिकअप हरियाणा के पलवल जिले की सीमा में केएमपी एक्सप्रेस-वे पर पहुंची, उसकी टक्कर खड़े ट्रक से हो गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। सभी घायलों को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान विजय सिंह, राजकुमार, रेशमा देवी, कमला देवी, सुधा और महेश के रूप में हुई है। घायलों में सुनील, श्वेता यादव, बीरेश, उमेद, विनोद कुमार, सरला, रूबी, रामसेवक, रवि, वाणी, वीनू, तन्नू, रेखा और गोरा देवी शामिल हैं।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पिकअप चालक सुधीर भी फरार बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

75 हजार घूस लेते बीडीओ गिरफ्तार

रिश्वत लेकर मामा को थमाई अरेस्ट हुए तो सिर पर हाथ रखकर बैठ गए अमित प्रताप सिंह

बांका, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पटना से आई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने मंगलवार की सुबह बांका में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने फुल्लीडुमर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अमित प्रताप सिंह को 75 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

निगरानी की टीम ने ये कार्रवाई बांका शहर के नेहरू कॉलोनी स्थित बीडीओ के निजी आवास पर की। गिरफ्तारी के बाद टीम बीडीओ और मौके पर मौजूद उनके मामा बच्चन प्रसाद सिंह को बांका परिसदन (सर्किट हाउस) लेकर पहुंची, जहां दोनों से गहन पूछताछ की गई। रिश्वत के पैसे लेने के बाद बीडीओ ने ये रकम साथ रहे अपने मामा को दे दिए थे। टीम ने मामा की जेब से पैसे बरामद किए हैं। अरेस्ट होने के बाद अमित प्रताप सिंह सिर पर हाथ रखकर बैठ गए।

सहारनपुर पीएनबी में 17 करोड़ के नकली नोट मिले

खजाने का हाउसकीपर सीसीटीवी में पैसे निकालता दिखा, 3 अधिकारी सस्पेंड, आरबीआई की जांच जारी

सहारनपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की करेंसी चेस्ट में करीब 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिले हैं। बैंक ऑडिट के दौरान यह मामला सामने आया। इसके बाद मंगलवार सुबह 8 बजे आरबीआई के 6 अफसर दो गाड़ियों से पहुंचे। 4 घंटे से बैंक के अंदर हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं।

इस मामले में अब तक 3 अफसरों को सस्पेंड किया गया है। पीएनबी मेरठ के चीफ मैनेजर और जांच अधिकारी अरुण कुमार चौबे की शिकायत पर तीन अफसरों समेत 4 लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

सहारनपुर की घंटाघर स्थित पीएनबी ब्रांच से जयपुर भेजी गई रकम में कमी मिलने के बाद मामले का खुलासा हुआ। कुछ दिन पहले इसी पीएनबी शाखा में पार्टटाइम हाउसकीपर विशाल कुमार को करेंसी चेस्ट (खजाने) में 11.50 करोड़ रुपए की नोटों की गड्डियां व्यवस्थित करने का काम दिया गया था। इनमें गले, कटे और दूसरे तरह के नोट शामिल थे।

बैंक को यह रकम आरबीआई के जयपुर करेंसी चेस्ट भेजनी थी। तय प्रक्रिया के तहत रकम 5 अगस्त को जयपुर भेजी गई। वहां नोटों की गिनती हुई तो 4 लाख 30 हजार 900 रुपए कम मिले। जयपुर करेंसी चेस्ट से इसकी जानकारी मेरठ पीएनबी के अधिकारियों को दी गई।

सीसीटीवी फुटेज में नोट निकालता दिखा था हाउसकीपर पीएनबी ने मेरठ के चीफ मैनेजर अरुण कुमार चौबे को जांच के लिए सहारनपुर भेजा। उन्होंने बैंक अफसरों के साथ करेंसी चेस्ट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

इसमें पार्टटाइम हाउसकीपर विशाल कुमार नोटों की गड्डियों से रुपए निकालता हुआ दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद बैंक ने विशाल कुमार को काम से हटा दिया। साथ ही उसके खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया।

हाउसकीपर से जुड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक ने 9 अगस्त से करेंसी चेस्ट का ऑडिट शुरू कराया। जांच टीम ने चेस्ट में मौजूद नकदी और रिकॉर्ड का मिलान किया। ऑडिट के दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आई। करेंसी चेस्ट में रखी रकम की जांच की गई तो 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिले।

इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट मिलने से बैंक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद जांच अधिकारी ने करेंसी चेस्ट से जुड़े अधिकारियों से पूछताछ की। सीनियर डिवीजनल मैनेजर रवि कुमार कांसे, करेंसी चेस्ट मैनेजर सुशील कुमार और यमुनानगर-जगाधरी (हरियाणा) में तैनात करेंसी चेस्ट मैनेजर अमित कुमार से सवाल किए गए।

तीनों से नकली नोटों के करेंसी चेस्ट तक पहुंचने और वहां रखे जाने को लेकर जानकारी मांगी गई। जांच अधिकारी के मुताबिक, तीनों अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

सीएम बोले-बिहार में खुलेगा नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा

सम्राट चौधरी ने कहा- 5 साल में 1 करोड़ लोगों को मिलेगी नौकरी-रोजगार, जिले में खुलेगी नई चीनी मिल

मोतिहारी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) का नया कैंपस स्थापित किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से इसकी स्थापना को सहमति मिलने के बाद सीएम सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार जताया है।

सीएम सम्राट मंगलवार, 1 सितंबर को मोतिहारी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गांधी मैदान से बापूधाम महोत्सव की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में सीएम के साथ ही पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जिले को 300 करोड़ रुपए से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी। इसमें विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास शामिल है। सीएम ने अपने भाषण में कहा, बिहार में एनएसडी का नया कैंपस स्थापित किया जाएगा। मोतिहारी में नई चीनी मिल खोलने की भी तैयारी की जा रही है, जिससे कई किसानों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मोतिहारी को करीब 285 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और आधारशिला रखी। इनमें नगर निगम की करीब 78 करोड़ रुपए की योजनाएं भी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मोतिहारी तारामंडल, एमएस कॉलेज में करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले खेल स्टेडियम, हवाई अड्डे के पास होमगार्ड मैदान में मेडिकल कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। इन परियोजनाओं से जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, विज्ञान और शहरी सुविधाओं के क्षेत्र में विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) का नया कैंपस स्थापित किया जाएगा।

नेपाल की बाढ़ से बिहार में आ पहुंची खतरनाक मछलियां

मत्स्य विभाग ने भूलकर भी न खाने की दी सलाह

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की विनाशकारी बाढ़ के मलबे और पानी के साथ बिहार की गंडक नदी सहित अन्य जलाशयों में बेहद असामान्य और खतरनाक मछलियों के आने से भारी हड़कंप मच गया है। इन मछलियों के सेवन से कुछ लोगों के बीमार पड़ने के बाद डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग ने तत्काल प्रभाव से एडवाइजरी जारी की है।

गोपालगंज के गंडक नदी से मछुआरों ने कई क्विंटल भारी-भरकम मछलियां पकड़कर बाजारों में बेची हैं। दूषित पानी और गंदगी के संपर्क में रहने के कारण ये मछलियां जीवाणुओं से संक्रमित हैं, जिनसे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरों की चेतावनी दी गई है।26 अगस्त को नेपाल में आई बाढ़ का मलबा और पानी बिहार

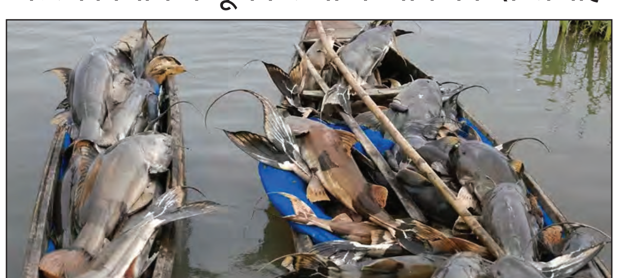

पहुंचने के साथ ही तालाबों, झीलों और नदियों से मछलियां बाहर फैल गई हैं। विभाग के अनुसार, ये मछलियां अत्यधिक दूषित और संक्रमित हो चुकी हैं। गोपालगंज के मंगलपुर घाट पर 29 अगस्त की सुबह मछुआरों ने गंडक नदी से 27 किलो से लेकर 60 किलो तक की विशालकाय मछलियां पकड़ीं। मछुआरों ने नदी से मरी हुई और आक्रामक मछलियों को जाल से निकालकर पश्चिम बंगाल के बाजारों तक सप्लाई किया है। अज्ञात और असामान्य मछलियों को नहीं खाएं। ये मछलियां गंदी नालियों, मृत जानवरों और अन्य गंदगी के लगातार संपर्क में रहने के कारण जीवाणुओं, विषाणुओं और कवकों आदि से दूषित हो जाती हैं। ऐसी मछलियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है।

चित्रकूट एसपी अनाउंस कर रहे- घर-दुकान बंद करके चले जाइए

लखनऊ/वाराणसी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी फिर से उफान पर है। जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। रामघाट समेत आसपास के इलाकों की सड़कों पर नदी का पानी घुटनों से ऊपर बह रहा है। 500 दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है। मकानों और गेस्ट हाउसों में भी पानी भरने लगा है।

डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरकर लाउडस्पीकर से लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। एसपी ने कहा कि मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश हो रही है। सभी लोग अपने घर और दुकान बंद कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाइए। पानी फिर से बढ़ने वाला है। इधर, काशी में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। मणिकर्णिका घाट जलमग्न हो गया है। शवदाह गृह जाने वाला रास्ता डूब चुका है। लोग घुटनों तक पानी में अर्थी लेकर पहुंच रहे हैं। 50 फीट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर 95% तक डूब गया है। दशाश्वमेध घाट पर जल पुलिस की चौकी में भी पानी घुस गया है। वहीं, मंगलवार सुबह से लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर समेत 25 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। सहारनपुर में इतनी बारिश हुई कि बरसाती नदियों में सैलाब आ गया। पुल और सड़कें डूब गईं। कई गांवों में पानी भर गया। रायबरेली के ऊंचाहार में बरसाती पानी भरने से एनटीपीसी की यूनिट नंबर दो बंद हो गई। वहीं, बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

आरक्षण का फायदा उठा कर खत्म करने की बात भी करते हैं

तेजस्वी यादव का चिराग-मांझी पर निशाना

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरक्षण को लेकर एक बार फिर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतन राम मांझी पर निशाना साधा है। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि ये लोग आरक्षण का फायदा उठाते हैं और फिर इसे खत्म करने की बात भी करते हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर एनडीए में शामिल लोग आपस में ही लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो सभी आरक्षित सीट से लड़ते भी हैं, केंद्र में मंत्री भी हैं और फिर आरक्षण खत्म करने की बात भी करते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि तेजस्वी यादव ने कभी आरक्षण का लाभ नहीं उठाया, लेकिन उनलोगों ने सर्वे कर 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। लेकिन इसे बीजेपी की सरकार ने खत्म करवा दिया।

आरक्षित सीट छोड़ कर सामान्य सीट से चुनाव लड़ने की चुनौती तेजस्वी यादव ने चिराग और मांझी को चुनौती देते हुए कहा कि हिम्मत है तो वो अपनी आरक्षित सीट छोड़ कर सामान्य सीट से चुनाव लड़ें।

उन्होंने कहा कि इन लोगों को आरक्षण से कोई मतलब नहीं। बिहार और केंद्र दोनों में एनडीए की सरकार है, तो 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में क्यों नहीं शामिल किया जा रहा है। तेजस्वी यादव ने पूछा कि चिराग पासवान इस मामले में जवाब क्यों नहीं देते।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, रामदास अठावले और सुदेश महतो जैसे सभी लोग लाभ उठाते हैं, पर अपने समाज के सवाल को नहीं उठाते हैं। उन्होंने ये भी पूछा कि बिहार में जातीय गणना की बात पर सब चुप क्यों हो जाते हैं, यदि वो आरक्षण के पक्षधर है तो इसपर अमल करे।

छत्तीसगढ़ में ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पीए रहे केके चंद्रवंशी के आवास पर सुबह-सुबह छापा

भिलाई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में उनके निज सचिव रहे केके चंद्रवंशी के भिक लाई-3 स्थित विश्व बैंकालोनी के आवास पर मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पहुंची। दो वाहनों में पहुंचे अधिकारियों ने आवास पर जांच शुरू की। कार्रवाई की खबर फैलते ही इलाके में हलचल बढ़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ईडी की टीम आवास पर दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई किस प्रकरण से संबंधित है और अधिकारी किन दस्तावेजों या वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रहे हैं, इसका आधिकारिक विवरण फिलहाल सामने नहीं आया है। तलाशी पूरी होने के बाद ही कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी स्पष्ट हो सकेगी।

केके चंद्रवंशी के आवास पर ईडी की पहुंच को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक और प्रशासनिक दायरे से जुड़े कई लोगों तक पहुंची है। वर्ष 2023 में ईडी ने

तत्कालीन मुख्यमंत्री बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और उनके दो ओएसडी के परिसरों पर तलाशी ली थी। उस समय कार्रवाई आनलाइन सट्टेबाजी और कथित मनी लाड्रिंग से जुड़ी जांच के संदर्भ में बताई गई थी।

मामला वर्ष 2025 में और चर्चित हुआ, जब शराब घोटाले की मनी लाड्रिंग जांच के सिलसिले में ईडी ने भिलाई स्थित भूपेश बघेल के आवास पर तलाशी ली। 18 जुलाई 2025 को हुई इस कार्रवाई के बाद उनके बेटे चैतन्य बघेल को ईडी ने गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने कथित 2,100 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में कार्रवाई की थी।

शराब घोटाले की जांच आगे बढ़ने के साथ पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, कारोबारी अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और आईटीएस अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी समेत कई नाम सामने आए। सितंबर 2025 में ईडी ने चैतन्य बघेल के खिलाफ 7,039 पन्नों की अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। एजेंसी के अनुसार कथित घोटाले से जुड़े अवैध धन के प्रवाह की जांच में चैतन्य बघेल की भूमिका सामने आई।

ईडी की जांच शराब मामले तक सीमित नहीं रही। भूपेश बघेल की तत्कालीन उप सचिव सौम्या चौरसिया भी कोयला लेवी प्रकरण में ईडी और ईओडब्ल्यू की जांच के दायरे में रही हैं। ईडी ने उनकी करीब 39 करोड़ रुपये मूल्य की 29 संपत्तियां पहले ही अटैच की थीं। बाद में ईओडब्ल्यू ने 16 अन्य संपत्तियों को भी कार्रवाई के दायरे में लिया। हालांकि, अलग-अलग मामलों में एजेंसी ने वित्तीय अनियमितताओं और मनी लांड्रिंग के आरोपों की जांच की है।

इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि सभी कार्रवाई केवल भूपेश बघेल से संबंध के आधार पर हुई है। फिलहाल केके चंद्रवंशी के आवास पर ईडी की तलाशी जारी रहने की सूचना है। कार्रवाई पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि टीम को क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली और यह कार्रवाई सीधे तौर पर किस केस से जुड़ी है।

हनी ट्रैप-टू में श्वेता जैन निकली सरगना, रेशू चौधरी को बनाया फोटो-वीडियो बनाने में साथी

इंदौर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मई में सामने आए हनी ट्रैप पार्ट-टू में पुलिस ने न्यायालय में करीब 600 पन्नों का चालान प्रस्तुत कर दिया है। चालान में हनी ट्रैप के 2019 के मामले की आरोपित रही श्वेता विजय जैन को इस कथित गिरोह का सरगना बताया गया है। सागर निवासी रेशू चौधरी को उसकी सहयोगी बताते हुए फोटो और वीडियो के माध्यम से लोगों पर दबाव बनाने की भूमिका का उल्लेख किया गया है। मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों की फारेंसिक जांच रिपोर्ट का इंतजार है। मामले में कुल सात को आरोपित बनाया गया है।

मामला शराब और प्रापर्टी कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर की शिकायत से सामने आया था। उन्होंने 18 मई को क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 अप्रैल को उन्हें रोका गया और प्रापर्टी कारोबार में हिस्सेदारी या एक करोड़ रुपये देने के लिए धमकाया गया। शिकायत में कथित फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देने का भी उल्लेख था। प्रारंभिक एफआइआर में श्वेता का नाम नहीं था। बाद में बयान में उसका नाम सामने आने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान रेशू चौधरी का नाम भी जांच में जुड़ा। पुलिस के अनुसार आरोपितों के बयान और अन्य साक्ष्यों से कारोबारी पर दबाव बनाने की योजना का पता चला है।

फोटो-वीडियो के आधार पर ब्लैकमेलिंग चालान में यह भी कहा गया है कि श्वेता और उसके साथियों ने संगठित तरीके से लोगों को निशाना बनाकर फोटो-वीडियो के आधार पर ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली की योजना बनाई। हालांकि पुलिस द्वारा जब्त नौ मोबाइल, दो पेनड्राइव और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों की फारेंसिक जांच रिपोर्ट अभी आना बाकी है। इनमें आपत्तिजनक, परिवर्तित या डीपफेक सामग्री एवं ब्लैकमेलिंग से जुड़े डिजिटल प्रमाण तलाशे जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि नए प्रमाण मिलने पर पूरक चालान भी प्रस्तुत किया जा सकता है। मामले में संगठित अपराध से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पाकिस्तान ने 100 साल से ज्यादा पुराने मंदिर को ढहाया, जमीन को मदरसे में शामिल करना था

इस्लामाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर जुल्म की घटनाएं लंबे समय से सामने आती रही हैं। मानवाधिकार के मामलों में पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड लगातार खराब रहा है जिससे दुनिया वाकिफ है। ऐसे समय में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक बार फिर से हिंदू समुदाय के खिलाफ जुल्म की खबर सामने आई है। यहां कथित तौर पर एक हिंदू मंदिर को इसलिए ढ़हा दिया गया क्योंकि मंदिर की जमीन को मदरसे में शामिल किया जाना था। अधिकारियों और अल्पसंख्यक संगठनों ने सोमवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी है।

सामने आई जानकारी के अनुसार, आरोप है कि मंदिर के पास ही एक मदरसा था। ऐसे में कट्टरपंथियों ने मंदिर की जमीन को मदरसे में मिलाने के लिए मंदिर को ढहा दिया। ये मंदिर करीब 100 से 125 साल पुराना था और 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ था। मंदिर लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर नारोवाल जिले के सिराज गांव में था। जानकारी के मुताबिक, मंदिर को ढहाने का आरोप प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े हुए लोगों पर लगा है। दूसरी ओर पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि संबंधित मंदिर भारी बारिश के कारण अपने आप ढह गया है।

जबकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मंदिर के शिखर की धातु, अन्य सामान और मलबे की ईंटों को भी बाद में वहां से हटवा दिया गया है। हिंदू समुदाय के नेताओं ने इस पुराने मंदिर को गिराए जाने की निंदा की है और सरकार से इसके मंदिर को दोबारा बनाए जाने के लिए आदेश देने की मांग की है। आपको बता दें कि इसस पहले कई बार पाकिस्तान में हिंदू महिलाओं और युवतियों के अपहरण और धर्म परिवर्तन की घटनाएं भी सामने आती रही हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर पर श्रीनगर में कांग्रेस का प्रदर्शन, वापसी की मांग

श्रीनगर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी को डराया नहीं जा सकताः ऑडिल फारूक मीर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ऑडिल फारूक मीर ने कहा कि एफआईआर के बावजूद राहुल गांधी न तो डरेंगे और न ही पीछे हटेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हल्द्वानी में हुई घटना के पीछे आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोग थे। मीर ने कहा कि सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने एफआईआर वापस लेने और कथित तौर पर विवाद भड़काने वालों के खिलाफ मामले दर्ज करने की मांग की। हल्द्वानी सिटी कोतवाली पुलिस ने राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता अमित कुमार ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी की टिप्पणी से अनुसूचित जाति समुदाय की भावनाएं आहत हुईं।

पुलिस ने एफआईआर में एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराएं भी लगाई हैं। कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा है कि पार्टी इस एफआईआर के विरोध में देशभर में राज्य स्तर पर प्रदर्शन मार्च निकालेगी। कांग्रेस का कहना है कि हल्द्वानी में कथित जातिवादी घटना के लिए जिम्मेदार भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने दो बांग्लादेशी पकड़े, 15 दिन की थी अनुमति, उससे ज्यादा भारत में रुके

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल स्टाफ टीम ने ऑपरेशन विस्टा 1.0 (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) के तहत वीजा शर्तों का उल्लंघन करने वाले दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। दोनों नागरिक डबल-एंट्री वीजा पर भारत आए थे और उन्हें प्रत्येक यात्रा के दौरान अधिकतम 15 दिन तक भारत में रहने की अनुमति थी। जांच में दोनों निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में रुके पाए गए। पकड़े गए विदेशी नागरिकों की पहचान जोमिर हुसैन और मक्सूदा अख्तर के रूप में हुई है। फॉरेनर सेल की टीम ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के विभिन्न होटल और गेस्ट हाउस में विशेष सत्यापन अभियान चलाया। इसी दौरान अराकाशन रोड, नबी करीम स्थित एक होटल में 25 वर्षीय जोमिर हुसैन, निवासी बांग्लादेश, मिला। जांच में सामने आया कि वह 9 जुलाई 2026 को भारत आया था।

इसके बाद टीम ने चांदी वालान मेन बाजार, पहाड़गंज स्थित एक अन्य होटल में 39 वर्षीय मक्सूदा अख्तर, निवासी ढाका, बांग्लादेश, को पकड़ा। मक्सूदा अख्तर 27 जुलाई 2026 को भारत आई थी। पुलिस टीम ने दोनों के पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा दस्तावेजों की जांच की। दस्तावेजों से पुष्टि हुई कि दोनों को डबल-एंट्री वीजा के तहत प्रत्येक यात्रा में अधिकतम 15 दिनों तक भारत में रहने की अनुमति थी। हालांकि, दोनों निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर संदीप यादव, प्रभारी स्पेशल स्टाफ, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के नेतृत्व में और एसीपी ऑपरेशंस पदम सिंह राणा की निगरानी में की गई।

टंप ने ईरान को बताया 'विफल राष्ट्र', वहां नेतृत्व करने वाला कोई स्पष्ट नेता नहीं

वॉशिंगटन, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा करते हुए कहा कि ईरान की सैन्य ताकत पहले की तुलना में काफी कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान के पास नेतृत्व करने वाला कोई स्पष्ट लीडर दिखाई नहीं देता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए, जब ट्रंप से पूछा गया कि बातचीत रुकने और नए हमलों के बाद ईरान में नेतृत्व कौन संभाल रहा है, तो उन्होंने कहा, उन्हें खुद भी शायद नहीं पता। मेरी राय में, उन्हें नहीं पता कि उनका नेता कौन है। कट्टरपंथी लोग तो हैं, लेकिन सैन्य दृष्टि से उनका काफी सफाया हो चुका है, क्योंकि उनकी सेना अब पहले जैसी नहीं रही। हालांकि, ट्रंप ने किसी खास व्यक्ति या समूह का नाम नहीं लिया, जिसे अमेरिका ईरान में वर्तमान नेतृत्व की भूमिका में मानता हो। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत भी पेश नहीं किया। ट्रंप ने ईरान को एक 'विफल राष्ट्र' बताते हुए कहा कि देश गंभीर आर्थिक और सैन्य दबाव का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, वहां 350 प्रतिशत महंगाई है, उनकी मुद्रा की हालत खराब है, सैनिकों को वेतन नहीं मिल रहा है, उनके कई नेता मारे जा चुके हैं, उनकी नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है, वायुसेना भी नहीं के बराबर है और उनकी निगरानी व्यवस्था का अधिकांश हिस्सा भी नष्ट हो चुका है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि नए हमले सीमित कार्रवाई हैं या फिर पूर्ण युद्ध की ओर वापसी का संकेत हैं, तो उन्होंने सीधे तौर पर इस अभियान की अवधि या दायरे के बारे में कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, इसका यह मतलब नहीं है कि हम उन्हें जवाब नहीं देंगे। आगे क्या होगा, यह देखेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में स्थिति को नियंत्रण में रखा हुआ है और वह व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में स्थिति हमारे नियंत्रण में है। हम वहां हालात को संभाल रहे हैं। कल रात नौसेना की मदद से कई जहाज सुरक्षित रूप से वहां से गुजर पाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले

हिड़मा जैसे कुख्यात नक्सली को आदर्श मानने वाले ही दिमागी नक्सली

रायपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि नक्सलवाद के समर्थन में बात करने वाले और कुख्यात नक्सली हिड़मा, जिसने सैकड़ों निर्दोषों की हत्या की उसे आदर्श मानने वाले ही दिमागी नक्सली हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक और हिंसा के जरिए निर्दोष लोगों की जान लेने वाला व्यक्ति किसी भी समाज का नायक नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सली हिंसा का दंश झेलता रहा है। इस दौरान बस्तर के हजारों परिवारों ने अपनों को खोया और विकास की रफ्तार भी प्रभावित हुई। ऐसे में हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों का गुणगान करना उन परिवारों के दर्द और शहीद जवानों के बलिदान को नजरअंदाज करने जैसा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है,

लेकिन हिंसा को सही ठहराना या निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों को नायक के तौर पर पेश करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री के मुताबिक नक्सलवाद की चुनौती सिर्फ जंगलों और हथियारों तक

सीमित नहीं है, बल्कि हिंसक विचारधारा को बढ़ावा देने वाली मानसिकता भी उतनी ही गंभीर समस्या है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सुरक्षा बलों की लड़ाई नहीं रही, बल्कि यह बस्तर के भविष्य और वहां के लोगों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई भी रही है। जवानों के बलिदान और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से हालात बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समाज की जिम्मेदारी है कि हिंसा और आतंक को किसी भी रूप में महिमामंडित न किया जाए। बस्तर की पहचान अब नक्सली हिंसा से नहीं, बल्कि शांति, शिक्षा, विकास, पर्यटन और रोजगार के अवसरों से होनी चाहिए।

चंबल से बालाघाट तक फैला कछुआ तस्करी का नेटवर्क

इंदौर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। चंबल नदी और बालाघाट की वेनगंगा नदी से तस्कर 500 से 900 रुपये में कछुआ खरीदते थे और उसे मप्र के इंदौर सहित बड़े शहरों, राजस्थान, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश में तीन हजार से 10 हजार रुपये तक में बेचते थे। यह खुलासा वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की जांच में हुआ है। पिछले दिनों पकड़े गए कछुआ तस्करों ने पूछताछ में बताया कि गिरोह के सदस्य कछुओं को कुछ दिन अपने पास रखकर पालते थे।

इसके बाद खरीदारों की तलाश शुरू करते थे। एसटीएसएफ अब मप्र सहित अन्य राज्यों में तस्करों के नेटवर्क को खंगाल रही है। इसके साथ ही कछुओं को पकड़ने वाले लोगों से लेकर उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाने वाले सदस्यों की भूमिका भी जांची जा रही है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

बिलाल से पूछताछ में एसटीएसएफ को चंबल क्षेत्र में सक्रिय एक ऐसे सदस्य के बारे में जानकारी मिली है जिसने अपना अलग नेटवर्क बना रखा था। गिरोह का सदस्य चुनिंदा लोगों के संपर्क में रहकर चंबल और बालाघाट से कछुए खरीदता था।

स्थानीय स्तर पर कछुओं का सौदा करीब 500 से 900 रुपये में किया जाता था। कछुओं को पकड़ने वाले लोग उन्हें कुछ दिनों तक अपने पास रखते थे। इसके बाद नेटवर्क से जुड़े सदस्य उन्हें अपने कब्जे में लेकर आगे की डील शुरू करते थे।

पठानकोट के युवक की कनाडा में हत्या

पठानकोट, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में तीन माह पहले कनाडा गए पठानकोट के युवक की गोली मार हत्या कर दी गई है। मामला कनाडा के कैलगरी स्थित कार्नस्टोन बुलेवर्ड का बताया जा रहा है। मृतक की पहचान हरजस सिंह 24 वर्षीय सुंदरनगर पठानकोट के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी मुताबिक हरजस करीब तीन माह पहले अपने बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में पठानकोट से अमेरिका गया था। वहां वह एक स्टोर में काम करने लगा। गत दिनों हरजस कनाडा के कैलगरी में एक पार्टी में शामिल होने के लिए पहुंचा। वहीं एक अज्ञात शख्स ने हरजस को किसी बात को लेकर गोली मार दी। इस पूरी घटना से पठानकोट में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों को जैसे ही पता चला कि उनके बेटे की गोली लगने से मौत हो गई है तो उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों व अन्य लोगों की सरकार से मांग की है कि हरजस का पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने के लिए मदद की जाए।

सड़क चौड़ीकरण का बड़ा एक्शन, तोड़ा गया केडी गेट की मदीना मस्जिद का प्रभावित हिस्सा

उज्जैन, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में सुगम यातायात और विकास कार्यों को गति देने के लिए नगर पालिक निगम द्वारा चलाए जा रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। गाड़ी अड्डा चौराहा से केडी गेट होते हुए सोमवरिया तक बनने वाले 2.2 किलोमीटर लंबे और 18 मीटर चौड़े मार्ग के निर्माण में बाधा बन रहे निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में नगर निगम की टीम ने जोन-1 के अंतर्गत केडी गेट स्थित मदीना मस्जिद (जमीयतुल कुरेश कस्साबान कसाई वाड़ा) और शिया दाऊदी बोहरा जमात की दाऊल इमारत के चौड़ीकरण की जद में आ रहे प्रभावित हिस्सों को हटाया।

चौड़ीकरण की जद में आ रहे निर्माणों को नगर निगम की रिमूवल गैंग ने पोकलेन और जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे हिस्सों को हटाने का काम किया। पूरी कार्रवाई सहायक आयुक्त घनश्याम मचार, भवन अधिकारी राजकुमार राठौर और भवन निरीक्षक शिवम गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुई। अधिकारियों की मौजूदगी में नगर निगम की टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया।

'..आप अल्पसंख्यकों के साथ हैं तो नक्सली नहीं हैं'

दिमागी नक्सल पर बोले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा- ये बकवास है

शिकागो, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में दिमागी नक्सल वाले नैरेटिव को बकवास बताया है और कहा है कि अगर कोई गरीबों, दलितों या अल्पसंख्यकों का साथ देता है तो वह नक्सली नहीं है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन ने आरएसएस चीफ मोहन भागवत के अमेरिका दौरे पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अमेरिका के शिकागो से एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने कई मौजूदा मुद्दों पर अपनी बात रखी है। इसमें दिमागी नक्सल पर उनकी प्रतिक्रिया भी शामिल है। उन्होंने कहा, ' अगर आप गरीबों के साथ हैं तो आप हैं तो आप नक्सली नहीं हैं।' अगर आप दलितों के साथ हैं, अगर आप अल्पसंख्यकों के साथ हैं तो आप नक्सली या कम्युनिस्ट नहीं हैं। यह बकवास है। आप ज्यादा मानवीय हैं। मैं मानवता को सभी चीजों से पहले रखता हूं। हम सभी एक ही जगह से आए हैं। सैम पित्रोदा, चेयरमैन, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस अमेरिका में हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का एक सफल कार्यक्रम हुआ

है। यहां उन्होंने कहा कि अगर किसी हिंदू की यह सोच है कि मुसलमानों के लिए भारत में जगह नहीं है तो वह हिंदू नहीं है। इसपर सैम पित्रोदा का कहना है कि कहने और करने में फर्क होता है। सैम पित्रोदा का कहना है, 'आप मुसलमानों, ईसाई,यहूदी, बौद्ध समुदाय के लोगों से पूछिए, वे आज भारत में कैसा महसूस करते हैं और आपको जवाब मिल जाएगा।' कांग्रेस नेता की दलील है, 'यह कहना कि हम सबका सम्मान करते हैं, एक बात है और फिर तुरंत मुड़कर किसी को पीट देते हैं...आप जो कहते हैं, उसका अर्थ वह नहीं होता और आप जो कहना चाहते हैं, वो आप कहते नहीं हैं। यह सब कहना तो अच्छा है, लेकिन क्या यह सच में यह होता है? आपका काम आपके शब्दों से ज्यादा बोलता है।'

वहीं उत्तराखंड के हलद्वानी शुद्धिकरण विवाद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर उन्होंने कहा कि 'राहुल गांधी अपनी बौद्धिक क्षमता से बहुत ही मजबूत शख्सियत बनकर उभरे हैं।.. वहीं हमने अपनी शक्तियों को प्रधानमंत्री कार्यालय में सीमित करके अपनी संस्थाओं को कमजोर कर दिया है। सैम पित्रोदा का आरोप है, 'इसलिए न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ईडी, आयकर विभाग और लोकल पुलिस सभी स्वतंत्र तौर पर काम करने से डरते हैं, क्योंकि अगर वे सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई करते हैं, उन्हें परेशान किया जाएगा...हमारे पास समाज में कोई असली वॉचडॉग नहीं है...।'

फर्जी कोर्ट में तीन बार पेशी

दो माह डिजिटल अरेस्ट : सीबीआई केस के नाम पर बरहरवा में 1.20 करोड़ की ठगी

बरहरवा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों ने बरहरवा थाना क्षेत्र के गौतम चंद्र दास को सीबीआई के गंभीर मामले में फंसाने का भय दिखाकर करीब 1.20 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। साइबर ठगों ने पहले उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया और फिर करीब दो महीने तक अलग-अलग तरीके से दबाव बनाकर रकम ऐंठते रहे। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी के लिए काफी मुश्किल से यह रकम जमा कर रखी थी।

पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाया। इसके बाद केस से बचाने के नाम पर लगातार रुपये की मांग की जाती रही। पीड़ित गौतम चंद्र दास के अनुसार, जून माह में एक व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। फोन करने वाले ने अपना नाम प्रदीप सिंह बताते हुए दावा किया कि वह सीबीआई का बड़ा अधिकारी है।

आरोपी ने गौतम चंद्र दास को बताया कि उनके खिलाफ सीबीआई में गंभीर मामला दर्ज है। इसके बाद उन्हें गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने का डर दिखाकर लगातार धमकाया और ब्लैकमेल किया गया। साइबर अपराधियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। करीब दो महीने तक उन्हें लगातार वीडियो कॉल पर निगरानी में रखने और मानसिक दबाव बनाने का सिलसिला चलता रहा। ठगों ने केस से बचाने के नाम पर पीड़ित को तीन बार फर्जी सीबीआई कोर्ट में वीडियो कॉल के माध्यम से पेश कराया। फर्जी कोर्ट रूम तैयार कर उन्हें कानूनी कार्रवाई, जुर्माना और गिरफ्तारी का भय दिखाया गया।

इसके बाद अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर करायी गयी। मामले की जांच करने बरहरवा पहुंचे मुख्यालय डीएसपी सह साइबर सेल के नोडल पदाधिकारी रविकांत साव ने बताया कि साइबर ठगों ने पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से करीब 10 बार में कुल 1.20 करोड़ रुपये मंगवाये। जांच में सामने आया है कि पहला बड़ा ट्रांजेक्शन 20 जून 2026 को 50 लाख रुपये का हुआ था। इसके बाद अलग-अलग तारीखों में रकम भेजी गयी। अंतिम ट्रांजेक्शन 24 अगस्त को पांच लाख रुपये का किया गया।

इसके बाद पुलिस से संपर्क किया। सूचना मिलने पर साइबर सेल के नोडल पदाधिकारी मुख्यालय डीएसपी रविकांत साव बरहरवा थाना पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि गौतम चंद्र दास की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 सितंबर - 2026

योग्यता बनाम आरक्षण के दर्शन की दरिद्रता

डॉ. चक्रपाल सिंह

एक बार फिर आरक्षण की बासी कढ़ी उबाल पर है।भारतीय राजनीति में आरक्षण वो चूल्हा बन चुका है जिसमें इसके समर्थक एवं विरोधी दोनों जनता को आरक्षण की सुलगती भट्टी में झोंककर अपनी अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के आदी हो चुके हैं।कभी सत्ता पाने के लिए, तो कभी सत्ता बचाने के लिए।समर्थकों एवं विरोधियों की अब तक की राज़-नैतिक ! फितरत यही बयां करती है।आज एक बार फिर जंतर-मंतर, दिल्ली से शुरू हुआ आरक्षण एवं यूजीसी नियमों के विरुद्ध प्रदर्शन उ.प्र., म.प्र।आदि राज्यों में भी फ़ैल चुका है।बार-बार, हर बार आरक्षण की बासी कढ़ी में उबाल आने का अर्थ क्या है? स्वतंत्रता प्राप्ति के 80 वर्ष बाद भी इसका कोई निदान एवं उपचार क्यों नहीं खोजा जा सका है? आज प्रश्न राजनेताओं एवं इनकी पार्टियों से नहीं, अवाम से पूछने का वक्त आ गया है।वो क्यों मंडल और कमंडल में बंटी हुई है? योग्य एवं अयोग्य जातियों के ढांचे में सिमटी हुई है? आरक्षण के विरोधी और समर्थकों से पूछा जाना चाहिए कि आखिर अभी तक इसका सर्वमान्य हल क्यों नहीं खोजा गया है? ऐसा इसलिए कि समाज का एक वर्ग योग्यता को जाति के सामाजिक आईने में देखता है।किसी जाति या जातियों के समूह को अयोग्य ठहराने के पीछे कौन से ठोस वैज्ञानिक कारण हैं? योग्यता का आनुवंशिक स्वरूप का विचार विज्ञान सम्मत सिद्धांत के विरुद्ध है।टॉमस ए।एडीसन के अनुसार ' प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत कठिन श्रम होती है.' और फिर, जब जाति योग्यता के इतने ही विरुद्ध है, तो अब तक इन्होंने जाति उन्मूलन की दिशा में कौन से व्यवहारिक ठोस कदम उठाएं हैं? स्वतंत्र भारत में जाति व्यवस्था के विरुद्ध इन्होंने (समर्थक एवं विरोधी दोनों) कौन सा राष्ट्रव्यापी आन्दोलन खड़ा किया है? आखिर इस स्व-आरोपित चुप्पी का अर्थ क्या है? आरक्षण समर्थकों एवं विरोधियों के अपने अपने तर्क हैं।योग्यता वादियों का मानना है कि वे आरक्षण के विरोधी नहीं हैं , लेकिन अब इसमें सुधार की जरूरत है।जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था योग्यता विरोधी तथा समाज में जातीय वैमनस्य को बढ़ावा देती है।आरक्षण आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए.

आरक्षण समर्थकों का मानना है कि यदि किसी देश की लगभग पिच्यासी प्रतिशत आबादी में से, देश की शेष लगभग 15 प्रतिशत आबादी के बराबर योग्य प्रतिभाएं भी नहीं निकल पा रही हैं, तो यह पूरी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक व्यवस्था को गंभीर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा करता है।इतनी बड़ी आबादी को अयोग्य रखने के या फिर 15 प्रतिशत घोषित योग्य आबादी से कमतर होने के मूल में क्या है? इन मूल कारणों में पहली जाति, दूसरी असमान शिक्षा और तीसरी आर्थिक स्थितियाँ और परिस्थितियाँ रही हैं और आज भी हैं ।इन मूल ऐतिहासिक कारणों का हल खोजे बिना कोई भी उपाय न केवल अधूरा है, बल्कि बेईमानी है।क्या समर्थक और विरोधी सर्वसुलभ गुणवत्तापूर्ण वहनीय समान शिक्षा एवं जाति उन्मूलन करने की दिशा में कोई ईमानदारी पूर्ण पहल करने की हिम्मत दिखाएंगे? शिक्षा (बारहवीं तक) के राष्ट्रीयकरण की दिशा में अपनी बुलंद आवाज उठाने से इन्हें किसने रोका है? सिर्फ शैक्षिक भवनों की मरम्मत या फिर उनके पुनर्निर्माण से समस्या का हल नहीं हो सकता है, जैसा कि आजकल अभी अभी जन्मी कॉकरोच जनता पार्टी देश में आवाज उठा रही है।

शिक्षा को बाजारी शक्तियों के शिकंजे से मुक्त कराने तथा शिक्षा के राष्ट्रीयकरण करने के अलावा कोई दूसरा स्थाई हल नजर नहीं आता है।सर्वसुलभ गुणवत्तापूर्ण वहनीय समान शिक्षा इसकी पहली शर्त है और जाति उन्मूलन इसकी दूसरी शर्त है।यदि वास्तव में दोनों आरक्षण का कोई हल खोजने के प्रति गंभीर हैं, तो क्या वे इस दिशा में कोई ठोस ईमानदारी पूर्ण राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने को तैयार हैं?आर्थिक आधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण इसके निर्धारण में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता संदेह से परे होना बहुत जरूरी है।क्योंकि, आज के बाजारी आर्थिक युग में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता का घोर संकट है।आज प्रश्न नीति पर नहीं, नीयत पर खड़े हैं।जहाँ तक आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का प्रश्न है, तो इस पर आपत्ति किसी को नहीं होनी चाहिए।लेकिन, यहाँ इस तथ्य पर गौर करने की जरूरत है कि आरक्षित श्रेणी की जातियों एवं गैर-आरक्षित जातियों में आर्थिक एवं शैक्षिक विषमता की खाई इतनी चौड़ी है कि देश के कुल गरीबों का लगभग 80-85 प्रतिशत गरीब आरक्षित श्रेणी की जातियों से ही आता है।यह दुर्भाग्य पूर्ण स्थिति आरक्षित जातियों का अपना चुनाव तो नहीं हो सकता है।

इसके लिए ज़िम्मेदार कौन है? जनता या व्यवस्था ? निश्चित तौर पर यह व्यवस्था जनित है।इसका किसी भी सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं रहा है।आरक्षण समर्थकों का तर्क है कि उपर्युक्त तथ्य के मद्देनजर यदि आर्थिक पिछड़े पन को आधार बनाया जाता है, तो आरक्षित जातियों के लिए वर्तमान में लागू 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 85 प्रतिशत तक करना होगा।क्या इसके लिए आर्थिक आधार के पक्षधर तैयार हैं? दूसरे, सवर्णों में सवर्ण लोगों ने अपने ऊपर क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू करने का कभी क्यों नहीं सोचा ? क्या सवर्णों में गरीब जातियां नहीं थीं या हैं? शेष सवर्णों का हक़ किसने मारा है?

एक बात और, आरक्षण तो आरक्षण है, तो फिर गरीब सवर्णों को दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण को कैसे योग्यता के आधार पर उचित ठहराया जा सकता है।दोनों ही का जाति आधार है।जाति के आधार पर एक का समर्थन और दूसरे का विरोध, दोनों सही नहीं हो सकते हैं।आरक्षण समर्थक गरीब सवर्णों के लिए निर्धारित आरक्षण एवं अन्य जातियों के लिए उपलब्ध आरक्षण को इन जातियों में व्याप्त गरीबी की सघनता एवं जनसंख्या के अनुपात के हिसाब से अन्याय पूर्ण बताते हैं।खैर ! आरक्षण समर्थकों एवं विरोधियों के बहुत सारे तर्क-वितर्क हो सकते हैं और हैं भी।यहाँ आरक्षण के सुलगते चूल्हे में झुलसती जनता की मनोव्यथा दोनों से कुछ प्रश्न पूछने के लिए बाध्य करती है।शिक्षा पर कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6 प्रतिशत खर्च करने का कोठारी आयोग (1964-66) के सुझाव, जिसे वर्ष 1985-86 तक हासिल करना था, आज तक कोई सरकार इस लक्ष्य को क्यों नहीं प्राप्त कर पाई है ? 60 वर्ष का समय कुछ कम तो नहीं होता है।इस बीच किस की सरकार नहीं रही है? सभी तो सत्ता में रहे हैं ।इसी आयोग की समान विद्यालय प्रणाली (कॉमन स्कूल सिस्टम) तथा पड़ोस के स्कूल की अवधारणा जैसी अन्य महत्वपूर्ण सिफारिशों की याद दिलाना नक्कारखाने में तूती बजाना होगा।इस पर आज कोई बात क्यों नहीं कर रहा है? और क्यों नहीं करना चाहता है? योग्यता बनाम आरक्षण के दर्शन की दरिद्रता को नीति एवं नीयत के आईने में साफ़ देखा जा सकता है।

जीडीपी ने रफ्तार पकडी

भारत की अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि बाहरी दबावों के बीच भी उसकी बुनियादी ताकत मजबूत है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस अवधि में वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल नहीं थीं। अमेरिका-ईरान तनाव से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने, कच्चे तेल के दाम बढ़ने, विदेशी निवेश कमजोर पड़ने और कम बारिश से कृषि उत्पादन पर असर की आशंकाएं थीं। इसके बावजूद अर्थव्यवस्था का यह प्रदर्शन बताता है कि घरेलू मांग ने विकास की गाड़ी को थामे रखा है। पिछले तीन वित्त वर्षों में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि भी इसी मजबूती की पुष्टि करती है। इस उपलब्धि का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था केवल बाहरी मांग पर निर्भर नहीं है। घरेलू उपभोग लंबे समय से इसका महत्वपूर्ण आधार रहा है। महंगे ईंधन और वैश्विक तनाव के बावजूद बाजार में मांग का बने रहना अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत है। बैंक ऋ ण की मांग में सुधार और कंपनियों के प्रदर्शन में मजबूती भी निवेश तथा आर्थिक गतिविधियों के लिए उम्मीद जगाती है। इन संकेतों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह भरोसा आगे के निवेश के लिए भी अहम है। लेकिन यहीं से असली सवाल भी शुरू होता है। जीडीपी का बढ़ना जरूरी है, मगर केवल विकास दर का ऊंचा आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत का पूरा प्रमाण नहीं हो सकता। आम नागरिक के लिए अर्थव्यवस्था की सफलता का मतलब बेहतर रोजगार, बढ़ी हुई आय, स्थिर कीमतें और परिवार की बढ़ती क्रयशक्ति है। यदि राष्ट्रीय आय बढ़ती रहे लेकिन रोजगार के अवसर पर्याप्त न बनें, ग्रामीण परिवारों की आय दबाव में रहे और छोटे कारोबार संघर्ष करते रहें तो विकास की चमक अधूरी ही मानी जाएगी। इसीलिए सरकार और नीति-निर्माताओं के सामने अगली चुनौती विकास की गति बनाए रखने के साथ उसकी व्यापकता सुनिश्चित करने की है। कृषि क्षेत्र को बेहतर मानसून के भरोसे छोड़ने के बजाय सिंचाई, भंडारण और उत्पादकता पर लगातार निवेश जरूरी है। छोटे उद्योगों को सस्ता और सुगम ऋ ण मिले, निजी निवेश को भरोसेमंद वातावरण मिले और युवाओं को बाजार की जरूरत के अनुरूप कौशल मिले, तभी तेज जीडीपी वृद्धि टिकाऊ रोजगार में बदल पाएगी। असमानता बढ़ने से रोकना भी इसी प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। आगे जोखिम कम नहीं हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा चलता है तो ऊर्जा कीमतों और परिवहन लागत पर दबाव पड़ सकता है। कच्चे तेल का महंगा होना भारत के आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर असर डाल सकता है। मानसून की कमजोरी खाद्य कीमतों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए मौजूदा अच्छे आंकड़ों को भविष्य की गारंटी समझना जल्दबाजी होगी। आर्थिक प्रबंधन को लगातार बदलती परिस्थितियों के अनुसार तैयार रहना होगा। फिर भी 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को कम करके आंकना भी उचित नहीं। यह भारत की आर्थिक क्षमता, घरेलू बाजार की ताकत और झटकों को सहने की क्षमता का प्रमाण है। अब जरूरत आंकड़ों की सफलता को जमीन पर महसूस होने वाली समृद्धि में बदलने की है। विकास की असली परीक्षा शेयर बाजार या सरकारी रिपोर्ट में नहीं, बल्कि उस परिवार के बजट में होगी जिसे बेहतर रोजगार, सम्मानजनक आय और राहत मिलती है। भारत ने रफ्तार दिखाई है; अब उस रफ्तार को समावेशी और टिकाऊ विकास की दिशा देना ही अगली बड़ी कसौटी है।

संकट की पूर्व चेतावनी है नेपाल त्रासदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाड़ा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं अपितु देखा जाएं तो यह समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुद्र्री तूफानों की बढती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही है।

यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल के फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात कभी भी इनके दायरें में आने वाले देशों में हो सकते हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरें में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरें में सीधे सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग है जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरें में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरें के दायरें में भारत, पाकिस्तान, कनाड़ा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार है। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल दर साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह साफ हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रुप में पलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। तो दूसरी और अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है। नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। दरअसल ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती हैं।

त्योहारों पर महंगाई का तांडव और लाचार जनता का मौन रुदन

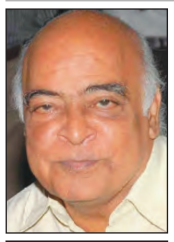

अशोक भाटिया

भारत में त्योहारों का आगमन अब आम इंसान के लिए उल्लास का संदेश कम, और मानसिक प्रताड़ना का सबब ज्यादा लेकर आता है। देश की बहुसंख्यक आबादी, जो हर सुबह अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए हाड़-तोड़ संघर्ष करती है, उसके लिए त्योहारी सीजन एक ऐसी आर्थिक भूलभुलैया बन गया है जहां से बिना कर्जदार बने निकलना नामुमकिन है। यह कैसी विडंबना है कि जैसे ही देश गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा और दीपावली की तरफ बढ़ता है, वैसे ही जमाखोरों, बिचौलियों और बाजार के सटोरियों का सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। वे जनता की थाली को बंधक बना लेते हैं और देश का प्रशासनिक तंत्र गहरी, कुंभकर्णी नींद में सोया रहता है। जब आम आदमी की जेब पूरी तरह कट जाती है, तब जाकर सरकारी महकमों की कागजी फाइलें हिलती हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के उस मूल चरित्र पर एक गहरा धब्बा है जो खुद को 'लोककल्याणकारी' कहने का दम भरती है।

आज देश में महंगाई के जो जमीनी हालात हैं, वे सरकारी बयानों और सांख्यिकी मंत्रालयों द्वारा जारी की जाने वाली रिपोर्टों को सरेआम खारिज करते हैं। सरकार की आर्थिक नीतियों की पोल खोलने के लिए देश की खुदरा महंगाई दर के हालिया आंकड़े ही काफी हैं। जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.45 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जबकि खाद्य महंगाई दर ने 5.52 फीसदी की डराने वाली छलांग लगाई है। यह सरकारी आंकड़ों का वो हिस्सा है जो एयर-कंडीशनर कमरों में बैठकर तैयार किया जाता है, लेकिन जब आप वास्तविक बाजार में कदम रखते हैं, तो यह महंगाई दर दोगुनी और तिगुनी महसूस होती है। सब्जियों के मोर्चे पर तो जैसे आग लगी हुई है। टमाटर जैसी बुनियादी सब्जी की कीमतें जहां 48 फीसदी से ज्यादा की दर से भाग रही हैं, वहीं बेमौसम बारिश और भीषण गर्मी के बहाने प्याज की खुदरा कीमतें 65 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर चुकी हैं। एक आम परिवार जो महीने की शुरुआत में राशन का बजट बनाता है, वह महीने के मध्य तक आते-आते अपनी ही रसोई में कटौती करने को मजबूर हो जाता है। यह कैसी तरक्की है जहां देश का नागरिक त्योहारों पर अपने बच्चों का मुंह मीठा कराने के लिए भी अपनी बुनियादी प्राथमिकताओं का गला घोंटने पर मजबूर है?

इस पूरे संकट में सरकार का जो रवैया रहा है, वह बेहद संवेदनहीन और निराशाजनक है। केंद्रीय मंत्रियों और प्रशासनिक सचिवों के बयान आते हैं कि ₹बाजार में वस्तुओं की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है₹। लेकिन जनता यह पूछने का हक रखती है कि यदि बफर स्टॉक मौजूद है, तो वह आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर क्यों है? वह कौन सा अदृश्य हाथ है जो सरकारी गोदामों से राशन को गायब करके बिचौलियों की तिजोरियों में पहुंचा देता है? अभी हाल ही में सरकारी स्तर पर माना गया कि प्याज की कीमतों में यह बेतहाशा बढ़ोतरी कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के कारण हो रही है। यह स्वीकारोक्ति अपने आप में एक बड़ा तमाचा है उस प्रशासनिक तंत्र पर, जिसके पास जमाखोरों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के लिए असीमित कानूनी अधिकार और पुलिस बल मौजूद हैं। जब सरकार खुद मान रही है कि बिचौलिए और मुनाफाखोर खुलेआम लूट मचा रहे हैं, तो फिर उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या सख्त आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्यों हर बार त्योहारों से ठीक पहले इन जमाखोरों को खुली छूट दे दी जाती है कि वे जनता की बेबसी का फायदा उठाकर अरबों रुपये का वारा-न्यारा कर लें? बाजारवाद और कॉर्पोरेट परस्त नीतियों ने देश के पूरे आर्थिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आज का बाजार 'फ्री मार्केट' के नाम पर एक ऐसी अनियंत्रित लाठ बन चुका है, जिससे केवल गरीब और मध्यम वर्ग को हांका जा रहा है। त्योहारों के इस सीजन में बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर 'महासेल' और 'त्योहारी छूट' के लुभावने विज्ञापनों की बाढ़ आई हुई है। लेकिन यह चमक-दमक केवल एक छलावा है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े व्यापारियों की जेबें भरने के लिए रची गई है। जमीनी हकीकत यह है कि वाणिज्यिक रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, परिवहन और माल ढुलाई की लागतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस महंगे परिवहन तंत्र का सीधा बोझ अंततः उस अंतिम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिसकी क्रय शक्ति पहले से ही घटी हुई है। जब देश की एक बड़ी आबादी की वास्तविक मजदूरी में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हो रहा हो, और उसके विपरीत रोजमर्रा के खर्चों में 15 से 20 फीसदी की मासिक बढ़ोतरी हो रही हो, तो समाज में आर्थिक असंतोष का पनपना लाजिमी है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना इसके दोहरे मापदंडों में छिपी है। भारत एक कृषि प्रधान देश होने का गौरव गान गाते नहीं थकता। हमारे नीति-निर्माता हर मंच से किसानों की आय दोगुनी करने और उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने के लंबे-चौड़े दावे करते हैं। लेकिन हकीकत में, इस देश का किसान और उपभोक्ता दोनों एक ही सिक्के के दो पीड़ित पहलू हैं। जब खेतों में प्याज या टमाटर की बंपर पैदावार होती है, तो बाजार के बड़े सटोरिये और आढ़ती कौड़ियों के दाम पर किसानों की फसल खरीद लेते हैं। उस समय किसान को अपनी लागत तक नहीं मिलती और वह अपनी उपज को सड़कों पर फेंकने या आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। लेकिन जैसे ही वह फसल किसान के हाथों से निकलकर इन बड़े आढ़तियों के कोल्ड स्टोरेज और गोदामों में बंद हो जाती है, वैसे ही बाजार में 'कृत्रिम किल्लत' पैदा कर दी जाती है। कुछ ही हफ्तों के भीतर, वही प्याज जो किसान से 10 रुपये किलो खरीदा गया था, उपभोक्ता को 65 रुपये किलो बेचा जाने लगता है।

जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है।

अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्टफूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा।

हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये

खिचड़ी बन गई ज़िंदगी हमारी

डॉ टी महादेव राव

"छोटू! यह बताओ घर की स्त्रियों को कौन सा नाश्ता और कौन सा खाना बनाना अधिक पसंद होता है?" "भैया! अलग अलग पसंद होती है। हां अगर ज्यादा से ज्यादा लोगों की बात करें तो नाश्ते में उपमा और भोजन में खिचड़ी बनाना, चूंकि बहुत आसान होता है, स्त्रियां बनाना पसंद करती हैं। "

"पहली बार तुम्हारी बुद्धि को कौन बनेगा करोड़पति के स्तर का पाया है छोटू! वाह। " छोटे बच्चों के खाने की शुरुआत इसी से की जाती है ताकि वह जीवनभर अपनी खिचड़ी अलग पका सके और धीरे-धीरे वह इसमें इतना पारंगत हो जाता है कि हर सामने वाले के दिमाग में खिचड़ी पकती दिखाई देती है। वर्तमान के दौर में यह मुहावरा सार्थक लगता है- 'अपनी खिचड़ी अलग पकाना।' दिनभर कितनी भी खिचड़ी पका लो, पर परम सत्य यह है कि खाने में खिचड़ी इसलिए सुकून देती है, क्योंकि अर्धांगिनी का चेहरा इसके बनाने से फूलता नहीं है और पारिवारिक शांति का घटक है इसलिए सब सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। तो क्यों न बने यह अंतरराष्ट्रीय व्यंजन? राष्ट्रीय समस्या 'क्या बनाऊं?' का अंतिम हल भी यही है, जो शांति और खुशी का पर्याय है। खिचड़ी पर आम सहमति बनने के बाद यह बहुत बड़ी जंग जीतने जैसा लगता है।" "छोटू! सोशल मीडिया पर रोज नई-नई खिचड़ी पकती रहती है। अब असल में ही खिचड़ी पकाकर राष्ट्रीय व्यंजन बना दिया गया। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा रही कि पारंपरिक डिश खिचड़ी को राष्ट्रीय व्यंजन घोषित कर दिया गया है। मामला इतना बढ़ गया कि केंद्रीय खाद्यमंत्री को खुद सफाई देनी पड़ी। उन्होंने कहा कि खिचड़ी को इसलिए वर्ल्ड फूड इंडिया इवेंट के लिए सिलेक्ट किया गया है ताकि उसको और मशहूर किया जा सके। एक खिचड़ी प्रेमी यह बात सुनकर आगबबूला होते हुए कहने लगा, जो पहले से प्रसिद्ध है उसके लिए इतनी खिचड़ी पकाने की क्या जरूरत पड़ गई? यह यूं ही राष्ट्रीय व्यंजन है।" "भैया ! खिचड़ी की फरमाइश अब गर्व के साथ करने का समय आ गया है। चैनलों पर तरह-तरह की खिचड़ी पकाई जाएगी और साथ में हम भी पकने को तैयार रहें। फास्ट और सुपरफास्ट दोनों में ही खिचड़ी खाने का चलन है। दही, अचार, पापड़ के साथ भाती है खिचड़ी। अब तो शादियों में भी कढ़ी, खिचड़ी के स्टॉल लगाए जाते हैं।" "सही कह रहे हो छोटू! पिछले तेरह वर्षों से आम जनता बेरोजगारी, महंगाई, दाल-चावल, आटा-सब्जी, तेल, पेट्रोल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के बारे में सरकार को घेरे, इससे बचने के लिए सरकार नई-नई खिचड़ी पका देती है। हमारा देश ही खिचड़ी का बहुत बड़ा उदाहरण है। खिचड़ी भाषा का अपना अलग मजा है। उच्चारण से हम पहचान जाते हैं कि खिचड़ी का यह घटक कहां का है? खिचड़ी हमारे देश का सौंदर्य है। खिचड़ी बाल से हर कोई परेशान है इसलिए तो डाई बनाने वाले मस्त हैं।"भैया! क्या बात है? मुस्कुराए जा रहे हो अपने आप में। कोई विशेष बात है?छोटू! मैं सोच रहा था जीवन खिचड़ी की मानिंद हुई जा रही है वर्तमान में और हम लोग बस उसी में आनंदित हो रहे हैं। कम समय में, सस्ते में और स्वादिष्ट व्यंजन के रूप में हमें खिचड़ी बनाया जा रहा है उन छप्पन भोग पाने वाले लोकतंत्र के महारथियों द्वारा जिन्हें हमने कल्याण और विकास के लिए अपना सर्वस्व समान वोट जो समर्पित किया था। सत्य वचन भैया। जब तक विपक्ष के सारे दल डेढ़ चावल की खिचड़ी पकाएंगे और नौ चूल्हों की खिचड़ी बनाएंगे, उनका सत्ता पर अधिकार प्राप्त करना सिवाय बीरबल की खिचड़ी के क्या हो सकता है? राजनीति में भी यह बहुत प्रिय है। देश में खिचड़ी सरकार तक बन जाती है।

द्वारकाधीश मंदिर द्वारका, गुजरात

भारत के प्रसिद्ध श्रीकृष्ण मंदिर

किस्मत वालों को ही मिलते हैं दर्शन

जन्माष्टमी के मौके पर देश भर के कृष्ण मंदिरों में विशेष प्रकार की रौनक देखने को मिलती है। प्रत्येक मंदिर की अपनी कुछ न कुछ खास विशेषता है। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक कृष्णजी के खूबसूरत और विशाल मंदिर स्थापित हैं।

द्वारकाधीश मंदिर द्वारका, गुजरात

यह गुजरात का सबसे फेमस कृष्ण मंदिर है इसे जगत मंदिर भी कहा जाता है। यह मंदिर चार धाम यात्रा का भी मुख्य हिस्सा है। चारों धामों में से यह पश्चिमी धाम है। यह मंदिर गोमती क्रीक पर स्थित है और 43 मीटर की ऊंचाई पर मुख्य मंदिर बना है। इस मंदिर की यात्रा के बिना आपकी गुजरात में धार्मिक यात्रा पूरी नहीं मानी जाएगी। जन्माष्टमी के दौरान यहां बेहद उमंग भरा माहौल देखने को मिलता है। पूरा मंदिर अंदर और बाहर से खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है।

श्री बांके बिहारी मंदिर, वृंदावन

भगवान श्री कृष्ण ने अपने बचपन का समय वृंदवन में ही बिताया था। यह सबसे फेमस और प्राचीन मंदिर भी है। भगवान कृष्ण को बांके बिहारी भी कहा जाता है इसलिए उनके नाम पर ही इस मंदिर का नाम भी श्री बांके बिहारी रखा गया है। जन्माष्टमी के दिन मंगला आरती होने के बाद यहा श्रद्धालुओं के लिए रात 2 बजे ही मंदिर के दरवाजे खुल जाते हैं। मंगला आरती साल में केवल एक बार होती है। भगवान कृष्ण के जन्म के बाद यहां श्रद्धालुओं के बीच खिलौने, कपड़े और दूसरी चीजें बेची जाती हैं।

द्वारकाधीश मंदिर, मथुरा

यह मथुरा का दूसरा सबसे फेमस मंदिर है यहां पर भगवान कृष्ण की काले रंग की प्रतिमा की पूजा की जाती है। हालांकि यहां राधा की मूर्ति सफेद रंग है। प्राचीन मंदिर होने के कारण इसकी वास्तुकला भी भारत की प्रचीन वास्तुकला से प्रेरित है। यहां आकर आपको अलग ही सुकून का अहसास होगा। जन्माष्टमी का त्योहार यहां धूमधाम से मनाया जाता है। जन्माष्टमी के दौरान यहां का माहौल काफी शानदार होता है।

श्रीकृष्ण मठ मंदिर, उडुपी

यह कर्नाटक का सबसे फेमस पर्यटन स्थल भी है इस मंदिर की खासियत है कि यहां भगवान की पूजा खिड़की के नौ छिद्रो में से ही की

द्वारकाधीश मंदिर, मथुरा

जाती है। यह हर साल पर्यटक का तांता लगा रहता है लेकिन जन्माष्टमी के दिन यहां की रौनक देखते ही बनती है। पूरे मंदिर को फूलो और लाइट्स से सजाया जाता है। त्योहार के दिन यहां काफी भीड़ होती है और आपको दर्शन के लिए 3-4 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है।

जगन्नाथ पुरी, उड़ीसा

उड़ीसा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान कृष्ण अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। जन्माष्टमी से अधिक रौनक यहां वार्षिक रथ यात्रा के दौरान होती है। यह रथ यात्रा धार्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें भाग लेने और भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। हर साल इस रथ यात्रा का आयोजन होता है। इसके लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं। सबसे आगे बलराम जी का रथ रहता है, फिर बहन सुभद्रा का रथ रहता है और उसके भी भगवान कृष्ण अपने रथ में सवार होकर चलते हैं।

बेट द्वारका मंदिर, गुजरात

गुजरात में द्वारिकाधीश के मंदिर के अलावा एक और फेमस मंदिर है बेट द्वारका। वैसे इसका नाम भेंट द्वारका है, लेकिन गुजराती में इसे बेट द्वारका कहा जाता है। भेंट का मतलब मुलाकात और उपहार भी होता है। इस नगरी का नाम इन्हीं दो बातों के कारण भेंट पड़ा। दरअसल ऐसी मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवान श्रीकृष्ण की अपने मित्र सुदामा से भेंट हुई थी। इस मंदिर में कृष्ण और सुदामा की प्रतिमाओं की पूजा होती है। सुदामा जी जब अपने मित्र से भेंट करने यहां आए थे तो एक छोटी सी पोटली में चावल भी लाए थे। इन्हीं चावलों को खाकर भगवान कृष्ण ने अपने मित्र की दरिद्रता दूर कर दी थी। इसलिए यहां आज भी चावल दान करने की परंपरा है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर में चावल दान देने से भक्त कई जन्मों तक गरीब नहीं होते।

सांवलिया सेठ मंदिर, राजस्थान

यह गिरिधर गोपालजी का फेमस मंदिर है। यहां वे व्यापारी भगवान को अपना बिजनस पार्टनर बनाने आते हैं, जिन्हें अपने व्यापार में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा होता है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर है जिनका संबंध मीरा बाई से भी बताया जाता है। यहां मीरा के गिरिधर गोपाल को बिजनस पार्टनर होने के कारण श्रद्धालु सेठ जी नाम से भी पुकारते हैं और वह सांवलिया सेठ कहलाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, सांवलिया सेठ ही मीरा बाई के वो गिरधर गोपाल हैं, जिनकी वह दिन रात पूजा किया करती थीं।

गुरुवयूर मंदिर, केरल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से सत्ता में आने के बाद सबसे पहले यहां 8 जून कोदर्शन करने आए थे। केरल के इस प्राचीन मंदिर का संबंध गुजरात से माना जाता है। इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा होती है। इसके अलावा मंदिर में भगवान विष्णु के दस अवतारों को भी दर्शाया गया है। इस मंदिर को दक्षिण की द्वारका और भूलोक के बैकुंठ के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में दिन में दो बार भक्तों के लिए मुफ्त भोजन यानी भंडारे की व्यवस्था है। मंदिर में एकादशी का पर्व शिवेली का त्योहार बहुत ही धूम-धाम से मनाया जाता है। गुरुवायूर मंदिर का नाम देवताओं के गुरु बृहस्पति, पवनदेव वायु और ऊर यानी पृथ्वी के नाम से मिलकर बना है।

श्रीकृष्ण मठ मंदिर, उडुपी

श्री बांके बिहारी मंदिर, वृंदावन

जगन्नाथ पुरी, उड़ीसा

श्री कृष्ण ने मथुरा छोड़कर द्वारका क्यों बसाई

क्या आपने कभी सोचा है कि कृष्ण ने मथुरा क्यों छोड़ा, तो आप अकेले नहीं हैं। यह सवाल सदियों से भक्तों, बच्चों और जिज्ञासु लोगों ने पूछा है। यह कहानी प्यार, कर्तव्य और ईश्वरीय उद्देश्य से भरी है और इसे समझना बहुत आसान है। आइए, आसान शब्दों में मिलकर इसे समझते हैं।

कंस के वध के बाद की कहानी

कंस की मौत से एक बड़ा खतरा पैदा हो गया। क्रूर राजा कंस को हराने के बाद, भगवान कृष्ण मथुरा के रक्षक बन गए। लोग खुश और शांति से रहते थे। कृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम के साथ मिलकर दयालुता से राज्य की देखभाल की। लेकिन यह खुशी हमेशा नहीं रहने वाली थी। खतरा चुपचाप बढ़ रहा था, मगध का शक्तिशाली राजा जरासंध, कंस का ससुर था। जब उसने सुना कि कृष्ण ने कंस को मार दिया है, तो वह गुस्से से भर गया।बदला लेने के लिए, जरासंध ने मथुरा पर एक बार नहीं, बल्कि सत्रह बार हमला किया। हर बार, कृष्ण और बलराम ने उसे हरा दिया।

कृष्ण ने मथुरा क्यों छोड़ा – असली वजह

कृष्ण ने मथुरा क्यों छोड़ा, तो इसका स्पष्ट है। कृष्ण जानते थे कि उनका फ़र्ज़ सिर्फ़ लड़ना नहीं था, बल्कि अपने लोगों की जान बचाना भी था। ये लगातार लड़ाइयां सैनिकों के लिए थकाने वाली और लोगों के लिए डरावनी थीं।असली टर्निंग पॉइंट अठारहवें हमले के दौरान आया। इस बार, जरासंध ने कालयवन के साथ मिलकर काम किया, एक ऐसा राजा जिसके पास एक बहुत बड़ी सेना थी और जो कभी हारा नहीं था।

उन दोनों से एक साथ लड़ने पर पूरा यादव वंश खतरे में पड़ जाता। कृष्ण जानते थे कि एक समझदार लीडर सिर्फ़ लड़ाई जीतने के बारे में नहीं सोचता, वह अपने लोगों की रक्षा के बारे में भी सोचता है। अगर लड़ाई जारी रही, तो मथुरा के बेगुनाह मर्दों, औरतों और बच्चों को बहुत तकलीफ़ होगी। इसलिए कृष्ण ने एक स्ट्रेटेजी

वाला फ़ैसला लिया: और जानें खतरे में डालने के बजाय, वह अपने पूरे समुदाय को अपने दुश्मनों की पहुँच से दूर, एक सुरक्षित जगह पर ले जाएँगे। यह फ़ैसला डर का नहीं था, यह समझदारी, दया और दूर की सोच का था।

द्वारका एक नया घर

मथुरा छोड़ने का फ़ैसला करने के बाद, कृष्ण ने नई जगह के तौर पर समुद्र के पास भारत के पश्चिमी तट को चुना। लेकिन एक दिक्कत थी कि उस इलाके का ज़्यादातर हिस्सा पानी के नीचे था। कहानियों के मुताबिक, कृष्ण ने समुद्र के देवता, भगवान वरुण से मदद मांगी। वरुण ने समुद्र को पीछे धकेलकर उन्हें ज़मीन का एक बड़ा टुकड़ा तोहफ़े में दिया।

फिर, दिव्य आर्किटेक्ट विश्वकर्मा को नया शहर डिज़ाइन करने के लिए बुलाया गया। नतीजा द्वारका था, एक ऐसा शहर जो किसी और जैसा नहीं था। चारों तरफ़ से समुद्र से घिरा और एक पतली सड़क से मुख्य ज़मीन से जुड़ा होने के कारण, यह दुश्मन के हमलों से सुरक्षित था।

कहा जाता है कि कृष्ण ने रातों-रात पूरे यादव वंश को द्वारका पहुँचा दिया, यह पक्का करते हुए कि एक भी व्यक्ति पीछे न छूटे।

द्वारका खुशहाली, सुरक्षा और दिव्य प्लानिंग का प्रतीक बन गया। आज भी, इसे भारत के सात पवित्र शहरों में से एक के तौर पर याद किया जाता है।

1. कृष्ण ने मथुरा क्यों छोड़ा?

कृष्ण ने अपने लोगों को जरासंध और कालयवन के लगातार हमलों से बचाने के लिए मथुरा छोड़ा था।

2. राधा कृष्ण के साथ द्वारका क्यों नहीं गई?

राजा के तौर पर द्वारका कृष्ण का फ़र्ज़ था, जबकि राधा का काम वृंदावन में भक्ति की भावना को ज़िंदा रखना था।

3. कृष्ण ने द्वारका को नया शहर क्यों चुना?

द्वारका समुद्र के किनारे एक खास जगह पर था, जिससे दुश्मनों के लिए हमला करना मुश्किल था।

4. क्या द्वारका जाने के बाद कृष्ण कभी मथुरा लौटे?

हाँ, कृष्ण कुछ मौकों पर मथुरा गए, लेकिन उनका मुख्य राज और काम ज़िंदगी भर द्वारका में ही रहे।

हर दिन नहीं खरीदनी चाहिए चूड़ियां!

किस दिन खरीदना है शुभ और कब करना चाहिए परहेज

चूड़ी किस दिन खरीदनी चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नई चूड़ियां खरीदने के लिए सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार का दिन शुभ माना जाता है।

सोमवार:- ये दिन भगवान शिव को समर्पित है और इस दिन श्रृंगार की चीजें खरीदना शुभ माना जाता है।

बुधवार:- नई चीजों की खरीदारी के लिए बुधवार को भी अच्छा दिन माना जाता है।

गुरुवार:- ये दिन भगवान विष्णु को समर्पित है और इसे शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है।

शुक्रवार:- माता लक्ष्मी से जुड़े इस दिन को सौभाग्य और समृद्धि की चीजों की खरीदारी के लिए खास माना जाता है.

चूड़ियां किस दिन नहीं खरीदनी चाहिए?

धार्मिक मान्यता है कि मंगलवार और शनिवार के दिन नई चूड़ियां खरीदने से परहेज करना चाहिए. इन दोनों दिनों को सुहाग और सौभाग्य से जुड़ी चीजों की खरीदारी के लिए अच्छा नहीं माना जाता है।

किस हाथ में कितनी चूड़ियां पहननी चाहिए?

मान्यताओं के अनुसार, दोनों हाथों में चूड़ियों की संख्या एक जैसी नहीं रखनी चाहिए. दोनों हाथों में बिल्कुल बराबर संख्या में चूड़ियां पहनना धार्मिक मान्यताओं में शुभ नहीं माना जाता है।

बाएं हाथ में कितनी चूड़ियां पहनें:- बाएं हाथ में विषम संख्या यानी 3, 5, 7, 9 या 11 की संख्या में चूड़ियां पहनना शुभ माना जाता है।

दाएं हाथ में कितनी चूड़ियां पहनें:- दाहिने हाथ में सम संख्या यानी 2, 4, 6, 8, 10 या 12 की संख्या में चूड़ियां पहनी जाती हैं।

किस तरह की चूड़ियां पहनना शुभ माना जाता है?

सुहाग के प्रतीक के तौर पर कांच की चूड़ियों को विशेष महत्व दिया जाता है. खासकर लाल, हरी और पीली चूड़ियों को शुभ माना जाता है. लाल रंग को सुहाग और प्रेम, हरे रंग को खुशहाली और पीले रंग को शुभता से जोड़कर देखा जाता है. नई शादी के बाद महिलाओं को शुरुआत में काले या बहुत गहरे रंग की चूड़ियां पहनने से बचने की सलाह भी दी जाती है।

चूड़ियां पहनने का सही समय क्या है?

मान्यता है कि नई चूड़ियां सुबह या शाम के समय पहनना अच्छा माना जाता है. रात के समय नई चूड़ियां पहनने से परहेज करने की सलाह दी जाती है. नई चूड़ियां खरीदने के बाद उन्हें सीधे पहनने के बजाय पहले माता पार्वती या मां गौरी को अर्पित करना शुभ माना जाता है. इसके बाद माता का आशीर्वाद लेकर चूड़ियां पहनने की परंपरा है।

भजन का एक अर्थ यह भी है कि अन्न का दान और सम्मान करें

यह तो तय है कि भगवान का भजन करो तो क्लेश मिट जाते हैं। अपने भी, दूसरों के भी। वैसे क्लेश का सीधा अर्थ होता है कष्ट और कलह। लेकिन योगशास्त्र के अनुसार इसके पांच मायने हैं- अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनिवेश। अभिनिवेश यानी मृत्यु का भय। रामचरितमानस में काकभुशंडि जी गरुड़ जी से कहते हैं- ऐसेहिं हरि बिनु भजन खगेसा, मिटइ न जीवन्ह केर कलेसा। हे पक्षीराज, इसी प्रकार श्रीहरि के भजन बिना जीवों का क्लेश नहीं मिटता। यदि हम अपने क्लेश मिटाना चाहते हैं तो भजन के अर्थ को भी ठीक से समझना होगा।

ईश्वर के सुमिरन में भी परहितकारी वृत्ति होना चाहिए। हमारे देश में इस समय एक क्लेश है कि 142 करोड़ लोगों में से आज भी 20 करोड़ लोग भूखे सोते हैं। बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। हर 10 में से 9 शिशु न्यूनतम पोषण नहीं ले पाते। तो हमारे लिए भजन का एक अर्थ होना चाहिए कि अन्न दान करें। अन्न का व्यर्थ दुरुपयोग न करें। अन्नदान और अन्न-सम्मान भी एक भजन है।

हमारी वाणी में ऐसा कोई शब्द न हो, जो किसी के अपमान का कारण बन सकता है

हमारी वाणी में ऐसा कोई भाव न हो, जो किसी के अपमान का कारण बन सकता है। वाणी का तप अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें अपने वाणी-व्यवहार के लिए हमेशा संवेदनशील रहना चाहिए। मधुर और शुद्ध वाणी के माध्यम से हम प्रेम, प्रसन्नता और प्रियता हासिल कर सकते हैं। हमारे अच्छे और सकारात्मक विचार समाज में दिव्यता का वातावरण बना सकते हैं। हम अपने प्रत्येक शब्द को सोच-समझकर बोलें, किसी को आहत न करें और अपनी वाणी को पवित्र, मधुर, सरल और कल्याणकारी बनाकर समाज में सकारात्मकता फैलाएं।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

'यह मेरी अब तक की सबसे बेहतरीन मूवी'
'आवारापन 2' की सफलता पर इमरान हाशमी का भावुक रिएक्शन

इमरान हाशमी इन दिनों स्वाइन फ्लू से ठीक हो रहे हैं, लेकिन उनकी लेटेस्ट फिल्म 'आवारापन 2' को बॉक्स ऑफिस पर मिल रही शानदार सफलता ने उन्हें काफी खुश कर दिया है। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। ऐसे में उसके सीक्वल की इतनी बड़ी सफलता ने फिल्म इंडस्ट्री को भी हैरान कर दिया है।

फैंस का किया धन्यवाद

अब इमरान हाशमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने मंगलवार को लिखा, 'कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं और फिर कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका हिस्सा होने पर आपको दिल से गर्व महसूस होता है। 'आवारापन 2' ऐसी ही फिल्म है। यह एक ऐसी बेहद खास और दुर्लभ सफलता बन गई है, जो बहुत कम देखने को मिलती है।

एक ऐसी फिल्म, जिसे दो दशक पहले दर्शकों का प्यार नहीं मिला था, वह अपने सीक्वल के साथ वापस आई और बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बदलने के लिए तैयार थी। यह एक इमोशन से भरपूर एक्शन म्यूजिकल फिल्म है, जिसे शानदार विजुअल स्केल पर बनाया गया है। फिल्म में बेहद अलग और लंबे समय तक याद रहने वाला म्यूजिक है।'

फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा

उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सच में मानता हूं कि इस फिल्म को दर्शकों के साथ और सिनेमाघरों में देखना सबसे बेहतर अनुभव है। इस पूरी कहानी के केंद्र में विशाल हैं, जिन्होंने 'आवारापन' की दुनिया बनाई। उनका विजन और अपने काम पर भरोसा ही इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति और हर चीज को आकार देता रहा।मुझे बहुत खुशी है कि हमने साथ मिलकर यह कदम उठाया और यह सफर तय किया। इतनी शानदार स्टारकास्ट, म्यूजिक की जीनियस टीम और क्रिएटिव ब्रिलियंस वाली फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है।'

अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म

इमरान ने आगे 'आवारापन 2' को अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म तक बता दिया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील करते हुए कहा, 'इसलिए बहुत देर होने से पहले आवारापन 2 को सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।

इस इमोशनल रोलर कोस्टर को महसूस करें। म्यूजिक को खुद पर हावी होने दें और फिल्म का उसी तरह जश्न मनाएं, जिस तरह इसे मनाया जाना चाहिए- बड़ी स्क्रीन, बड़ी आवाज और एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के साथ।'

'पीआर पर ज्यादा पैसे खर्च नहीं किए'
'हनुमान अंश' की सफलता पर डायरेक्टर का बयान

विशाल चतुर्वेदी

डॉक्टर से फिल्ममेकर बने डॉ. विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। नीम करौली बाबा की कहानी पर बनी इस फिल्म ने अपनी कमाई से सभी को हैरान कर दिया है।

ये था डायरेक्टर का इंटेंशन

फिल्म की शुरुआत सिर्फ 250 थिएटर्स से हुई थी। एक हफ्ते बाद इसके शो घटकर 25 रह गए, लेकिन अब चौथे हफ्ते में यह फिल्म 1,200 स्क्रीन्स पर दिखाई जा रही है। फिल्म की लागत करीब 1.7 करोड़ रुपये है और आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म भारत में अब तक 45 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

फिल्म की सफलता को डॉ. विशाल ने मैजिकल, दिव्य और दर्शकों की वजह से मिली सफलता बताया। उन्होंने कहा, '1.7 करोड़ रुपये के बजट में हम बस यही चाहते थे कि दर्शक फिल्म देखें और हमारा निवेश वापस आ जाए। लेकिन फिल्म ने उम्मीद से कहीं ज्यादा अच्छा किया।

आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने सिर्फ भारत में 45 करोड़ रुपये कमाए हैं और कमाई अभी जारी है। हमने अब कलेक्शन देखना और गिनना बंद कर दिया है। अब हम दर्शकों की दुआएं, तारीफ और प्यार गिन रहे हैं।'

हमने मुश्किल से कोई पीआर किया

विशाल खुद भी फिल्म को मिल रही इस सफलता से हैरान हैं। उन्होंने बताया कि उनके हिसाब से फिल्म में सबसे ज्यादा काम बाबा की दिव्य कहानी, म्यूजिक और कलाकारों की मेहनत ने किया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म में सबसे ज्यादा जो चीज काम आई, वह बाबा की दिव्य कहानी है, जिसे अभिनेता शोभिनव सत्या ने निभाया है। इसके अलावा म्यूजिक और फिल्म के कलाकारों और मेकर्स की मेहनत भी काम आई, जो इस विषय से दिल से जुड़े हुए हैं।'

उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रमोशन और पीआर पर ज्यादा पैसा खर्च नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, 'हमने मुश्किल से कोई प्रमोशन और पीआर किया, क्योंकि हमारे पास बजट ही नहीं था। लेकिन दर्शकों ने वर्ड ऑफ माउथ के जरिए पीआर का काम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के बारे में पोस्ट किया। दर्शकों ने इस फिल्म को अपने कंधों पर उठाकर आगे बढ़ाया है।'

पीआर की जगह किया भंडारा

जब फिल्म के शो कम हो गए तो मेकर्स ने प्रमोशन के लिए अलग तरीका अपनाया। उन्होंने मुंबई से एक रोड ट्रिप शुरू की। विशाल ने बताया, 'हम राजकोट, सूरत, अहमदाबाद और कई छोटे शहरों में गए। वहां हमने दर्शकों, लोकल मीडिया और सिनेमा मालिकों से मुलाकात की।

हमारे पास ज्यादा पैसे नहीं थे, इसलिए हमने सोशल मीडिया के जरिए इसे आगे बढ़ाया।' उन्होंने बताया कि कंटेंट क्रिएटर्स और दर्शकों ने भी फिल्म के लिए भावुक रील्स बनाईं, जिससे फिल्म धीरे-धीरे वायरल हो गई और इसके शो दोबारा बढ़ने लगे।

पत्नी सुनीता के बाद अब गोविंदा करेंगे रियलिटी शो में डेब्यू?
'राइज एंड फॉल 2' में काम करने की तैयारी

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

बतौर प्रतिभागी आएंगे नजर?

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं।

गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं।

अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है।

गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

सुनीता और गोविंदा की पर्सनल लाइफ में दूरियां?

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली। गोविंदा के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्म 'रूपा' में वे कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आएंगे।

राजकुमार राव ने डिजास्टर मूवी के लिए एक महीने में घटाया था 10 किलो वजन

कई अभिनेता ऐसे हैं जिन्होंने अपने किरदार के लिए हैरान करने वाले ट्रांसफॉर्मेशन किए हैं। जिनमें वजन घटाना और बढ़ाना काफी कॉमन है। लेकिन अगर 1 महीने में 10 किलो वजन घटाने की बात हो तो ये बड़ी बात है। बड़े ट्रांसफॉर्मेशन करने वालों की फेहरिस्त में एक्टर राजकुमार राव का नाम भी शामिल है।

राजकुमार राव 42 साल के हो गए हैं और वे अपनी फिल्मों के किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की कोशिशों के लिए जाने जाते हैं। किसी किरदार के लिए वजन बढ़ाने से लेकर कम समय में उसे घटाने तक, इस एक्टर ने अपने काम के लिए कई बार जबरदस्त शारीरिक बदलाव किए हैं।

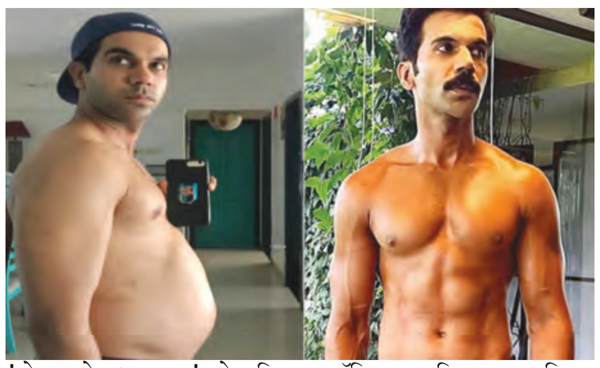

एक महीने में घटाया 10 किलो वजन

2017 में, राव ने वेब सीरीज 'बोसः डेड/अलाइव' के लिए लगभग 13 किलो वजन बढ़ाया था, जिसमें उन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ने वाले फ्रीडम फाइटर सुभाष चंद्र बोस का किरदार निभाया था। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के तुरंत बाद, उन्होंने 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'फन्ने खान' के लिए सिर्फ एक महीने में 10 किलो वजन घटाया।

हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ ऐश्वर्या राय और अनिल कपूर भी अहम किरदारों में थे।

एक्टर ने कैसे किया ये ट्रांसफॉर्मेशन?

2017 में मीडिया से बात करते हुए, राव ने बताया कि उन्होंने वजन घटाने की प्रोसेस को कैसे अपनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से पता था कि शो के बाद मुझे अपना बढ़ा हुआ वजन घटाना होगा'। एक्टर ने यह भी बताया कि उन्होंने नाश्ता और लंच करना छोड़ दिया था। अपनी डाइट और एक्सरसाइज रूटीन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सीधे डिनर करता था, जिसमें मुख्य रूप से प्रोटीन से भरपूर खाना होता है। चूंकि मैं लगातार काम करता रहता हूं, इसलिए मुझे भूख का एहसास उतना ज्यादा नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, 'जहां तक मेरे वर्कआउट की बात है, मैं हर दिन कम से कम तीन घंटे कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करता हूं'।

राजकुमार राव का वर्कफ्रंट

राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म प्रहार है जो उज्जवल निकम की बायोपिक है, इसमें राव लीड रोल प्ले कर रहे हैं। यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज के लिए शेड्यूल की गई है।

एक्शन थ्रिलर मूवी 'मैसा' में भाला लिए खून से लथपथ अवतार में नजर आयेगी रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही एक बेहद निडर और खूंखार अवतार में बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। उनकी बहुचर्चित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मैसा' को लेकर लंबे समय से बज बना हुआ था और अब मेकर्स ने इसकी आधिकारिक रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज की जाएगी। भारतीय सिनेमा में महिलाओं के नेतृत्व वाली पहली इतनी बड़ी पैन-इंडिया फिल्मों में से एक मानी जा रही 'मैसा' में रश्मिका का एक ऐसा रूप देखने को मिलेगा, जो दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा है।

27 नवंबर को रिलीज होगी रश्मिका की 'मैसा'

फिल्म के मेकर्स ने एक नया पोस्ट शेयर करते हुए आधिकारिक तौर पर रिलीज डेट की घोषणा की है। इस पोस्टर में रश्मिका मंदाना का एक बेहद पावरफुल और प्रभावशाली रूप सामने आया है। निर्माताओं ने रश्मिका के किरदार का परिचय देते हुए लिखा कि वह स्वभाव से बेहद सहनशील, अपनी पसंद से निडर और आत्मा से अटूट हैं। मेकर्स ने दर्शकों को रश्मिका के इस अनदेखे अवतार का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया है। इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सामने आए पोस्टर में रश्मिका हाथ में भाला लिए नजर आ रही हैं, उन्हें खून से लथपथ पावरफुल अंदाज में आप देख सकते हैं।

खतरनाक स्टंट और धांसू एक्शन से भरपूर होगी फिल्म

फिल्म 'मैसा' को एक हाई-ऑक्टेन और इमोशनल एक्शन थ्रिलर के रूप में तैयार किया जा रहा है। कहानी की पृष्ठभूमि आदिवासी इलाकों और उनकी सांस्कृतिक जड़ों पर आधारित है। मेकर्स के अनुसार, यह सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें एक बेहद मजबूत और दिल को छू लेने वाली कहानी भी होगी। फिल्म का विजुअल प्रेजेंटेशन और सिनेमाटोग्राफी दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाने का वादा करती है। रश्मिका इस पूरी कहानी के केंद्र में होंगी और अपने दमदार एक्शन स्टंट से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं।

जून में सामने आई थी रश्मिका के पहले लुक की पहली झलक

इससे पहले जून 2026 में जब फिल्म 'मैसा' का पहला लुक जारी किया गया था तो उसने हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया था। उस पोस्टर में रश्मिका मंदाना चेहरे पर खून के धब्बे, खुले बिखरे बाल और हाथ में तलवार थामे हुए बेहद उग्र अंदाज में नजर आई थीं। रश्मिका ने खुद भी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा था कि वह हमेशा दर्शकों को कुछ नया और रोमांचक देने की कोशिश करती हैं। उन्होंने इस किरदार को अब तक का सबसे कठिन और अलग अनुभव बताया था।

रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में बनी 'मैसा'

अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म की दुनिया और इसके किरदारों को बहुत ही यथार्थवादी और गहन तरीके से गढ़ा है।

अगर वर्कफ्रंट की बात करें, तो रश्मिका मंदाना को हाल ही में 'कॉकटेल 2' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ कृति सेनन और शाहिद कपूर भी नजर आए थे।

'मैसा' के अलावा रश्मिका के पास 'रणबाली' जैसा बड़ा प्रोजेक्ट भी है, जिसमें वह अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आने वाली हैं। फिलहाल फैंस को 27 नवंबर का बेसब्री से इंतजार है, जब रश्मिका बड़े पर्दे पर अपना यह नया अवतार पेश करेंगी।

'मालामाल वीकली 2' में ईशा देओल व 'बिग बॉस' की एक्स कंटेस्टेंट सोनिया बंसल की एंट्री

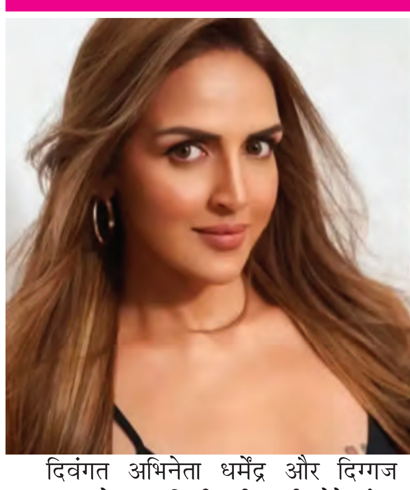

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र और दिग्गज अदाकारा हेमा मालिनी की बड़ी बेटे ईशा देओल को 'मालामाल वीकली 2' के लिए मेकर्स ने अप्रोच किया था और अब उनकी फिल्म में एंट्री हो चुकी है. पहले से ही कई स्टार्स को फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया था और अब इसमें ईशा देओल सहित दो नाम जुड़ चुके हैं. ईशा के अलावा 'बिग बॉस 17' की कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस सोनिया बंसल ने भी इस फिल्म को साइन किया है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक ईशा देओल ने मालामाल वीकली 2 को साइन कर लिया है. बताया जा रहा है कि एक्टिंग कमबैक के लिए एक्ट्रेस एक अच्छी कहानी की तलाश में थीं और उनकी ये तलाश मालामाल वीकली 2 के साथ खत्म हो गई है. वो अपने किरदार से बेहद खुश हैं.

ईशा देओल के अलावा सोया बंसल ने भी फिल्म का ऑफर एक्सेप्ट कर लिया है. बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं सोनिया बंसल को एक दिलचस्प रोल के लिए अप्रोच किया गया था. उन्होंने भी इसमें दिलचस्पी दिखाते हुए फिल्म के लिए हामी भर दी है.

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

ये जानकारी भी सामने आ चुकी है कि ये फिल्म कब तक फ्लोर पर आ सकती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 तक शुरू हो सकती है. फिल्म की कहानी साल 2006 की फिल्म मालामाल वीकली से पूरी तरह अलग होगी. हालांकि ये उसकी मूल भावना को जिंदा रखेगी.

'मालामाल वीकली 2 को 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के डायरेक्टर अमित जोशी बना रहे हैं. पहले खबरें आ चुकी हैं कि फिल्म में रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा जैसी एक्ट्रेसेस भी नजर आएंगी. इसके बाद 11 अगस्त को एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर के फिल्म की कास्ट से जुड़ने की खबर आई थी. जबकि 13 अगस्त को मशहूर अभिनेता राजपाल यादव और 'बिग बॉस ओटीटी 2' के विनर एल्विश यादव को लिए जाने का अपडेट आया था. वहीं एक दिन बाद फरदीन खान और महेश मांजरेकर के भी फिल्म से जुड़ने की जानकारी मिली.

बिना किसी झगड़े के भी रिश्ते में क्यों बढ़ जाती है दूरी? बातचीत कम होने की असली वजह

रिश्ते में प्यार होना जरूरी है, लेकिन सिर्फ प्यार ही रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए काफी नहीं होता। कई बार कपल एक-दूसरे की परवाह करते हैं, साथ रहना पसंद करते हैं और भावनात्मक जुड़ाव भी महसूस करते हैं, फिर भी उनके बीच बातचीत धीरे-धीरे कम होने लगती है।

शुरुआत में यह बदलाव बहुत छोटा लगता है लेकिन समय के साथ यही छोटी आदतें रिश्ते में दूरी का एहसास करा सकती हैं। जरूरी नहीं कि बातचीत कम होने का मतलब प्यार खत्म होना हो। अगर आपके रिश्ते में भी प्यार बरकरार है, लेकिन बातचीत पहले से कम हो गई है, तो इन छोटी-छोटी आदतों पर जरूर गौर करें और समय रहते बदलाव की कोशिश करें।

बातचीत कम होने की छोटी-छोटी वजहें

हर समय मोबाइल में व्यस्त रहना

एक साथ रहने के बावजूद अगर दोनों पार्टनर ज्यादातर समय फोन, सोशल मीडिया या वीडियो में व्यस्त रहते हैं, तो आमने-सामने बातचीत कम हो सकती है।

दिनभर की बातें शेयर न करना

पहले छोटी से छोटी बात बताने की आदत थी, लेकिन अब दिन कैसा रहा यह पूछना भी कम हो गया है, तो भावनात्मक दूरी महसूस हो सकती है।

बातचीत का सिर्फ जरूरी चीजों तक सीमित होना

अगर बातचीत केवल खाना, घर, ऑफिस, बिल या दूसरे जरूरी कामों तक सीमित रह गई है, तो रिश्ते में दोस्ताना जुड़ाव कम हो सकता है।

एक-दूसरे को समझ लिया मान लेना

लंबे रिश्ते में कई लोग मान लेते हैं कि सामने वाला बिना बताए सब समझ जाएगा। लेकिन भावनाएं और जरूरतें समय के साथ बदलती हैं, इसलिए उन्हें बोलकर साझा करना जरूरी है।

बार-बार बहस से बचना

अगर हर बातचीत के बाद बहस होने लगी है, तो पार्टनर धीरे-धीरे जरूरी बातें भी शेयर करने से बच सकता है।

भावनाओं को दबाकर रखना

नाराजगी, तनाव या शिकायतों को लगातार दबाते रहने से व्यक्ति बातचीत करने के बजाय चुप रहना पसंद कर सकता है।

रिश्ते में बातचीत बढ़ाने के आसान तरीके

रोज कुछ समय सिर्फ एक-दूसरे के लिए निकालें

फोन अलग रखकर बातचीत करें

बिना जज किए पार्टनर की बात सुनें

सिर्फ समस्याओं पर नहीं, अच्छी चीजों पर भी बात करें

पुराने अच्छे पलों को याद करें और साथ में नई यादें बनाएं

अगर कोई शिकायत है तो आरोप लगाने के बजाय अपनी भावना स्पष्ट करें

ध्यान रखें

हर रिश्ते में बातचीत की मात्रा अलग होती है। कम बात करना अपने आप में प्यार खत्म होने का संकेत नहीं है। असली बात यह है कि दोनों पार्टनर रिश्ते में जुड़ाव, सम्मान और सहजता महसूस कर रहे हैं या नहीं।

पार्टनर से इन बातों पर न करें बहस रिश्ते में बढ़ सकता है तनाव

हर रिश्ते में छोटी-बड़ी बातों पर मतभेद होना सामान्य है। दो लोगों की पसंद, सोच और भावनाएं हमेशा एक जैसी हों, यह जरूरी नहीं है। लेकिन कई बार मामूली मुद्दे लगातार बहस का कारण बनने लगते हैं और धीरे-धीरे रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है। खासतौर पर तब, जब बातचीत समस्या सुलझाने के बजाय एक-दूसरे को गलत साबित करने की कोशिश बन जाए।

रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए यह समझना जरूरी है कि किन बातों पर बहस करने की बजाय शांत होकर बातचीत करना बेहतर हो सकता है। कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जिनमें जीतने से ज्यादा जरूरी पार्टनर की भावनाओं को समझना होता है। अगर आप भी अपने रिश्ते में बार-बार होने वाली नोकझोंक को कम करना चाहते हैं, तो इन 5 बातों पर खास ध्यान दे सकते हैं।

पुरानी गलतियों को बार-बार उठाना

हर बहस में पार्टनर की पुरानी गलती याद दिलाना समस्या को हल करने के बजाय तनाव बढ़ा सकता है। अगर किसी मुद्दे पर पहले ही बात हो चुकी है, तो उसे हर बार नई बहस में शामिल करने से बचना बेहतर है। वर्तमान समस्या पर ध्यान केंद्रित करें और समाधान खोजने की कोशिश करें।

दोस्तों और परिवार को लेकर तुलना

"मेरे दोस्त का पार्टनर ऐसा करता है" या "तुम्हें मेरे परिवार जैसा होना चाहिए" जैसी तुलना पार्टनर को असहज कर सकती है। हर रिश्ता अलग होता है। तुलना करने की बजाय अपनी अपेक्षाओं के बारे में सीधे और सम्मानजनक तरीके से बात करना ज्यादा बेहतर हो सकता है।

पैसों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप

पैसा रिश्तों में संवेदनशील विषय हो सकता है। खर्च, बचत या बजट को लेकर असहमति होने पर एक-दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय मिलकर आर्थिक योजना बनाना बेहतर तरीका हो सकता है। बातचीत को "किसकी गलती है" से हटाकर "आगे क्या करें" पर रखें।

पार्टनर के निजी समय पर सवाल

हर व्यक्ति को रिश्ते के साथ-साथ अपने लिए भी कुछ समय चाहिए हो सकता है। पार्टनर के दोस्तों से मिलने, अकेले समय बिताने या अपने शौक पूरे करने को लेकर लगातार सवाल करना तनाव बढ़ा सकता है। भरोसे और व्यक्तिगत स्पेस का सम्मान रिश्ते में संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकता है।

बहस के दौरान रिश्ता खत्म करने की धमकी

गुस्से में बार-बार "ब्रेकअप कर लेते हैं" या "मैं रिश्ता खत्म कर दूंगा/दूंगी" कहना बातचीत को और गंभीर बना सकता है। ऐसी धमकियों की बजाय कुछ समय शांत होने के बाद मुद्दे पर बात करना बेहतर है। अगर रिश्ता लगातार तनावपूर्ण हो रहा है, तो दोनों पार्टनर मिलकर समस्या की जड़ समझने की कोशिश कर सकते हैं।

त्योहारों में छोटी-छोटी बात पर क्यों लड़ते हैं कपल्स? रिश्ते में कैसे रखें शांति?

त्योहारों का मौसम आते ही घर में रौनक, खरीदारी और मिलना-जुलना बढ़ जाता है। लेकिन कई कपल्स के लिए यही समय कभी-कभी तनाव और छोटी-छोटी बहस का कारण भी बन सकता है। त्योहारों के दौरान बढ़ती जिम्मेदारियां, शॉपिंग का बजट, परिवार के साथ समय और एक-दूसरे से जुड़ी उम्मीदें रिश्ते में अतिरिक्त दबाव पैदा कर सकती हैं।

आमतौर पर किसी एक वजह से लड़ाई नहीं होती। कई छोटी बातें एक साथ जुड़कर तनाव बढ़ा सकती हैं। अगर दोनों पार्टनर समय रहते इन कारणों को समझ लें और एक-दूसरे से खुलकर बात करें, तो त्योहारों की खुशियों को अनावश्यक बहस से बचाया जा सकता है। अगर आपके रिश्ते में भी त्योहारों के दौरान छोटी-छोटी बातों पर बहस बढ़ जाती है, तो इसके पीछे ये 5 सामान्य कारण हो सकते हैं।

त्योहार के सीजन में रिश्ते में कैसे रखें शांति?

हर मुद्दे को जीतने की कोशिश करने की बजाय यह समझना जरूरी है कि पार्टनर किस बात से परेशान है।

खर्च और काम पहले से प्लान करें।

दोनों परिवारों के लिए समय संतुलित करें।

उम्मीदों पर खुलकर चर्चा करें।

अगर बहस बढ़ रही हो, तो उसी समय फैसला लेने की बजाय कुछ देर शांत होकर बाद में बात करना बेहतर हो सकता है।

त्योहार की खरीदारी और बजट

त्योहारों पर कपड़े, गिफ्ट, घर की सजावट, यात्रा और खाने-पीने पर खर्च बढ़ सकता है। अगर दोनों पार्टनर का खर्च को लेकर नजरिया अलग हो, तो छोटी खरीदारी भी बहस का कारण बन सकती है। पहले से बजट तय करना और जरूरी व गैर-जरूरी खर्चों की सूची बनाना तनाव कम करने में मदद कर सकता है।

किसके परिवार के साथ समय बिताएं?

त्योहारों पर दोनों पार्टनर अपने-अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। अगर हर साल एक ही परिवार के घर जाना पड़े या किसी एक पार्टनर को लगे कि उसके परिवार को कम महत्व मिल रहा है, तो नाराजगी पैदा हो सकती है। इस स्थिति में पहले से शेड्यूल बनाकर दोनों परिवारों के लिए समय तय करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

घर के काम का बढ़ जाना

त्योहारों में सफाई, खाना बनाना, मेहमानों की तैयारी और खरीदारी जैसे काम बढ़ जाते हैं। अगर सारी जिम्मेदारी एक ही पार्टनर पर आ जाए तो थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। काम को दोनों के बीच बांटना और जरूरत के अनुसार परिवार की मदद लेना बेहतर रहेगा।

एक-दूसरे से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें

त्योहारों को लेकर लोगों की अपनी-अपनी कल्पनाएं होती हैं।

कोई रोमांटिक सेलिब्रेशन चाहता है, तो कोई परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करता है। जब दोनों की उम्मीदें अलग होती हैं, तो निराशा बहस में बदल सकती है। अपनी उम्मीदों को मन में रखने की बजाय पहले ही पार्टनर से बात करना बेहतर है।

समय की कमी और थकान

त्योहारों के दौरान लगातार खरीदारी, यात्रा, मेहमान और सामाजिक कार्यक्रम के कारण निजी समय कम हो सकता है।

थकान की स्थिति में छोटी बात भी बड़ी लग सकती है।

इसलिए हर दिन कुछ समय सिर्फ एक-दूसरे के लिए निकालना और जरूरत पड़ने पर आराम को प्राथमिकता देना रिश्ते के लिए अच्छा हो सकता है।

पत्नी और मां के बीच क्यों फंस जाते हैं कई पुरुष? असली कारण और समाधान

भारतीय परिवारों में शादी के बाद पति, पत्नी और मां के रिश्तों को लेकर अक्सर कई तरह की चर्चाएं होती हैं। कई बार यह सवाल उठता है कि कुछ पुरुष अपनी पत्नी की तुलना में मां की बात को ज्यादा महत्व क्यों देते हैं। यह विषय केवल भावनाओं का नहीं, बल्कि परिवार, संस्कार, परवरिश, जिम्मेदारियों और रिश्तों की गहरी समझ से भी जुड़ा हुआ है।

असल में हर परिवार की परिस्थितियां अलग होती हैं। कुछ पुरुष अपनी मां के प्रति गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस करते हैं क्योंकि बचपन से लेकर युवावस्था तक मां ने उनके जीवन में सबसे बड़ी भूमिका निभाई होती है। वहीं शादी के बाद जीवन में पत्नी एक नई और महत्वपूर्ण साथी बनकर आती है। ऐसे में कई बार दोनों रिश्तों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी एक रिश्ते को दूसरे से ऊपर रखना हर स्थिति में सही नहीं माना जा सकता। एक सफल परिवार वही होता है जहां पति अपनी मां का सम्मान बनाए रखते हुए पत्नी को भी बराबर महत्व दे। खुला संवाद, आपसी सम्मान और समझदारी ऐसे रिश्तों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बचपन से बना गहरा भावनात्मक जुड़ाव

अधिकांश पुरुषों का अपनी मां के साथ बचपन से ही मजबूत भावनात्मक रिश्ता होता है।

मां उनके पालन-पोषण, शिक्षा, बीमारियों और जीवन के हर महत्वपूर्ण पड़ाव में साथ रहती हैं।

वर्षों का यह जुड़ाव कई बार निर्णय लेने के तरीके को भी प्रभावित करता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि पत्नी कम महत्वपूर्ण है, बल्कि पुराने रिश्ते की गहराई स्वाभाविक रूप से अधिक हो सकती है।

भारतीय परिवारों के संस्कार और सामाजिक सोच

भारतीय समाज में माता-पिता की सेवा और सम्मान को महत्वपूर्ण मूल्य माना जाता है।

कई पुरुष बचपन से यही सीखते हैं कि माता-पिता की बात को प्राथमिकता देना उनका कर्तव्य है।

यही संस्कार शादी के बाद भी उनके व्यवहार में दिखाई देते हैं।

हालांकि आधुनिक परिवारों में पति-पत्नी के बीच साझेदारी और संयुक्त निर्णय लेने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ रही है।

जिम्मेदारियों का दबाव

शादी के बाद कई पुरुष एक साथ कई भूमिकाएं निभाते हैं, बेटे, पति, पिता और कमाने वाले सदस्य की। यदि मां उम्रदराज़ हों, अस्वस्थ हों या आर्थिक रूप से उन पर निर्भर हों, तो उनकी देखभाल को प्राथमिकता देना स्वाभाविक हो सकता है। यह स्थिति पत्नी के महत्व को कम नहीं करती, बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हो सकती है।

संवाद की कमी से बढ़ती हैं गलतफहमियां

कई बार पत्नी को लगता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही, जबकि पति स्वयं दो महत्वपूर्ण रिश्तों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे होते हैं। यदि परिवार में खुलकर बातचीत न हो, तो छोटी-छोटी बातें भी विवाद का कारण बन सकती हैं। नियमित संवाद, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और मिलकर निर्णय लेना ऐसे तनाव को कम कर सकता है।

रिश्तों में संतुलन जरूरी

रिश्ते किसी एक व्यक्ति को चुनने की प्रतियोगिता नहीं हैं।

एक सफल पति वही माना जाता है जो मां का सम्मान बनाए रखते हुए पत्नी के साथ विश्वास, सहयोग और समान भागीदारी का रिश्ता विकसित करे। इसी तरह परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी आपसी सम्मान और सीमाओं का ध्यान रखना जरूरी है। जब सभी एक-दूसरे की भूमिका को समझते हैं, तब परिवार में सामंजस्य और विश्वास मजबूत होता है।

सफेद कपड़े दिखने लगे हैं पुराने और पीले, तो इन आसान टिप्स को अपनाने से लौट आएगी चमक

सफेद कपड़े हमारी अलमारी की शान होते हैं, लेकिन समय के साथ पसीने, धूल-मिट्टी और सही तरीके से सफाई न होने के कारण ये अपनी चमक खो देते हैं और पीले पड़ने लगते हैं। ऐसे में लोग तरह तरह के डिर्जेंट का इस्तेमाल करते हैं ताकि उसकी खोई हुई चमक लौट आए, लेकिन कोई रिजल्ट देखने को नहीं मिलता। अगर आपके भी पसंदीदा सफेद कपड़े अपनी चमक खो चुके हैं, तो निराश होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। कुछ आसान और नेचुरल तरीके अपनाकर आप सफेद कपड़ों की खोई हुई चमक को वापस पा सकते हैं।

1. नींबू और गर्म पानी का करें इस्तेमाल

नींबू एक नेचुरल ब्लीच की तरह काम करता है, जो कपड़ों के पीलेपन को हटाने में बेहद मददगार है। इसे इस्तेमाल करने के लिए एक बाल्टी गर्म पानी में दो से तीन नींबू का रस निचोड़ लें। अब अपने पीले पड़े सफेद कपड़ों को इस पानी में कम से कम 1 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद कपड़ों को सामान्य डिटर्जेंट से धो लें। धूप में सुखाने से कपड़े और अधिक चमक उठेंगे।

2. बेकिंग सोडा और सिरका

बेकिंग सोडा कपड़ों से बदबू और जिद्दी दागों को दूर करता है, जबकि सिरका कपड़ों को सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ सफेद भी करता है। इसके लिए चार लीटर गर्म पानी में आधा कप बेकिंग सोडा मिलाएं। इस घोल में कपड़ों को कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। धोने से पहले, दाग वाली जगह पर थोड़ा सा सफेद सिरका लगाएं। यह तरीका पुराने से पुराने पीलेपन को भी गायब कर देता है।

3. हाइड्रोजन पेरोक्साइड

यह एक बेहतरीन सैनिटाइज़र और ब्लीचिंग एजेंट है, जो कपड़ों के रेशों को नुकसान पहुंचाए बिना उन्हें चमकाता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए बराबर मात्रा में हाइड्रोजन पेरोक्साइड, बेकिंग सोडा और पानी मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को कपड़ों के पीले हिस्सों पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

4. धूप का सही इस्तेमाल

धूप में नेचुरल ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो कपड़ों के पीलेपन को नेचुरली काटते हैं। इसके लिए कपड़ों को हमेशा तेज धूप में उल्टा करके सुखाएं। सीधी और तेज धूप कपड़ों की चमक को बरकरार रखने में मदद करती है, साथ ही बैक्टीरिया को भी खत्म करती है।

उबलकर चूल्हे पर गिरने लगता है दूध, तो अपनाकर देखें ये आसान टिप्स, नहीं गिरेगा एक भी बूंद

दूध का उबलकर गिरना लोगों के लिए बड़ी सिरदर्द बन जाता है। ऐसे में कुछ आसान और असरदार टिप्स अपनाकर दूध को उबलकर गिरने से बचा सकते हैं।

रसोई में काम करते वक्त खड़े होकर दूध उबालना काफी थकावट भरा काम लगता हैय़। वहीं कई बार नज़र हटते ही दूध उबलकर गैस चूल्हे पर गिर जाता है। इसकी वजह से न चाहते हुए भी काम बढ़ जाता है और गैस चूल्हे गंदे हो जाते हैं।

अगर आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता है, तो इन आसान और आप इसको गिरने से बचाने के लिए आसान टिप्स की तालाश कर रहे हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ असरदार टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे अपनाकर आप इस परेशानी से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं।

1. लकड़ी या चम्मच का इस्तेमाल

दूध उबालते समय बर्तन के ऊपर एक लकड़ी की बड़ी कलछी या लकड़ी की चम्मच आड़ी रख दें। ऐसा करने से जैसे ही दूध उबलकर ऊपर उठेगा और लकड़ी के संपर्क में आएगा, बुलबुले ठंडे हो जाएंगे और दूध बर्तन से बाहर नहीं गिरेगा।

2. बर्तन के किनारों पर घी या मक्खन लगाएं

दूध गरम करने से पहले बर्तन के ऊपरी अंदरूनी किनारों पर थोड़ा सा घी या मक्खन लगा दें। घी की चिकनाई के कारण दूध के बुलबुले ऊपर की तरफ नहीं आ पाते और दूध बर्तन के अंदर ही उबलता रहता है।

3. बर्तन के अंदर रख दें कटोरी

दूध उबालते वक्त बर्तन की तली में एक छोटी साफ स्टील या कांच की कटोरी रख दें। इससे दूध में लगातार हलचल बनी रहती है और जब भी दूध में उबाल आना शुरू होता है, तो कटोरी की वजह से बुलबुले बिखर जाते हैं और दूध उफनकर बाहर नहीं गिरता।

4. पानी के छींटे मारें

जैसे ही आपको लगे कि दूध उबलने वाला है और ऊपर आ रहा है, तुरंत चम्मच में थोड़ा सा पानी लेकर दूध के ऊपर छींटे मार दें। पानी पड़ते ही दूध का तापमान अचानक थोड़ा कम हो जाता है और उबलता हुआ दूध तुरंत नीचे बैठ जाता है।

5. धीमी आंच पर उबालें

तेज़ आंच पर दूध और चाय जल्दी उबलते हैं और झाग ज़्यादा बनता है। इससे बचने के लिए, दूध को हमेशा धीमी आंच पर उबालें। मध्यम या धीमी आंच पर उबालने से दूध धीरे-धीरे गर्म होंगे और झाग बनने की प्रक्रिया नियंत्रित रहेगी। बीच-बीच में दूध या चाय को चलाते रहें ताकि वे जलें नहीं और अच्छी तरह उबलें।

खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क और मुंद्रा एवं विझिंजम पोर्ट जैसे प्रोजेक्ट अर्थव्यवस्था में लाते हैं बड़ा बदलाव : गौतम अदाणी

मुंबई,1 सितंबर (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क और मुंद्रा एवं विझिंजम पोर्ट जैसे बड़े प्रोजेक्ट केवल क्षमता का निर्माण नहीं करते, बल्कि आसपास की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाते हैं। रेटिंग एजेंसी केयरएज ग्रुप के सालाना समिट को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा, भारत अब एक बिल्कुल अलग दौर में आ गया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर का स्वरूप बदल गया है और भारत जो कुछ भी बना रहा है, उसकी जटिलता के साथ-साथ हमारे रेटिंग फ्रेमवर्क की जटिलता भी विकसित होनी चाहिए।

अरबपति कारोबारी ने कहा, अगर हम सिर्फ आज की मांग को ध्यान में रखकर निर्माण करेंगे, तो भारत हमेशा भविष्य के मौकों का फायदा उठाने में पीछे रह जाएगा। गौतम अदाणी ने कहा कि आज गुजरात का मुंद्रा पोर्ट भारत का सबसे बड़ा पोर्ट है, लेकिन तीन दशक पहले पारंपरिक रेटिंग के हिसाब से इसे बिना किसी इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम वाला दलदली इलाका मानकर खारिज कर दिया जाता। उन्होंने कहा, आज मुंद्रा भारत के सबसे अहम कमर्शियल गेटवे में से एक है। लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि मुंद्रा ने पोर्ट के आकार से कई गुना बड़ा इकोसिस्टम बनाया है। यह पोर्ट रेल से जुड़ा है। रेल लॉजिस्टिक्स सेंटर्स से जुड़ी है। लॉजिस्टिक्स पावर प्लांट्स से जुड़े हैं। पावर इंडस्ट्रियल जोन से जुड़ी है। इंडस्ट्रियल जोन पूरे भारत के ट्रेडर्स और मैन्युफैक्चरर्स से जुड़े हैं। इसी तरह, केरल में विझिंजम पोर्ट प्रोजेक्ट में 25 साल तक किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई, क्योंकि इसे बहुत मुश्किल और इसमें पूंजी का जोखिम बहुत अधिक माना जाता था, जबकि देश में ऐसे गहरे पानी वाले पोर्ट की बहुत जरूरत थी। फिर भी, अदाणी ग्रुप ने आगे बढ़कर इसे बनाया। उन्होंने समझाया, हम दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग रूट से सिर्फ 10 नॉटिकल मील दूर थे, फिर भी हम अपना कंटेनर कार्गो नहीं संभाल पाते थे। हमें सिंगापुर, दुबई और कोलंबो के जरिए ट्रांसशिपमेंट करना पड़ता था। दशकों तक, भारतीय व्यापार को विदेशी पोर्ट्स को सीधा संप्रभुता टैक्स देना पड़ा, क्योंकि घरेलू इंफ्रास्ट्रक्चर को संस्थागत पूंजी के लिए बहुत जोखिम भरा माना जाता था। गौतम अदाणी ने कहा कि पारंपरिक नजरिए से देखें तो खावड़ा प्रोजेक्ट भी एक कठोर रेगिस्तान जैसा लगता है, जिसमें काम पूरा करने का जोखिम और अनिश्चित मांग जैसी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जो बात छूट जाती है, वह यह है कि खावड़ा सिर्फ एक रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट नहीं है। खावड़ा एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक क्षमता अभूतपूर्व स्तर पर एक साथ आते हैं। यह भारत के भविष्य के कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर को चलाने के लिए जरूरी क्लीन इलेक्ट्रॉन दे सकता है। यह भारत के एआई मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की नींव है। यह उस नींव का हिस्सा बन सकता है जिस पर भारत की एआई अर्थव्यवस्था खड़ी होगी।उन्होंने कहा कि पहले भारत की इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी महत्वाकांक्षाएं सीमित संसाधनों, सीमित क्षमता और सीमित आत्मविश्वास के कारण सीमित थीं।

अब पराली जलाने की समस्या हो रही खत्म

पराली से बन रहा इथेनॉल और बायो-सीएनजी : गडकरी

नई दिल्ली,1 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा के पहले स्पीकर चार्टी लाल गोयल की 99वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब देश में पराली जलाने की समस्या खत्म हो रही है। इससे हम लोग इथेनॉल और बायो-सीएनजी बनवा रहे हैं, आने वाले दिनों में इसकी समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

नितिन गडकरी ने कहा कि व्यक्ति कितने वर्षों तक जीवित रहा, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उसने अपना जीवन किस तरह जिया और समाज के लिए क्या योगदान दिया। जन्म लेने वाले हर व्यक्ति की मृत्यु निश्चित है और यह एक सार्वभौमिक नियम है। किसी व्यक्ति का वास्तविक मूल्यांकन उसके जीवन की अवधि से नहीं, बल्कि इस बात से होता है कि उसने अपने जीवन को किस उद्देश्य और तरीके से जिया। कार्यक्रम में उन्होंने उस स्थान के बदलाव की भी सराहना की, जहां पहले कबाड़ का ढेर हुआ करता था और अब उसे एक सुंदर बगीचे में बदल दिया गया है। उन्होंने इसे कबाड़खाने के कायाकल्प का उदाहरण बताते हुए कहा कि इस तरह के बदलाव समाज और पर्यावरण, दोनों के लिए सकारात्मक हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से वह पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं। आज मानव समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में पर्यावरण का लगातार क्षरण भी शामिल है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का पहला कर्तव्य होना चाहिए। गडकरी ने वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के ये तीनों रूप लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं और जीवन प्रत्याशा को कम करने में भी भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रदूषण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को लंबे समय तक प्रदूषण की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है लेकिन अब स्थिति में बदलाव आना शुरू हुआ है।

शेयर बाजार में आई गिरावट, निफ्टी 24050 के नीचे बंद

बैंक और ऑटो शेयरों में हुई बिकवाली

मुंबई,1 सितंबर (एजेंसियां)। 1 सितंबर को भारतीय इक्विटी इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए और निफ्टी 24,050 पर रहा। कारोबार के अंत में, सेंसेक्स 12.99 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 76,944.28 पर और निफ्टी 24.60 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 24,055.80 पर बंद हुआ। बीएसई पर 4559 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1769 शेयरों में बढ़त हुई, 2555 शेयरों में गिरावट आई और 235 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इन शेयरों में आई तेजी

निफ्टी में सबसे ज़्यादा गिरावट वाले शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी, नेस्ले, इंटरग्लोब एविएशन और मैक्स हेल्थकेयर शामिल रहे। बढ़त वाले शेयरों में आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और ओएनजीसी शामिल थे।

किन सेक्टर्स में हुई बिकवाली ?

सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी फार्मा में 1.5% की गिरावट आई, इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.4% और निफ्टी रियल्टी में 1.4% की गिरावट हुई, जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.2% की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी बैंक 1% और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.9% नीचे आया। बढ़त वाले सेक्टर में निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी आईटी में 0.9% की बढ़ोतरी हुई, जबकि निफ्टी इंफ्रा, मीडिया और ऑयल एंड गैस में 0.3% की बढ़त हुई। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें - अमेरिका और ईरान के बीच नए तनाव के कारण होर्मुज से ऊर्जा की सप्लाई में लंबे समय तक रुकावट की आशंका से तेल की कीमतों में लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी हुई।बैंक शेयरों में बिकवाली - बैंक निफ्टी लगभग 1.3% नीचे फिसला, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक निफ्टी के टॉप लूजर्स में शामिल रहे।तकनीकी वजह - जानकारों का कहना है कि बाजार में तेजी का माहौल (बुलिश मोमेंटम) वापस लाने के लिए निफ़्टी को 24,150 के ऊपर ट्रेड करना होगा।ऑटो शेयरों में बिकवाली - निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.2% से ज़्यादा नीचे फिसला, जिसमें मारुति सुजुकी 5% की गिरावट के साथ सबसे आगे थी।

पीएम मोदी की अपील से सोने की कीमत में गिरावट

आज 1,037 गिरकर 1.55 लाख का 10 ग्राम हुआ, चांदी भी 1,711 सस्ती हुई

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी के लोगों से गैर-जरूरी सोना न खरीदने की अपील के बाद सोने-चांदी के दाम में आज यानी 1 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,037 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1711 रुपए गिरकर 2.35 लाख रुपए पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के चलते आने वाले दिनों में भी सोने की कीमत पर दबाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण भी सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

ऑलटाइम हाई से 1.53 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 21 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	सिंह	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	सिंह	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
सिंह---	05-00 बजे
कन्या--	07-06 बजे
तुला----	08-10 बजे
वृश्चिक---	11-21 बजे
धनु----	13-36 बजे
मकर--	15-40 बजे
कुंभ---	17-32 बजे
मीन---	19-09 बजे
मेष----	20-45 बजे
वृष-----	22-28 बजे
मिथुन--	00-32 बजे
कर्क----	02-48 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **06-01**
सूर्यास्त. **18-42**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष बुधवार **02 Sep 2026**
तिथि - पंचमी **06-12** तक उपरान्त -(षष्ठी क्षय)
नक्षत्र - भरणी **01-43** रात्रि तक उपरान्त कृत्तिका
योग - धुव्र **21-12** तक रात्रि उप व्याघात
करण - तैतिल **06-12** तक उप गर

विशेषः हल चंदन षष्ठी व्रत
तुला मे शुक्र **13-44** से

विशेष:- राशिफल ग्रहो के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-16 से 13-49 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघडि़या		
लाभ	06-01 - 07-37	शुभ
अमृत	07-37 - 09-10	शुभ
काल	09-10 - 10-43	अशुभ
शुभ.	10-43 - 12-16	शुभ
रोग	12-16 - 13-49	अशुभ
उत्पात	13-49 - 15-22	अशुभ
चंचल	15-22 - 16-55	शुभ
लाभ	16-55 - 18-42	शुभ

रात का चौघडि़या		
उत्पात	18-42 - 19-55	अशुभ
शुभ	19-55 - 21-22	शुभ
अमृत	21-22 - 22-49	शुभ
चंचल	22-49 - 00-16	शुभ
रोग.	00-16 - 01-43	अशुभ
काल	01-43 - 03-10	अशुभ
लाभ	03-10 - 04-33	शुभ
उत्पात	04-33 - 06-01	अशुभ

भारत में प्याज महंगा और नेपाल को लगा झटका! 140% तक बढ़े दाम, नेपाली अधिकारियों ने बताई असली वजह

नई दिल्ली,1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में प्याज की महंगाई किसी से छिपी नहीं हैं। देश के कई इलाकों के स्थानीय बाजारों में इसकी कीमत 70 प्रति किलो तक पहुंच गई है। भारत में प्याज की बढ़ती कीमत का असर नेपाल में भी देखने को मिला है। नेपाली मीडिया के मुताबिक खुदरा बाजारों में प्याज की कीमतों में 140 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। प्याज के थोक दाम भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 20.77 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

कितनी पहुंच गई कीमत ?

नेपाली मीडिया काठमांडु पोस्ट के मुताबिक वहां प्याज की कीमत 140 रुपये किलो पहुंच गई है तो मजह 1 हफ्ते पहले 100 रुपये किलो के आसपास बिक रहा थी। कलिमाटी फल एवं सब्जी मंडी विकास बोर्ड के अनुसार, प्याज के थोक भाव में पिछले 1 हफ्ते में 20.77 प्रतिशत, एक महीने में 68.65 प्रतिशत और पिछले 1 साल में 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रविवार को कलिमाटी थोक मंडी में प्याज 93.6 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रहा था।

भारत की महंगाई का असर

नेपाल अपनी प्याज मांग को पूरी करने के लिए लगभग पूरी तरह से भारत पर निर्भर है और आयात के माध्यम से डिमांड पूरी करता है, जिससे घरेलू बाजार दक्षिणी सीमा पर कीमतों और आपूर्ति में होने वाले उतार-चढ़ाव से सीधा असर देखने को मिलता है। मौजूदा समय में भारत में प्याज की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है। राजधानी नई दिल्ली में खुदरा कीमत लगभग 65 प्रति किलोग्राम या लगभग 104 नेपाली रुपये तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले यह 35 प्रति किलोग्राम थी जो नेपाली मुद्रा में लगभग 56 रुपये थी।

भारत पर निर्भर है नेपाल का मंडी भाव

नेपाल की कालीमती फल एवं सब्जी बाजार विकास बोर्ड के सूचना अधिकारी बिनय श्रेष्ठ ने कहा कि प्याज की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारतीय बाजार मूल्य पर निर्भर करता है और इस बार भारत में कीमतें बढ़ी हैं। अधिकतर प्याज भारत के नासिक से भैरहवा व्यापार केंद्र के माध्यम से आयात किया जाता है और फिर पृथ्वी नेशनल हाइवे के माध्यम से सप्लाई की जाती है। पिछले पांच दिनों से हाइवे पूरी तरह से चालू नहीं है, जिसका कीमतों पर साफ असर देखा गया है। पिछले बुधवार को आई अचानक बाढ़ के कारण यातायात बाधित हुआ है बिनय श्रेष्ठ के अनुसार, सामान्य परिस्थितियों में कलिमाटी मंडी में प्रतिदिन 70 से 100 टन प्याज की आपूर्ति होती है। वहीं, आयातकों का कहना है कि महज दो हफ्तों में उनकी लागत दोगुनी हो गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है । आपको अपने निवेश के निर्णय चरणबध्द तरीके से लेने है ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे ! यदि संभव हो तो अपनी सफलता का जश्न मनाने का इरादा स्थगित कर दे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू, धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा)
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

तमिलनाडु में तास्माक का राजस्व रिकॉर्ड 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा

चेन्नई,1 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (तास्माक) से प्राप्त राजस्व ने 2025-26 में पहली बार 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो शराब की बिक्री से एकत्र किए गए करों पर राज्य सरकार की निरंतर निर्भरता को दिखाता है।

गृह, निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग की 2026-27 की नीति के अनुसार, राज्य के स्वामित्व वाले शराब विक्रेता ने पिछले वित्तीय वर्ष में 50,845 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह 2024-25 में अर्जित 48,381 करोड़ रुपये से 2,464 करोड़ रुपये या लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

रिकॉर्ड तोड़ राजस्व से तमिलनाडु के कुल कर राजस्व का लगभग 26 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जिससे शराब व्यापार राजकोष के लिए धन के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक बन गया। मूल्यवर्धित कर (वैल्यू एडेड टैक्स) से सबसे अधिक 39,010 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्पाद शुल्क से 11,836 करोड़ रुपये की आय हुई। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में राजस्व वृद्धि जारी रही है। 2026-27 के पहले चार महीनों के दौरान, तस्मै ने 17,855 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। विभाग के अनुमानों के आधार पर, इस वर्ष इसके वार्षिक राजस्व में 5.3 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है। केवल चार महीनों की वसूली ही औसतन 4,460 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक है।

तास्माक तमिलनाडु भर में भारतीय निर्मित विदेशी शराब की खुदरा बिक्री का संचालन करता है और सरकारी राजस्व, सार्वजनिक स्वास्थ्य और शराबबंदी पर चर्चा में लंबे समय से एक केंद्रीय स्थान रखता है।इसके वित्तीय प्रदर्शन पर नजर रखी जाती है क्योंकि शराब की बिक्री या कर दरों में मामूली बदलाव भी राज्य की कुल आय पर काफी असर डाल सकता है। निगम की यह ताज़ा उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब शराब की दुकानों और बारों के संचालन को लेकर इसकी लगातार आलोचना हो रही है। राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं और आम जनता के कुछ वर्गों ने शराब की उपलब्धता और इसके सेवन के सामाजिक परिणामों को लेकर बार-बार चिंताएं जताई हैं।

साथ ही, तस्माक द्वारा उत्पन्न राजस्व का पैमाना शराब से संबंधित आय पर राज्य की निर्भरता को कम करने में निहित वित्तीय चुनौती को उजागर करता है। तमिलनाडु के कुल कर राजस्व का एक चौथाई से अधिक हिस्सा अब तस्माक (तस्मैक) के संग्रह से जुड़ा हुआ है और 2025-26 के आंकड़े राज्य के वित्त में निगम के बढ़ते महत्व को दर्शाते हैं। यदि 2026-27 में अनुमानित 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हो जाती है, तो शराब से होने वाला राजस्व ऐतिहासिक 50,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगा, जिससे सरकारी राजस्व में मजबूती आएगी और साथ ही नियमन, सामाजिक लागत और राजस्व निर्भरता पर बहस जारी रहेगी।

मिलों में 47 फिर रिटेल में क्यों 64 में बिक रही चीनी?

खुदरा कारोबार में तेजी की वजह क्या है?

नई दिल्ली,1 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त महीने में चीनी की रिकॉर्ड महंगाई का असर अभी तक थमा नहीं है। आज भी देश में औसत रिटेल प्राइस 64 प्रति किलो के आसपास है। जबकि मिलों में चीनी के थोक भाव 47 प्रति किलो पहुंच गए हैं।

ऐसे में सवाल ये है कि आम ग्राहकों को अभी भी क्यों महंगाई का सामना करना पड़ रहा है? मिलों के थोक भाव में गिरावट का असर खुदरा बाजारों में कब देखने को मिलेगा जिससे उपभोक्ताओं को रियायती दरों में शक्कर मिलेगी? इसके पीछे का कारण थोक व्यापारियों का स्टॉक बताया जा रहा है।

आखिर क्यों सस्ते में नहीं मिल रही खुदरा चीनी

आम ग्राहकों के लिए अभी भी चीनी की कीमत रॉकेट बनी हुई है। मिलों में आई गिरावट का असर अभी तक खुदरा बाजार में नहीं दिखा है। मीडिया के सूत्रों ने बताया कि जिन खुदरा विक्रेताओं ने पहले ऊंची दरों पर चीनी स्टॉक खरीदा था, वे कम कीमत या नुकसान में इसे नहीं बेचना चाहते और जब तक उनका मौजूदा स्टॉक खत्म नहीं हो जाता, वे उसे पुरानी कीमत पर ही बेचते रहेंगे।

कब तक कम होगा चीनी का रिटेल प्राइज

इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट्स ने बताया कि आमतौर पर एक खुदरा विक्रेता के पास चीनी के 10-15 बैग होते हैं, जिनमें से हर एक का वजन 50 किलोग्राम होता है। जब कम दर पर नया स्टॉक खरीदा जाएगा, तभी खुदरा कीमतों में उसी हिसाब से बदलाव होगा। अनुमानों के मुताबिक थोक कीमतों में गिरावट के बाद रिटेल प्राइस में कमी आने में करीब 10 दिनों का समय लग सकता है।

सरकार ने बनाया 1 हफ्ते में स्टॉक बेचने का आदेश

चीनी की कीमतों में कमी लाने के लिए सरकार जमाखोरी के खिलाफ लगातार काम कर रही है। ऐसे में सरकार ने कड़ा नियम बनाते हुए चीनी मिलों को रिलीज ऑर्डर मिलने के 7 दिन के अंदर हर हाल में अपना स्टॉक मार्केट में बेचना जरूरी होगा। पहले यह समय 1 महीने का होता था, जिसे घटाकर 1 सप्ताह कर दिया गया है। इससे चीनी की जमाखोरी रुकेगी और खुदरा कीमतों में कमी आएगी।

कॉमर्शियल सिलेंडर 11.50 और दूध 9 तक महंगा : टाटा-हुंडई की कारों की कीमतें 25 हजार तक बढ़ीं

बिना ई-केवाईसी अटक सकती है एलपीजी सब्सिडी

मुंबई,1 सितंबर (एजेंसियां)। 1 सितंबर से देश में 7 बदलाव लागू हो गए हैं।

तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 11.50 रुपए तक महंगा कर दिया है। वहीं 5 किलो वाला सिलेंडर 2 रुपए महंगा होकर 764 का हो गया है। असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च मामूली बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ता महंगा कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है।

मुंबई में आज से दूध 9 रुपए महंगा

मुंबईः बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने 1 सितंबर से थोक दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इससे थोक दर 93 रुपए से बढ़कर 102 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी। तमिलनाडुः एविंस दूध के खरीद मूल्य में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह दर 41 रुपए से बढ़कर 44 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दो हफ्तों से भी कम समय में यह दूसरी बढ़ोतरी है, जिससे कुल मिलाकर खरीद मूल्य में

6 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। कारणः पशुओं के हरे चारे, भूसे और खली के दामों के साथ-साथ उनके रख-रखाव और ट्रांसपोर्ट के खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से दूध के दाम बढ़े हैं।आम जनता परः मुंबई में थोक दाम बढ़ने से खुदरा दूध की कीमतें बढ़ेंगी। आगामी त्योहारों के सीजन से ठीक पहले दही, पनीर और मिठाइयों जैसे डेयरी उत्पादों के महंगे होने से आम लोगों का बजट प्रभावित होगा। बदलावः एलपीजी सब्सिडी का फायदा जारी रखने के लिए ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 31 अगस्त थी। तेल कंपनियों ने सभी घरेलू एलपीजी ग्राहकों से इस काम को पूरा करने को कहा था।'

400 फीट गहरे बोरवेल में गिरा नौ साल का भानू

पांच घंटे बाद सुरक्षित निकाला गया, खुशी से झूम उठे परिजन

अलवर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के बुटोली गांव में सोमवार रात एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब करीब 400 फीट गहरे पुराने बोरवेल में गिरे 9 वर्षीय बच्चे को लगभग पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। भानू नाम का यह बच्चा पतंग के पीछे भागते समय पुराने और लंबे समय से बंद पड़े बोरवेल में गिर गया था। बच्चा करीब 40 से 50 फीट की गहराई में फंस गया था। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और ग्रामीणों की सांसें अटकी रहीं। रात करीब 11 बजे भानू को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद मौके पर खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने राहत की सांस ली।

पतंग के पीछे दौड़ रहा था भानू, अचानक बोरवेल में गिरा

भानू शिशराम का बेटा है। ग्रामीणों के अनुसार, पतंग उड़ाने के दौरान उसकी पतंग कट गई थी। वह कटी हुई पतंग लेने के लिए खेत की तरफ दौड़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर पुराने बोरवेल को ढकने के लिए रखे गए पत्थर पर पड़ गया। पत्थर अचानक खिसक गया और भानू बोरवेल में जा गिरा। बताया गया कि बोरवेल करीब 400 फीट गहरा था, लेकिन भानू लगभग 40 से 50 फीट की गहराई पर जाकर फंस गया। यह बोरवेल लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहा था और उसे केवल एक पत्थर से ढका गया था। खेत में लंबे समय से लोगों की आवाजाही कम होने के कारण ग्रामीणों को इस खतरनाक खुले बोरवेल की जानकारी नहीं थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को घटना की सूचना शाम करीब 6:30 बजे मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और बच्चे को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर एसडीएम मनीषा रेशम, तहसीलदार मनीष कुमार शर्मा, डीएसपी नरेंद्र कुमार और थाना प्रभारी राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने संभाली कमान

रेस्क्यू ऑपरेशन में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों ने मोर्चा संभाला। बोरवेल के आसपास खुदाई कर बच्चे तक पहुंचने के लिए तीन जेसीबी मशीनें लगाई गईं। रेस्क्यू टीम ने बोरवेल के अंदर फंसे भानू तक ऑक्सीजन पहुंचाई। उसे पानी भी उपलब्ध कराया गया। टीम के सदस्य लगातार उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे और उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। करीब पांच घंटे तक चले गहन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रात लगभग 11 बजे टीम को सफलता मिली। जैसे ही भानू को सुरक्षित बाहर निकाला गया, मौके पर मौजूद लोगों ने खुशी से तालियां बजाईं और जयकारे लगाए। भानू के सुरक्षित बाहर आने के बाद उसके परिवार की कई घंटों की चिंता खुशी में बदल गई। परिवार के सदस्यों की आंखों से राहत और खुशी के आंसू छलक पड़े। वहीं, कई घंटे से मौके पर खड़े ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली। एएसपी प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि बोरवेल से बाहर निकलने के बाद भानू स्वस्थ नजर आ रहा था और वह बातचीत भी कर पा रहा था। हालांकि एहतियात के तौर पर उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया।

करप्शन पर एक्शन : एवीवीएनएल के जेईएन को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

उदयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. उदयपुर इकाई द्वारा आज कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर को परिवादी से 10,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. उदयपुर को एक शिकायत इस आशय की प्राप्त हुई कि परिवादी के गांव खाम की मादड़ी स्थित निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन करने की एवज में सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर द्वारा रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी ने कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर में शिकायत प्रस्तुत की कि उसके निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता होने पर उसने ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था।

इसके पश्चात दिनांक 18.08.2026 को आरोपी सागर मीणा, जेईएन एवं लाइनमैन प्रेमजी द्वारा मौके पर पहुंचकर सर्वे किया गया तथा विद्युत कनेक्शन के लिए डीपी एवं पोल लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई। परिवादी के अनुसार आरोपी सागर मीणा, जेईएन ने सरकारी डिमांड राशि के अतिरिक्त 35,000 रुपये खर्चा-पानी के रूप में देने की मांग की। इस संबंध में परिवादी अपने मित्र के साथ आरोपी से मिला।

बातचीत के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत राशि कम करते हुए 15,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग की गई तथा कहा गया कि जब तक राशि नहीं दी जाएगी, तब तक फाइल आगे नहीं बढ़ेगी। परिवादी की शिकायत के संबंध में रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया, जिसमें आरोपी सागर मीणा, जेईएन द्वारा रिश्वत राशि की मांग की पुष्टि हुई। मांग सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा अपने कार्यालय में परिवादी से विद्युत कनेक्शन के लिए 5,000 रुपये रिश्वत राशि प्राप्त कर ली गई तथा शेष 10,000 रुपये बाद में लेना तय किया गया।

राजस्थान चुनाव में नहीं उड़ेगी ओवैसी की 'पतंग'

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सियासी ज़मीन तलाशने में जुटे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की नजर राज्य के मुस्लिम समुदाय पर है. सूबे के शहरी निकाय चुनाव में किस्मत आजमा रही ओवैसी की पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है. निर्वाचन आयोग के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने भी एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को उनका आधिकारिक चुनाव निशान 'पतंग' आवंटित करने की मांग खारिज कर दी है।

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद राजस्थान शहरी निकाय चुनाव में ओवैसी की 'पतंग' नहीं उड़ पाएगी.य ऐसे में अब एआईएमआईएम के प्रत्याशियों को निर्दलीय के तौर पर ही चुनावी मैदान में उतरना पड़ेगा. इतना ही नहीं, पार्टी के प्रत्याशियों को अलग-अलग सीटों पर अलग-अलग चुनाव चिह्नों के साथ किस्मत आज़मानी होगी। बता दें कि राजस्थान निकाय चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) गठबंधन करके मैदान में उतरी हैं. इन दोनों दलों का एक साथ आना राज्य की राजनीति में 'तीसरे विकल्प' के रूप में एक बड़े राजनीतिक प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है। राजस्थान में 309 शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैय नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य चुनाव आयोग उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित करेगा।

> सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का बड़ा फैसला

संजय के. अग्रवाल होंगे राजस्थान के नए चीफ जस्टिस

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट में चल रहे प्रशासनिक और न्यायिक विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

कॉलेजियम की सिफारिश में जस्टिस अग्रवाल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राजस्थान हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने का प्रस्ताव भी शामिल बताया जा रहा है। इस घटनाक्रम को राजस्थान हाईकोर्ट में लंबे समय से चल रहे प्रशासनिक विवाद के बीच अहम माना जा रहा है।

पहले राजस्थान ट्रांसफर, फिर चीफ जस्टिस की जिम्मेदारी

कॉलेजियम की सिफारिश का महत्वपूर्ण पहलू जस्टिस अग्रवाल का राजस्थान हाईकोर्ट में तत्काल ट्रांसफर किए जाने का प्रस्ताव है। ऐसे में यदि मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने में समय लगता है, तो भी उनके राजस्थान हाईकोर्ट आने का रास्ता साफ हो सकता है। ऐसी स्थिति में वह राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठतम न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें चीफ जस्टिस की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

एसीजे छुट्टी पर गए

इसी बीच राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शर्मा वकीलों के विरोध के बीच छुट्टी पर चले गए। जयपुर पीठ के अपडेटेड रोस्टर के अनुसार, 1 से 5 सितंबर तक कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की कोई कोर्ट सिटिंग नहीं होगी। जस्टिस संजय के. अग्रवाल वर्तमान में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। उन्हें सितंबर 2013 में अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था। मार्च 2016 में उनकी नियुक्ति स्थायी न्यायाधीश के रूप में हुई।

राजस्थान हाईकोर्ट के लिए क्यों अहम है यह कदम?

राजस्थान हाईकोर्ट में पिछले कुछ समय से न्यायिक प्रशासन को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। ऐसे समय में कॉलेजियम की ओर से नए मुख्य न्यायाधीश के नाम की सिफारिश को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। हालांकि, कॉलेजियम की सिफारिश के बाद नियुक्ति की प्रक्रिया अभी पूरी होनी बाकी है। अंतिम निर्णय संबंधित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होगा। फिलहाल जस्टिस संजय के. अग्रवाल के नाम की सिफारिश ने राजस्थान हाईकोर्ट के अगले प्रशासनिक नेतृत्व को लेकर तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट कर दी है।

मुंबई के लिए आज से 3 नई फ्लाइट शुरू

इंटरनेशनल यात्रियों के बोर्डिंग पास पर इमीग्रेशन स्टांपिंग खत्म

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट से हवाई यात्रियों के लिए मंगलवार से दो अहम बदलाव हुए हैं। मुंबई के लिए नई उड़ान शुरू की गई है, वहीं इंटरनेशनल फ्लाइट्स से यात्रा करने वाले यात्रियों के बोर्डिंग पास पर इमीग्रेशन स्टांपिंग की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है। जयपुर से मुंबई के बीच एयर इंडिया की नई फ्लाइट AI-413/414 मंगलवार से शुरू हो गई। इसके साथ ही जयपुर-मुंबई रूट पर यात्रियों के लिए उड़ानों के विकल्प बढ़ गए हैं। शेड्यूल के अनुसार AI-413 फ्लाइट मुंबई से रात 11:10 बजे जयपुर पहुंचेगी, जबकि AI-414 जयपुर से सुबह 6 बजे मुंबई के लिए रवाना होगी। इसके अलावा जयपुर से मुंबई के लिए कुल तीन नई फ्लाइट शुरू होने की जानकारी सामने आई है। नई उड़ानों से जयपुर और मुंबई के बीच हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे।

बोर्डिंग पास पर इमीग्रेशन स्टांपिंग खत्म

इंटरनेशनल यात्रियों के लिए भी मंगलवार से नई व्यवस्था लागू हो गई है। अब विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के बोर्डिंग पास पर इमीग्रेशन स्टांप नहीं लगाया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद बोर्डिंग पास पर मैनुअल स्टांपिंग की आवश्यकता नहीं होगी। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की प्रक्रिया को अधिक सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में बदलाव माना जा रहा है। हालांकि यात्रियों के पासपोर्ट पर स्टॉम्पिंग की व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी। दरअसल बोर्डिंग पास पर स्टॉम्पिंग की व्यवस्था घरेलू उड़ानों में पहले ही खत्म की जा चुकी है। पास पर स्टॉम्पिंग से इसे रीड करने में दिक्कतें आ रही थीं।

विद्यालयों में सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ द्वारा डी.बी. सिविल रिट पिटीशन संख्या 11613/2025 में 11 अगस्त, 2026 को दिए गए निर्देशों की अनुपालना की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित आधारभूत संरचना, शौचालय, स्वच्छता एवं पेयजल सुविधाओं से संबंधित बिंदुओं पर विभागवार प्रगति और अनुपालना की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी जर्जर अथवा असुरक्षित विद्यालय भवन और कक्षा-कक्ष का उपयोग नहीं किया जाए। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित भवन और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय भवनों की सुरक्षा, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण से संबंधित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को भी कहा।

श्रीनिवास ने विद्यालयों में पेयजल की उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कोई भी विद्यालय पेयजल सुविधा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में नल कनेक्शन अथवा समुचित वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए।

राहुल गांधी पर दर्ज मुकदमे पर भड़के डोटासरा

हम एफआईआर को कूड़ेदान में डाल रहे हैं

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला है। डोटासरा ने कहा कि संविधान, समानता और सामाजिक न्याय की बात करना यदि अपराध है तो कांग्रेस यह आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को हम कूड़ेदानी में डाल रहे हैं।" मंगलवार को मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा समाज को धर्म और जाति के आधार पर बांटने वाली है, जबकि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है।

जयपुर नगर निगम चुनाव 2026 : पुनीत कर्णावत की बगावत के आगे झुके कालीचरण सराफ? मान ली अपनी 'गलती'

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नगर निगम चुनाव के दौरान टिकट वितरण में मनमर्जी करना भाजपा विधायक कालीचरण को भारी पड़ गया। पार्टी के फैसले को दरकिनार करते हुए अपने चहेते को टिकट देने पर वे निशाने पर आ गए।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नाराजगी के बाद कालीचरण सराफ को बैकफुट पर आना पड़ा। सराफ को अपनी गलती मानी और कहा कि उन्हें गफलत में सिंबल किसी और को दे दिया। स्वयं का बचाव करते हुए सराफ ने कहा कि पहले अलग नाम पर सहमति बनी थी और बाद में अलग नाम फाइनल कर दिया। ऐसे में गफलत हो गई।

विवाद के बाद दी सफाई

विवाद का यह पूरा मामला जयपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 76 से जुड़ा है। तीन दिन आधी रात के बाद तक प्रदेश मुख्यालय में चली बैठकों के बाद भाजपा ने प्रत्याशियों के नाम फाइनल किए थे।

नामांकन के अंतिम दिन बीजेपी ने प्रत्याशियों की सूची जारी की जिसमें वार्ड 76 में निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णावत को प्रत्याशी घोषित किया गया था लेकिन मालवीय नगर से भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 76 का सिंबल अपने चहेते कुलदीप मिश्रा को थमा दिया। जब विवाद हुआ तो पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने नाराजगी जताते हुए दखल दिया। इसके बाद कालीचरण ने सफाई दी कि पहले कुलदीप मिश्रा के नाम पर सहमति बनी थी इसलिए सिंबल उसे दे दिया था। बाद में रिटर्निंग अधिकारी को बोल दिया गया कि पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी पुनीत कर्णावत ही है।

कर्णावत ने दी थी धरने की धमकी

नामांकन के दौरान ही पुनीत कर्णावत को पता चला कि उनके वार्ड का सिंबल किसी और को थमा दिया गया है। इसके बाद उन्होंने बीजेपी मुख्यालय के बाहर धरने की धमकी दी। पूरा मीडिया बीजेपी मुख्यालय पहुंच गया।

इस दौरान कर्णावत ने कहा कि पहले वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करेंगे और फिर बीजेपी मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठेंगे। कर्णावत के धरने की धमकी की खबरें सभी मीडिया पर आग की तरह प्रसारित हुई। इसके बाद बीजेपी का प्रदेश नेतृत्व हरकत में आया।

बूंदी में टिकट पर संग्राम : कांग्रेस को दो बड़े झटके, नैनवा में बीजेपी के खिलाफ कार्यकर्ताओं का हंगामा

बूंदी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर नामांकन के अंतिम दिन बूंदी जिले में राजनीतिक सरगर्मी चरम पर रही। बूंदी जिला कलेक्ट्रेट परिसर में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक दावेदारों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही।

बड़ी संख्या में प्रत्याशी समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। पूरे दिन कलेक्ट्रेट परिसर चुनावी नारों और राजनीतिक गतिविधियों से गूंजता रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रमुख दलों ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों को नामांकन दाखिल करने के निर्देश पहले ही दे दिए थे। इसके बाद अंतिम घंटे में दोनों दलों के प्रतिनिधि अपने-अपने प्रत्याशियों की सिंबल सूची लेकर रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय पहुंचे और सिंबल जमा करवाए।

भाजपा-कांग्रेस ने 60-60 वार्डों के सिंबल जमा कराए

बूंदी नगर परिषद के सभी 60 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों के सिंबल जमा करवाए। कांग्रेस की ओर से विधायक प्रतिनिधि मनीष शर्मा सिंबल की सूची लेकर रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय पहुंचे। वहीं भाजपा की ओर से नगर परिषद चुनाव प्रभारी महेश विजय सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे और 60 वार्डों के प्रत्याशियों की सिंबल सूची जमा करवाई। रिटर्निंग अधिकारी लक्ष्मी नारायण मीणा ने बताया कि बूंदी नगर परिषद में तीन दिनों के नामांकन के दौरान कुल 385 नामांकन दाखिल हुए हैं।

अंतिम दिन दाखिल किए गए नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जांच और स्क्रूटिनी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह स्पष्ट होगा कि कितने नामांकन वैध पाए गए और कितने निरस्त हुए। नामांकन के अंतिम दिन लाखेरी में कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा। हाल ही में कांग्रेस बोर्ड में चेयरमैन रहीं आशा शर्मा के पति और पूर्व नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चौथमल पंचोली ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

दिव्या के धरने के बाद एडीएम तैनात, सीआई को हटाया गया

जोधपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। जस्थान नगर निकाय चुनाव के बीच जोधपुर के मथानिया में नामांकन प्रक्रिया को लेकर शुरू हुआ विवाद अब प्रशासनिक स्तर तक पहुंच गया है। निर्धारित समय के बाद भाजपा विधायक भैराराम सियोल और एक प्रत्याशी के रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) कक्ष में पहुंचने के आरोपों के बाद कांग्रेस ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे।

पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने इसी मुद्दे को लेकर आरओ कार्यालय के बाहर समर्थकों के साथ धरना दिया था, जो रातभर जारी रहा। अब प्रशासन ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए आरओ की निगरानी में एडीएम की नियुक्ति की है। साथ ही मथानिया के सीआई को चुनावी प्रक्रिया में भाग नहीं लेने के निर्देश दिए गए हैं।

आरओ की निगरानी के लिए एडीएम की नियुक्ति

मथानिया में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद के बाद प्रशासन ने आरओ की निगरानी के लिए एडीएम को तैनात किया है। प्रशासन का यह कदम चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, मथानिया सीआई को चुनावी प्रक्रिया से अलग रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से यह व्यवस्था उस समय की गई है, जब नामांकन के अंतिम दिन आरओ कक्ष में निर्धारित समय के बाद प्रवेश को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। मथानिया नगर पालिका चुनाव में नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा सोमवार दोपहर 3 बजे निर्धारित थी। पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने आरोप लगाया कि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी भाजपा विधायक भैराराम सियोल करीब 3:05 बजे तक आरओ कक्ष में मौजूद थे। उनका दावा था कि विधायक एक प्रत्याशी के साथ अंदर पहुंचे थे और उस समय कक्ष का मुख्य दरवाजा बंद था। दिव्या मदेरणा ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से समय सीमा समाप्त होने के बाद आरओ कक्ष में मौजूद लोगों को बाहर निकालने की मांग की। इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी विरोध जताया। दिव्या के अनुसार, वहां मौजूद एक कांग्रेस प्रत्याशी के साथ पुलिस ने बदसलूकी की और उसे बाहर निकाल दिया गया।

राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का प्रमाण : एर्राबेल्ली स्वर्णा

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का प्रमाण बताते हुए तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस ने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। इस मांग को लेकर मंगलवार को तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस के नेतृत्व में गांधी भवन से विरोध प्रदर्शन और रैली निकाली गई। पुलिस द्वारा महिला कांग्रेस नेताओं को आगे बढ़ने से रोकने के बाद गांधी भवन के सामने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्णा ने कहा कि आज राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है तो कल सवाल पूछने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा सकती है। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस डरने वाली नहीं है और 'डरो मत' के संदेश के साथ अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को तत्काल वापस लेने तथा उत्तराखंड के हल्द्वानी में दलितों का कथित रूप से अपमान करने वाले भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की। एर्राबेल्ली स्वर्णा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में एक सार्वजनिक सभा में हिस्सा लिया था। आरोप है कि उनके बैठने के स्थान को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने गंगाजल से शुद्ध किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी दलित व्यक्ति के बैठने से कोई स्थान अपवित्र हो जाता है। उन्होंने इसे शर्मनाक कृत्य बताते हुए कहा कि यह केवल मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय संविधान और डॉ. बी. आर. आंबेडकर का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन यहीं समाप्त नहीं होगा, बल्कि यह केवल शुरुआत है। राहुल गांधी के 'डरो मत' के संदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान, दलितों के अधिकारों और महिलाओं के आत्मसम्मान के लिए महिला कांग्रेस अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। इस विरोध प्रदर्शन में विभिन्न जिलों की महिला कांग्रेस अध्यक्षों, प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्यों और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

लोक नर्तक ईश्वर साई पर एआई वीडियो को लेकर मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी पुलिस ने एक साथी महिला नर्तकी की शिकायत पर लोक नर्तक ईश्वर साई के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि उसने उसके फोन के निजी वीडियो का इस्तेमाल करके एआई-जनरेटेड वीडियो बनाए और उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए उन्हें फैलाया। शिकायत के अनुसार, ईश्वर साई ने एआई से छेड़छाड़ करके ऐसे वीडियो बनाए और शेयर किए जिनमें उसे विवाहेतर संबंध बनाते हुए दिखाया गया था। उसने दावा किया कि इन वीडियो का मकसद उसे बदनाम करना और अपमानित करना था। उसने यह भी आरोप लगाया कि ईश्वर साई ने उससे शादी करने का वादा किया था, उस भरोसे पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसे धोखा दिया।

उसकी शिकायत के आधार पर, नरसिंगी पुलिस ने मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। उसे खोजने के लिए दो विशेष टीमें बनाई गई हैं। वे जांच के हिस्से के तौर पर कथित एआई-जनरेटेड वीडियो और अन्य डिजिटल सबूतों की भी जांच कर रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए कलेक्टर नागरानी आदर्श हैं : चंद्रबाबू नायडू

सीएम ने गरीबों की सेवा में प्रजा वेदिका कार्यक्रम को संबोधित किया

मोगलतुरु, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को पश्चिम गोदावरी जिले की कलेक्टर चादलवाडा नागरानी की जिले के विकास और जन कल्याण के प्रति समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें नेतृत्व और लोक सेवा में महिलाओं के लिए एक आदर्श बताया। पश्चिम गोदावरी जिले के मोगलथुरु में गरीबों की सेवा में प्रजा वेदिका कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कल्याण और विकास कार्यक्रमों को लागू करने में नागरानी की दक्षता, सुलभता और

सक्रिय दृष्टिकोण की प्रशंसा की। नायडू ने कहा कि महिलाओं में अपार प्रतिभा, शक्ति और नेतृत्व क्षमता होती है और अवसर मिलने पर वे बड़ी ऊंचाइयों को हासिल कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से कलेक्टर नागरानी से प्रेरणा लेने और सभी क्षेत्रों में जिम्मेदारियां संभालने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबद्धता, दक्षता और समर्पण महिलाओं को चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को भी सफलतापूर्वक निभाने और सार्वजनिक सेवा और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम बनाते हैं।

खड़ी लॉरी से टकराया ट्रक, एक की मौत

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मेडचल में आउटर रिंग रोड पर खड़ी एक लॉरी से भारी सामान से लदा ट्रक टकरा गया, जिससे 35 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 4 बजे हुई, जब चेन्नई से मियापुर प्लाईवुड ले जा रही लॉरी अचानक हुई बारिश के कारण सड़क किनारे खड़ी की गई थी। पीड़ित की पहचान बिहारी राय के तौर पर हुई है, जो लॉरी के साथ यात्रा कर रहा था। बारिश तेज होने पर, राय प्लाईवुड को भीगने से बचाने के लिए उस पर तिरपाल बांधने के लिए गाड़ी पर चढ़ा। जब वह कवर बांध रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार में क्रशर मटीरियल से लदा एक और ट्रक आया। ट्रक खड़ी लॉरी से टकरा गया, जिससे राय गाड़ी से नीचे गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और ज़्यादा खून बहने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मेडचल पुलिस मौके पर पहुंची और टक्कर की वजहों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की, जिसमें क्रशर लदे ट्रक की रफ्तार और बारिश के दौरान सड़क पर विजिबिलिटी (दृश्यता) जैसी बातें शामिल हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि प्लाईवुड वाली लॉरी कैसे खड़ी की गई थी और दुर्घटना में शामिल दोनों गाड़ियों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही है।

हाईकोर्ट ने हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ को राहत दी

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ को मंगलवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत मिली है, जहां एक खंडपीठ ने उन्हें पद से हटाने के एकल-न्यायाधीश के आदेश को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। रंगनाथ ने शांता श्रीराम निर्माण मामले से संबंधित पूर्व आदेश को चुनौती दी थी। मंगलवार को खंडपीठ ने इस अपील पर सुनवाई की, जिसमें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव शकधर हाइड्रा आयुक्त की ओर से पेश हुए। एकल न्यायाधीश, न्यायमूर्ति जुकांति अनिल कुमार ने हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव को रंगनाथ को पद से हटाने और किसी अन्य अधिकारी को नियुक्त करने का निर्देश दिया था, यह देखते हुए कि अदालत के आदेशों की बार-बार और खुलेआम अवहेलना कानून के शासन को कमजोर कर सकती है।

कविता पर टीजीपीएससी की पूर्व सदस्य सुमित्रानंद का पलटवार

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीपीएससी की पूर्व सदस्य सुमित्रानंद ने तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बीआरएस नेता कल्वकुंतला कविता द्वारा पार्टी और उसके नेताओं पर की गई आलोचनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कविता को उनके पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने जन्म दिया, लेकिन राजनीतिक जन्म बीआरएस ने दिया है। ऐसे में पार्टी की नींव और आंदोलन के दौर से केसीआर के साथ खड़े रहे नेताओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। सुमित्रानंद ने आरोप लगाया कि बीआरएस से निलंबन के बाद कविता जानबूझकर पार्टी लाइन से हटकर बयान दे रही हैं और अपने पिता से भी दूरी बना रही हैं। उन्होंने कहा कि कविता को बीआरएस नेताओं की आलोचना करने के बजाय सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल करना चाहिए।

कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में जनता की अधिक भागीदारी जरूरी : सांसद लक्ष्मण

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा से भाजपा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने मंगलवार को कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में जनता की अधिक भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण प्रत्येक बच्चे के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को सुनिश्चित करने से शुरू होता है।

गगन महल स्थित एवी कॉलेज ग्राउंड में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम (आईसीओपी) पोषण माह - 2026 का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए। पोषण माह हर साल सितंबर में मनाया जाने वाला राष्ट्रव्यापी पोषण माह है। पोषण प्रदर्शनी को ज्ञानवर्धक और विचारोत्तेजक बताते हुए, डॉ. लक्ष्मण ने छात्रों और युवाओं से स्वयंसेवक बनने और उचित पोषण के बारे में जागरूकता संदेश परिवारों और वंचित समुदायों तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने एनीमिया, अल्पवजन, अधिकवजन, मोटापा और विकास संबंधी समस्याओं के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया।

सरकारी पोषण पहलों की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने लगभग 9 करोड़ बच्चों को कवर करने वाले लगभग 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की डिजिटल निगरानी का उल्लेख किया, इसके अलावा 11 लाख से अधिक स्कूलों के माध्यम से लगभग 12 करोड़ बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, भाजपा सांसद ने कहा कि तेलंगाना में विकास संबंधी समस्याओं से जूझ रहे बच्चों का अनुपात 33 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गया है, और इस सुधार का श्रेय आंगनवाड़ी और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के प्रयासों और सरकारी सहायता को दिया। उन्होंने बाजरा और पारंपरिक खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन की वकालत की, साथ ही छात्रों को पोषण आधारित नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। युवाओं से केवल नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी सृजनकर्ता बनने का आह्वान करते हुए, उन्होंने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। इस बात पर जोर देते हुए कि पोषण और फिटनेस साथ-साथ चलने चाहिए, डॉ. लक्ष्मण ने युवाओं से खेलकूद, योग और नियमित शारीरिक गतिविधि को अपनाने का आग्रह किया। पीआईबी/सीबीसी की एडीजी श्रुति पाटिल ने कहा कि पोषण का स्वास्थ्य, उत्पादकता, शिक्षा और जीवन की गुणवत्ता से गहरा संबंध है।

गांजे वाली चॉकलेट बेचने का केंद्र बन रही कुछ पान की दुकानें

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में ड्रग्स बेचने वाले लोग ग्राहकों तक गांजे वाली चॉकलेट पहुँचाने के लिए छोटी पान की दुकानों और किराने की दुकानों का इस्तेमाल सुविधाजनक बिक्री केंद्रों के तौर पर कर रहे हैं। पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों की हालिया छापेमारी से एक ऐसी सप्लाई चेन का पता चला है जो पड़ोसी राज्यों से लेकर शहर के इलाकों तक फैली हुई है।

गांजे वाली चॉकलेट बड़ी मात्रा में शहर में तस्करी करके लाई जाती हैं और फिर चुनिंदा पान-दुकान मालिकों को सप्लाई की जाती हैं, जो उन्हें आम कन्फेक्शनरी और तंबाकू उत्पादों के साथ रखते हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ये दुकानें ग्राहकों से संपर्क का आसान ज़रिया देती हैं और बेचने वालों को दिहाड़ी मजदूरों, युवाओं और अन्य ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करती हैं।

हाल के मामलों में इस सप्लाई नेटवर्क में प्रवासी मज़दूरों की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस और आबकारी अधिकारियों ने पहले पाया था कि निर्माण और अन्य कामों के लिए ओडिशा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से हैदराबाद आने वाले प्रवासी मजदूर अपने साथ गांजे वाली चॉकलेट लाते थे और उन्हें अपने साथ काम करने वालों और अपने इलाकों के ग्राहकों को बेचते थे। बाद में ऐसे उत्पाद छोटी पान की दुकानों पर भी पाए गए।

पान की दुकानें ड्रग सप्लायर को अंतिम ग्राहक से एक अतिरिक्त दूरी भी देती हैं। हर खरीदार से सीधे डील करने के बजाय, सप्लायर इन उत्पादों को दुकानदारों के पास रख सकते हैं, जो फिर ग्राहकों को अलग-अलग पैकेट या चॉकलेट बेचते हैं। अधिकारी अब न केवल चॉकलेट ले जाने वाले लोगों पर बल्कि सप्लायर, दुकानदारों और बार-बार खरीदने वाले ग्राहकों के उस स्थानीय नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो इस कारोबार को चलाए रखता है।

मगरमच्छ दिखने से किसानों में हड़कंप

संगारेड्डी, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोलकुर गांव के पास पोल्कम्मा कुंटा में मगरमच्छ दिखने से किसान और पशुपालक परेशान हो गए हैं। चूंकि यह झील मंजिरा नदी के पास है, इसलिए मगरमच्छ अक्सर नदी से बाहर आ जाते हैं। स्थानीय लोगों ने पहले भी कई बार कोलकुर में मगरमच्छ देखे हैं।

हमले के डर से ग्रामीणों ने सरकार से मगरमच्छों को पकड़कर नदी में छोड़ने की मांग की है। चूंकि मवेशी और इंसान अक्सर झील में जाते रहते हैं, इसलिए उन्होंने सरकार से मंजिरा नदी से मगरमच्छों के आने-जाने को रोकने के लिए कोई पक्का इंतज़ाम करने की मांग की है।

अज्ञात बदमाशों ने दो-पहिया वाहन में आग लगाई

संगारेड्डी, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सदाशिवपेट शहर की गुरु नगर कॉलोनी में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने एक खड़ी बाइक में आग लगा दी। रिटायर्ड कर्मचारी कोटा श्रीशैलम ने अपना दो-पहिया वाहन अपने घर पर खड़ा किया था। मंगलवार सुबह बाइक में आग लगी देख परिवार के सदस्य घर से बाहर भागे। आग बुझाने से पहले ही बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस घटना से कॉलोनी में हड़कंप मच गया क्योंकि हाल ही में कॉलोनी में चोरी की तीन घटनाएं भी सामने आई थीं। कॉलोनी के निवासियों ने लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस से कॉलोनी में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चोरी के आरोपी को गिरफ़्तार करते समय तेलंगाना पुलिस पर हमला

नांदेड़, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में चोरी के एक आरोपी को सोमवार को दोबारा पकड़ा गया। इससे एक दिन पहले, एक भीड़ ने तेलंगाना पुलिस की टीम पर हमला करके उसे छुड़ा लिया था, जिसके बाद पुलिस को हवा में गोली चलानी पड़ी थी। आदिलाबाद ज़िले के बाज़ार हतनूर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर रमेश परशुराम गोकला की शिकायत के अनुसार, यह घटना रविवार शाम करीब 7.30 बजे नांदेड़ की किनवट तहसील के गोकुलनगर के पास हुई।

आईसीएआर-एनएआरएम ने अपना 51वां स्थापना दिवस मनाया कृषि नेतृत्व के लिए रोडमैप का अनावरण किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएआरएम) ने अपना 51वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें कृषि नेतृत्व, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और एक स्थायी कृषि-खाद्य भविष्य के लिए क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया। पद्म भूषण डॉ. आर.एस. परोदा, जो आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक और मुख्य अतिथि थे, ने एनएआरएम से शोधकर्ताओं के प्रशिक्षण पर केंद्रित संस्थान से कृषि क्षेत्र के नेताओं को पोषित करने वाले संस्थान में परिवर्तित होने का आह्वान किया। उन्होंने संस्थागत साझेदारी, टीम वर्क, प्रणालीगत सोच और निरंतर परिवर्तन पर जोर दिया। आईसीएआर के सचिव (डीएआरई) और महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट ने मानव पूंजी, डिजिटल साक्षरता और प्रबंधकीय कौशल में निवेश के साथ-साथ मांग-आधारित प्रशिक्षण और कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ मजबूत सहयोग पर जोर दिया। 'विकसित भारत @ 2047 के लिए कृषि उद्यमिता' विषय पर आयोजित समारोह में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एमओओसी, डिजिटल शिक्षा और कृषि उद्यमिता पर भी प्रकाश डाला गया। लचीली कृषि और 5जी-संचालित खेती पर प्रकाशन और नीति पत्र जारी किए गए, जबकि कृषि ज्ञान तक पहुंच में सुधार के लिए फार्मर्स वॉल्ट पोर्टल और एनएआरएम लाइब्रेरी ऐप लॉन्च किए गए।

नागोल जयपुरिया कॉलनी स्थित पँचमुखी हनुमान मंदिर मे पूजा-अर्चना, सुँदरकाँड, अन्नदानम कार्यक्रम मे उपस्थित कुमावत समाज उप्पल काँचवानी सिंगारम संरक्षक अमरचन्द अड़ाणिया, अध्यक्ष भियाराम मंगलोड़ा, उपाध्यक्ष लिकमाराम मनावत, कोषाध्यक्ष नौरतमल एकलिया, मुकेश कुमार, मोतिलाल, खिंयाराम, किशनलाल देवासी, परबत सोलंकी व भक्तगण ।

रेप और हत्या का शिकार नर्स के परिवार के लिए

कोठागुडेम, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टुकगुडा में रेप और हत्या का शिकार हुई आदिवासी नर्स का अंतिम संस्कार सोमवार को जिले के मुलाकालापल्ली मंडल स्थित उसके पैतृक गांव में किया गया।

अश्वराओपेट के विधायक जारे आदिनारायण ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया, शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी और हर समय उनके साथ खड़े रहने का वादा किया। विधायक ने सरकार से घटना की व्यापक जांच करने और आरोपियों को कड़ी सजा देने का आग्रह किया।

पूर्व विधायक मेचा नागेश्वर राव और ताती वेंकटेश्वरलू ने भी परिवार से मुलाकात की, नर्स की तस्वीर को श्रद्धांजलि दी और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। जब नर्स का शव गांव लाया गया तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

दिन में बाद में, भद्राचलम आदिवासी समिति ने भद्राचलम में एक बड़ी कैंडललाइट रैली निकाली, जिसमें स्थानीय विधायक डॉ. टेल्लम वेंकट राव और अन्य लोगों ने भाग लिया। इसी तरह की एक रैली मुलाकालापल्ली आदिवासी जेएसी द्वारा मुलाकालापल्ली में भी निकाली गई।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं.19-2026, दि.28-08-2026
PUB/SCoR-234

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2142, कार्य विवरणः डीएमएम-पीएके सेक्शनःडीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पी/एमपीएल सेक्शन में सेस्स की मेकिंग अप हेतु प्रस्तावित सेस्स मरम्मत/चौडाई या वाइडनिंग कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.1,47,64,680.00 पैसे, अग्रधन रु.2,95,300.00 पैसे

क्रम सं.-2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2143, कार्य विवरणः डीएमएम-पीएके & पीएके-टीपीटीवाय सेक्शनःडीइएन/पश्चिम/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पी.वे/केआरवाय, एमपीएल & टीपीटीवाय सेक्शन में प्रस्तावित साइड ड्रेन्स या नालों की मरम्मत। विज्ञापित मूल्य रु.2,96,53,792.00 पैसे, अग्रधन रु.5,93,100.00 पैसे

क्रम सं.-3, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-ब्रिजेस-2144, कार्य विवरणः वर्ष 2026-27 के लिए डीइएन/ब्रिजेस/जीटीएल क्षेत्राधिकार में वार्षिक क्षेत्रीय ठेका (पुलों का कार्य)। विज्ञापित मूल्य रु.34,70,000.00 पैसे, अग्रधन रु.69,400.00 पैसे

क्रम सं.-4, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2145, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एसआर.डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकारः जीडीआर-आरयु सेक्शन (अप/डाउन/एसएल)-एडीइएन/आरयु सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/वीकेआय& आरयु सेक्शन में सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्यो को छोडकर जैसे, पी.वे कैजुवल रीन्युएल मटेरियल्स का परिवहन, फार्मेशन & स्लोप्स पर वृक्षों की कटाई, गिराना, प्री एन्ड पोस्ट टैम्पिंग आदि कार्यो को छोडकर प्रस्तावित छिटपुट ट्रैक संबंधित कार्य तथा अन्य छिटपुट कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.86,18,541.84पैसे, अग्रधन रु.1,72,400.00 पैसे

क्रम सं.-5, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2146, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एसआर.डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकारः आरयु -जीवाय सेक्शन (अप/डाउन/एसएल)-एडीइएन/आरजेपी सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/केओयु & एनआरइ सेक्शन में सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्यों को छोडकर जैसे, पी.वे कैजुवल रीन्युएल मटेरियल्स का परिवहन, फार्मेशन & स्लोप्स पर वृक्षों की कटाई, गिराना, प्री एन्ड पोस्ट टैम्पिंग आदि कार्यो को छोडकर प्रस्तावित छिटपुट ट्रैक संबंधित कार्य तथा अन्य छिटपुट कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.87,24,147.92 पैसे, अग्रधन रु.1,74,500.00 पैसे

क्रम सं.-6, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-2147, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एसआर.डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकारः आरयु -जीवाय सेक्शन (अप/डाउन/एसएल)-एडीइएन/एचएक्स सब-डिवीजन के एसएसइ/पी.वे/एचएक्स, वायए & जेएमडीजी सेक्शन में सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्यों को छोडकर जैसे, पी.वे कैजुवल रीन्युएल मटेरियल्स का परिवहन, फार्मेशन & स्लोप्स पर वृक्षों की कटाई, गिराना, प्री एन्ड पोस्ट टैम्पिंग आदि कार्यो को छोडकर प्रस्तावित छिटपुट ट्रैकसंबंधित कार्य तथा अन्य छिटपुट कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.1,28,23,825.70पैसे, अग्रधन रु.2,56,500.00 पैसे

क्रम सं.-7, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2148, कार्य विवरणः सीआरएस/टीपीटीवायः एसडीएच में मेडिकल स्टोर्स, मेडिकल एग्जामिनेशन रूम & आपरेशन थिएटर की मरम्मत करना। विज्ञापित मूल्य रु.45,45,738.00पैसे, अग्रधन रु.90,900.00पैसे

बंद करने की तिथि& समयः 22-09-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

ई-निविदा सं.इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-05-2026-27, दि.27-08-2026
PUB/SCoR-237

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.18-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/583, ई-निविदा सं.इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-05-2026-27, दि.27-08-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर दो (02) वर्ष की अवधि हेतु इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज की रूफ माउंटेड कैब एसी युनिट्स की मरम्मत & रखरखाव कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.98,62,426.29, अग्रधन रु.1,97,300.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 18-09-2026 के 15.00 बजे।

वेबसाइटः www.ireps.gov.in प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान कार्य, पात्रता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

इस निविदा सूचना को, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, ट्रैक्शन रोल्लिंग स्टाक, इलेक्ट्रिक लोको शेड तथा विजयवाडा पर रखे हुए नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरएस/इएलएस/विजयवाडा

ई-निविदा सं.इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-06-2026-27, दि.31-08-2026
PUB/SCoR-238

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.03-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/584, ई-निविदा सं.इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-06-2026-27, दि.31-08-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के आयओएच& टीओएच के लिए स्पेयर्स जनरेट करने हेतु 1000एलपीएम इएलजीआय ब्रांड कम्प्रेस्सर्स की मरम्मत/रेहाबिलिटेशन/ओवरहालिंग कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.2,11,65,398.62, अग्रधन रु.4,23,300.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 22-09-2026 के 15.00 बजे।

वेबसाइटः www.ireps.gov.in प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान कार्य, पात्रता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

3) इस निविदा सूचना को, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, ट्रैक्शन रोल्लिंग स्टाक, इलेक्ट्रिक लोको शेड तथा विजयवाडा पर रखे हुए नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

4) रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ टीआरएस/ इएलएस/विजयवाडा
SCoR-A270

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं. एसटीसीवीएसकेपी-युटीलिटीशिफ्ट-ओटी001, दि.29-08-2026
PUB/SCoR-240

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल& दूरसंचार अभियंता, कंसट्रक्शन, विशाखापट्टणम, दक्षिण तट रेलवे-दतरे द्वारा वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in पर, निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित आवश्यक पात्रता मानदंड पूरा करने वाले निविदाकारों से ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः दक्षिण तट रेलवे-दतरे के विशाखापट्टणम डिवीजन में मल्टिट्रैकिंग वर्क्स सहित तत्संबंधित निर्माण या कंस्ट्रक्शन/सिविल इंजीनियरिंग कार्यो को सुविधा प्रदान करने हेतु उल्लंघन से जुडी सिग्नल्लिंग & टेलिकम्युनिकेशन केबुल्स तथा गेयर्स की शिफ्टिंग या स्थानांतरण। कार्य का अनुमानित मूल्यः रु.26,62,03,985.87, निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य, जमा किया जानेवाला अग्रधन/बोली सुरक्षाः रु.53,24,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः24 (चौबीस) महिने, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 29-09-2026 के 16.00 बजे।

ई-निविदाओं के प्रति डाक/कोरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रुप में प्रेषित मैन्युएल आफर्स या प्रस्तावों को अस्वीकार किया जायेगा, बशर्ते या चाहे यह (आफर्स), फर्म के लेटरहेड पर प्रस्तुत किया गया हो & इसकी समय पर प्राप्ति हुई हो। तत्संबंधित इस प्रकार के सभी मैन्युएल आफर्स को अवैध करार दिया जायेगा & कोई भी विचार किये बिना इसे सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी सहित ई-निविदा दस्तावेज वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा हेतु जारी किसी भी परिवर्तनों /शुध्दिपत्र को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पंद्रह दिन पहले उक्त वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अनिवार्य रुप से क्लास-॥। डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा अवश्य रुप से आईआरईपीएस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। केवल पंजीकृत या रजिस्टर्ड निविदाकार/बोलीदाता ही इस ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं।

निविदाकारों को चाहिए कि, निविदाकार से जुडी सभी निर्देशों को सावधानी से पढ़ें & सभी निर्देशों जैसे, चेक लिस्ट्स सहित निविदा फार्म (सेकण्ड शीट) की पैरा 3.1 (अतिरिक्त चेक-लिस्ट) निविदा दस्तावेजों की अनुलग्नक-। की चैप्टर 2 के पालन की सुनिश्चिति कर लें।

उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/निर्माण/विशाखापट्टणम

सं. - बी/ई. सीएन(जीएस)/61/।/रेणीगुन्टा एन।, दि.31-08-2026
PUB/SCoR-241

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण तट रेलवे-दतरे, विशाखापट्टणम द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, एनआयटी नं.-निविदा सं.04-2026-2027-ई-जीएस-सीएन-जीटीएलः कार्य विवरणः विद्युतीय निर्माण/जीटीएल-रेणीगुन्टा यार्ड के लिए, प्रि-एनआय & एनआय के प्रति बिजली व्यवस्थाएं। परिवर्तन कार्यः प्रि-एनआय/एनआय वर्किंग सहित अनुमानित 47 दिनों की अवधि हेतु अस्थायी रुप से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति या पावर सप्लाई & रोशनाई या लाइटिंग व्यवस्थाओं के साथ रेणीगुन्टा स्टेशन पर आरयु यार्ड परिवर्तन कार्यो सहित तत्संबंधित आरआरआय केबिन के लिए बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। विवरणः अनुमानित मूल्य रु.2,35,58,857.51, अग्रधन रु.4,71,200.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः06 (छह) महिने, बंद करने की तिथिः 21-09-2026 के 15.00 बजे।

बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in पर लाग इन कीजिए।

बोली सुरक्षा राशि/अग्रधन को आईआरईपीएस में ई-पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से नकद रुप में जमा करना चाहिए अथवा भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से, एफए & सीएओ/सी/वीएसकेपी के पक्ष में आहरित बैंक गारंटी बान्ड प्रस्तुत करना चाहिए या इसे निविदा दस्तावेजों में उल्लेखित निर्देशों अनुसार प्रस्तुत करना चाहिए। यह बैंक गारंटी बान्ड अनुलग्नक-VIA नुसार होना चाहिए तथा बोली वैधता से परे, 120 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए।

निविदाकार, अपने प्रस्तावों या आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता/निर्माण/विशाखापट्टणम
SCoR-A277

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यूएस ओपन : अल्काराज जीते, वावरिंका का सफर खत्म

स्वियातेक-अनिसिमोवा और सबालेंका की भी आसान जीत

न्यूयॉर्क, 1 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

सितसिपास ने एक सेट और ब्रेक से वापसी की

स्टेफानोस सितसिपास ने दिन की बेहतरीन वापसी में 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया। पहला सेट गंवाने और दूसरे सेट में ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद ग्रीक खिलाड़ी ने मुकाबला 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से जीत लिया। सितसिपास ने 50 विनर्स लगाए और फिल्स की लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला रोक दिया। अब उनका सामना क्वालीफायर लॉयड हैरिस से होगा। तीसरी सीड फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने रिंकी हिजिकाटा को 7-5, 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। बारिश के कारण मैच करीब एक घंटे रुका, लेकिन वापसी के बाद कनाडाई खिलाड़ी ने लय हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। उनका अगला मुकाबला कैरेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने रोमन एंड्रेस बुरुचागा को 6-3, 6-0, 6-1 से हराया। ब्रैंडन नाकाशिमा ने सेबेस्टियन बाएज को सिर्फ 89 मिनट में 6-2, 6-1, 6-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले में 34 विनर्स लगाए। अब वह एलेक्स मिशेलसन से भिड़ेंगे, जिन्होंने फेडेरिको सिना को 6-4, 6-1, 6-0 से हराया। 14वीं सीड लर्नर टिएन ने नूनो बोर्गेस को 6-4, 6-1, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन में जीत दर्ज की। अमेरिका के 731वीं रैंकिंग वाले सेबेस्टियन गोर्जनी ने राफेल कॉलिग्नन के खिलाफ करीब चार घंटे चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाते हुए 3-6, 6-3, 3-6, 6-3, 7-6(9) से जीत दर्ज की।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा ईस्ट जोन

डिफेंडिंग चैंपियन सेंट्रल जोन को 4 विकेट से हराया; सूर्यवंशी ने 92 और 40 रन बनाए

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मंगलवार को ईस्ट जोन ने डिफेंडिंग चैंपियन सेंट्रल जोन को 4 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही टीम ने फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ईस्ट जोन को जीत के लिए 159 रन का टारगेट मिला था, जिसे टीम ने टेस्ट मैच के तीसरे दिन 80.1 ओवर में हासिल कर लिया। कप्तान ईशान किशन 39 और मोहम्मद शमी 8 रन बनाकर नाबाद लौटे। टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी ने 40 रन की पारी खेली। वैभव ने पहली पारी में 7 चौके और 7 छक्कों के साथ 92 रन बनाए थे। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके।

वैभव सूर्यवंशी भारत की टी-20 टीम में बरकरार

अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के लिए टीम घोषित

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर टीम में जगह मिली है। श्रेयस अय्यर को ही कप्तान बनाया गया है, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल हैं। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा। इस सीरीज के सभी मुकाबले नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित 7 प्लेयर्स की टीम में वापसी हुई है। इनमें नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल शामिल हैं। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। वे श्रीलंका दौरे पर नहीं गए थे। जसप्रीत ने आखिरी टी-20 मैच 8 मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। जोकि टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल था।

मेसी के संन्यास पर पत्नी एंटोनेला हुईं भावुक

दिग्गज का क्यूट वीडियो और बच्चों संग फोटो शेयर किया, लिखा नोट

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा। एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।'

उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।' यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है। एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।' मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं।

बांग्लादेश का 6.5 फीट लंबा गेंदबाज एशियन गेम्स से बाहर

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स 2026 का आयोजन होना है। इस बार एशियन गेम्स में सभी टीमें अपना मजबूत स्कवॉड भेज रही हैं। बांग्लादेश भी एक मजबूत टीम भेजने की तैयारी कर रही है लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक तेज गेंदबाज नाहिद राणा को एशियन गेम्स से बाहर रखने पर विचार किया जा रहा है।

नाहिद इंजरी की वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संपन्न टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश टीम का हिस्सा नहीं थे। राणा अब रिकवर कर चुके हैं और बीसीबी अकादमी में उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया है। जिम्बाब्वे दौरे पर इंजर्ड हुए नाहिद जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर ध्यान लगा रहे हैं।

नाओमी ओसाका ने जखारोवा को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । नाओमी ओसाका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में अनास्तासिया जखारोवा पर सीधे सेटों में जीत के साथ तीसरे यूएस ओपन क्राउन के लिए अपने सफर का आगाज किया। दुनिया की पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी को दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने से पहले दो निर्णायक टाईब्रेक में जाना पड़ा। 2018 और 2020 की चैंपियन ओसाका, बढ़त बनाने के बाद दोनों सेटों में नियंत्रण में दिखीं। वह पहले सेट में 5-2 और दूसरे सेट में 5-3 से आगे थीं। ओसाका ने धैर्य बनाए रखा, मोमेंटम स्विंग्स को बचाने के बाद पहला ब्रेकर 8-6 से जीता और फिर दूसरा 7-3 से जीतकर मैच दो घंटे से थोड़ा ज्यादा समय में खत्म कर दिया।

इस नतीजे ने ओसाका के शानदार ग्रैंड स्लैम सीजन को भी आगे बढ़ाया। यह 2026 में उनकी 10वीं बड़ी जीत थी, जिससे चारों ग्रैंड स्लैम में उनका रिकॉर्ड 10-2 हो गया। 2019 के बाद से वह किसी सीजन में बड़ी जीत के लिए डबल डिजिट तक नहीं पहुंची थीं, जब उन्होंने 12 जीत हासिल की थीं।

ओसाका की सर्व उनकी जीत का एक और अहम कारण थी। उन्होंने 11 एस मारे, जिसमें एक मैच पॉइंट पर था, जिसमें से 10 दूसरे सेट में आए। उनके सीजन का टैली अब 208 एस तक पहुंच गया है, जिससे वह 2026 में कम से कम 200 रिकॉर्ड करने वाली सिर्फ नौवीं खिलाड़ी बन गई हैं। यह जीत इस साल हार्ड कोर्ट पर ओसाका की 11वीं जीत भी थी, जिसमें वाशिंगटन, डी.सी. और टोरंटो में क्रमशः सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में उनकी मौजूदगी शामिल है। उन्होंने अब ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपने शुरुआती राउंड के 29 मैच जीते हैं, और सिर्फ छह हारे हैं। यूएस ओपन के पहले राउंड में उनका रिकॉर्ड 9-1 हो गया, जिसमें उनकी अकेली हार 2022 में डेनियल कॉलिन्स से हुई थी।

रोजर फेडरर हॉल ऑफ फेम में शामिल, किम क्लिस्टर्स सौंपी रिंग

न्यूयॉर्क । रोजर फेडरर को यूएस ओपन हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। दुनिया के पूर्व नंबर 1 स्विट्जरलैंड के फेडरर को न्यूपोर्ट में फॉर्मल तौर पर शामिल होने के दो दिन बाद आर्थर ऐश स्टेडियम में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम रिंग मिली।

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन इस मौके पर खेल के सबसे बड़े स्टेज में से एक पर लौटे, जिसमें पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किम क्लिस्टर्स, इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम की को-प्रेसिडेंट और 2017 में शामिल खिलाड़ी, ने उन्हें भरे हुए स्टेडियम में रिंग दी। फेडरर ने सम्मान दिखाने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया। एटीपी के हवाले से फेडरर ने कहा, ₹न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत खुशी हुई। यह ट्रिप, पिछले मंगलवार को यहां लेजेंड्स के साथ खेलना, न्यूयॉर्क में हमेशा मेरा साथ देने वाले हर किसी को धन्यवाद देने का मौका मिलना, यह सब अविश्वसनीय रहा है। इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल होने से मुझे उन सभी शानदार लोगों को याद करने का मौका मिला जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की।

फेडरर को शनिवार को पूर्व अमेरिकी खिलाड़ी और ब्रॉडकास्टर मैरी कैरिलो के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया, जिससे उनके करियर में एक और बड़ा सम्मान जुड़ गया, जिसमें 103 टूर-लेवल खिताब और 20 ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी शामिल हैं। स्विस मास्टर ने एटीपी रैंकिंग में 310 हफ्ते टॉप पर भी बिताए।

न्यूयॉर्क की उनकी यात्रा में पिछले सप्ताह एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्यों की एक एग्जीबिशन के दौरान कोर्ट पर वापसी भी शामिल थी। फेडरर ने जॉन मैकेनरो के साथ मिलकर रॉडिक और आंद्रे अगासी का सामना करने से पहले एंडी रॉडिक के खिलाफ एक सेट खेला। इस बीच, सोमवार को फेडरर ने अमेरिका के बेन शेल्टन के साथ पहले राउंड का मैच खेला और फिर उन्हें हॉल ऑफ फेम रिंग मिली।

एशियाई खेल 2026 : युद्ध से जूझते ईरान के बॉक्सर भारत में करेंगे तैयारी

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। युद्ध से जूझ रहे ईरान की बॉक्सिंग टीम एशियाई खेलों की तैयारियां भारत में करेगी। तीन सदस्यीय ईरानी टीम अपने मुख्य प्रशिक्षक हुमायुं अमीरी के साथ एनआईएस पटियाला में एशियाई खेलों के लिए भारतीय बॉक्सरों के साथ तैयारियों को अंजाम देगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कुछ माह पूर्व ईरान को भारतीय बॉक्सरों संग तैयारी का प्रस्ताव दिया था, पर युद्ध के चलते पैसे की कमी के कारण ईरान ने आने में असमर्थता जता दी। बीएफआई ने ईरानी टीम की यात्रा खर्च उठाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ईरानी टीम सोमवार को इराक के नजफ से मुंबई के लिए रवाना हो गई। टीम मंगलवार को दिल्ली से पटियाला के लिए रवाना होगी।

द्वितीय राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स एरोबिक्स एवं फिटनेस चैम्पियनशिप 2026 का सफल आयोजन

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मॉडर्न फंक्शन हॉल में सोमवार, 31 अगस्त 2026 को किया गया। प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स एरोबिक्स, फिटनेस एरोबिक्स, स्टेप एरोबिक्स और एक्शन एरोबिक्स की श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कुल 260 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विद्यालयों से भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टीम चैम्पियनशिप परिणामःप्रथम स्थानः आत्मकुरी रामाराव स्कूल, चिराक इंटरनेशनल स्कूल, स्प्रिंगफील्ड इंटरनेशनल स्कूलद्वितीय स्थानः भारतीय विद्या भवन, सेंट जॉर्ज स्कूल, मेरिडियन स्कूलतृतीय स्थानः स्लेट फेलिसी स्कूल, जॉनसन ग्रामर स्कूल, वी.आर. जिम्नास्टिक्स अकादमी, एक्सग्रेविटी अकादमी, विजय नगर कॉलोनी स्पोर्ट्स अकादमी, यूरो किड्स मेहदीपट्टनम, सेंट मैरी स्कूल, होली मैरी स्कूल, सेंट आन्स स्कूल, कोशा अकादमी, स्प्रिंगफील्ड स्कूल (4 शाखाएं), सेंट जोसेफ स्कूल, अलानी स्कूल विजेता टीमों को पदक प्रदान किए गए।

सभी विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की पहचान स्वरूप टीम पदक प्रदान किए गए। आयोजन समिति : मगन लाल (अध्यक्ष, एसएएफएटी), राजा सिंह (महासचिव, एसएएफएटी), आर. बाबू (कोषाध्यक्ष), जोगी कृष्ण (अध्यक्ष, हैदराबाद जिला), जी. ब्रह्मानंद प्रसाद (महासचिव, रंगारेड्डी जिला), ए. राजू (उपाध्यक्ष, मलकाजगिरी), चंद्रशेखर (महासचिव, मेडचल-मलकाजगिरी), वेंकट रेड्डी (संयुक्त सचिव, मलकाजगिरी), अक्षय (कोषाध्यक्ष), कोचःनान्ही सिंह, प्रेम शर्मा, सुब्बा रायडु, मुस्तफा खान, कमल सिंह, निशांत रेड्डी, रक्षिता सिंह, भाग्यश्री, अपर्णा तेलंगाना में स्पोर्ट्स एरोबिक्स एवं फिटनेस को बढ़ावा देने में अपनी निष्ठा और योगदान के लिए संघ सभी विद्यालयों, अकादमियों, कोचों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

'पाकिस्तान का सबसे घटिया प्रदर्शन'

दानिश कनेरिया ने अपने खिलाड़ियों को लताड़ा; कोच सरफराज पर भी साधा निशाना

कराची, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से अपने खराब प्रदर्शन की वजह से चर्चा में है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में है। शुरुआती दो टेस्ट गंवाकर पाकिस्तान सीरीज में 2-0 से पीछे है। सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान टीम और मैनेजमेंट फिर से सवालों घेरे में है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स अपनी टीम और मैनेजमेंट पर नर्मी बरतने के मूड में नहीं हैं। टीम के दो पूर्व खिलाड़ी दानिश कनेरिया और मोहम्मद यूसुफ ने जमकर निशाना साधा है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर कनेरिया का कहना है कि पिछले 70 साल में उन्होंने पाकिस्तान टीम की ऐसी दुर्दशा नहीं देखी।

'70 साल में सबसे खराब स्थिति'

आईएएनएस से खास बातचीत में दानिश कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कप्तानी, टीम चयन, चयनकर्ताओं और प्रबंधन से जुड़े अन्य विषयों पर बात की और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मौजूदा स्थिति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले 70 साल में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति सबसे खराब है। हारना बुरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तान टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा कोई संघर्ष या फिर जूझने की क्षमता दिखाई नहीं पड़ती। यह सबसे बुरी स्थिति है।'

> मुझे समझ नहीं आ रहा ये खेल क्यों रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट का दुनियाभर में मजाक बन रहा है। फैन मैच देखना छोड़ रहे हैं।
>
> दानिश कनेरिया, पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर

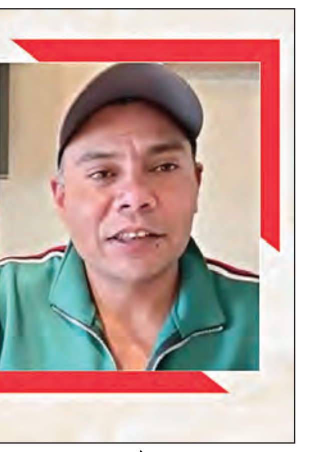

'खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी कौन लेगा'

कनेरिया ने कहा, 'पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। खिलाड़ी हों या चयनकर्ता किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। टीम बिना किसी रणनीति के चल रही है। पहले बाबर आजम कप्तान थे। उन्हें हटाया गया और फिर से उन्हें कप्तान बना दिया गया है। सरफराज अहमद को टेस्ट का कोच बनाया गया था। उन्हें भी अब हटा रहे हैं। किसी को भी जिम्मेदारी दी जाती है, तो उन्हें पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। अब क्या बाबर को कप्तानी से हटाकर फिर से शान मसूद को कप्तान बनाएंगे।'

'टीम में ढंग के गेंदबाज ही नहीं हैं'

कनेरिया ने कहा, 'मुझे सूचना मिली थी कि यूनिस खान को मुख्य चयनकर्ता बनाया जा सकता है। यह खबर सुनकर मुझे खुशी हुई थी। यूनिस अपनी मेहनत की बदौलत इतने उपर आए हैं और पाकिस्तान टीम के लिए बहुत कुछ किया है। उनमें एक बेहतरीन टीम बनाने की क्षमता है। लेकिन, उनकी शर्तों को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना और वे चयनकर्ता नहीं बने। फिलहाल जो लोग हैं उन्होंने टीम की स्थिति खराब कर दी है। आप टेस्ट क्रिकेट खेलने इंग्लैंड जा रहे हैं और आपके पास 120 की गति से गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज है, जबकि वहां की स्थिति के हिसाब से 140 से 150 की गति वाला गेंदबाज चाहिए। आपके स्पिनर भी नहीं है। टेस्ट मैच गेंदबाज जिताता है, टीम में ढंग के गेंदबाज ही नहीं हैं।'

'बाबर-रिजवान को कुछ समझ ही नहीं आ रहा'

कनेरिया ने कहा, 'मोहम्मद अब्बास इंग्लैंड में काउंटी खेलता है और अच्छी गेंदबाजी करता है। आप उसे टीम में लाते हैं और फिर बाहर कर देते हैं। साजिद खान अच्छा प्रदर्शन करता है आप उसे बाहर कर देते हैं। टीम में शामिल गेंदबाज साधारण हैं। उनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी का कौशल नहीं है।' कनेरिया ने कहा, 'बल्लेबाजी का भी वही हाल है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को समझ ही नहीं आ रहा कि बल्लेबाजी कैसे करनी है। आर्चर पर जैसे बाबर आउट हुआ, वो हास्यास्पद था। निचले क्रम के बल्लेबाज इस तरह आउट होते हैं। बाबर गेंद के सामने ही नहीं आ सका। रिजवान को टीम में क्यों रखा, यह समझ से परे है। रिजवान की बल्लेबाजी और कीपिंग दोनों साधारण है।'

नए हवाई अड्डे के प्रस्ताव पर 7 सितंबर को आएगी केंद्रीय तकनीकी टीम

कृषि मंत्री तुम्मला ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में प्रस्तावित हवाई अड्डे के निर्माण को लेकर केंद्र सरकार की तकनीकी टीम 7 सितंबर को तेलंगाना का दौरा करेगी। टीम जिले में चिन्हित चार से पांच वैकल्पिक स्थलों का स्थलीय निरीक्षण करेगी और वहां हवाई अड्डा निर्माण की तकनीकी संभावनाओं का आकलन करेगी। यह जानकारी राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात के बाद दी। उन्होंने बताया कि पूर्व में चिन्हित दो स्थान तकनीकी कारणों से हवाई अड्डे के लिए उपयुक्त नहीं पाए गए थे।

इसके बाद चार से पांच नए वैकल्पिक स्थलों की पहचान की गई है। केंद्रीय तकनीकी टीम इन स्थलों की भौगोलिक एवं मौसम संबंधी परिस्थितियों के साथ ही हवाई अड्डा निर्माण की तकनीकी व्यवहार्यता की जांच करेगी। मंत्री ने बताया कि तकनीकी टीम की रिपोर्ट अनुकूल आने पर केंद्र सरकार हवाई अड्डे की स्थापना के लिए आगे की आवश्यक कार्रवाई करेगी।

तुम्मला ने बताया कि मामुनूर (वारंगल) और आदिलाबाद हवाई अड्डों के प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 2 सितंबर को केंद्र सरकार से चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को भद्राचलम स्थित श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर और क्षेत्र के महत्व से अवगत कराते हुए जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही हवाई अड्डे की मांग को पूरा करने का आग्रह किया।

फर्टिलिटी क्लीनिकों की जांच में 50 क्लीनिकों में गड़बड़ी मिली

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नियमों के उल्लंघन के कई मामलों के बाद, राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) और सरोगेसी कानूनों को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। इन कोशिशों के तहत, राज्य भर में 379 प्राइवेट फर्टिलिटी क्लीनिकों की जांच की गई, जिनमें से 50 क्लीनिकों में बड़ी गड़बड़ियां पाई गईं।

इसके चलते, अधिकारियों ने 2 सेंटरों के रजिस्ट्रेशन पूरी तरह रद्द कर दिए, 9 अन्य की अनुमति कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दी और बाकी को कारण बताओ नोटिस जारी किए। गड़बड़ियों में बिना रजिस्ट्रेशन वाले पते, शिकायत निवारण सेल का न होना, रिकॉर्ड ठीक से न रखना और बिना अनुमति स्टाफ में बदलाव जैसी बातें शामिल थीं।

विधायकों के लिए कर-मुक्त सुविधाओं को समाप्त करने की मांग की

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने विधायकों और मंत्रियों के वेतन और भत्तों की संरचना में सुधार की मांग की है, उनका आरोप है कि मौजूदा प्रणाली उच्च गैर-कर योग्य भत्तों के माध्यम से कर चोरी को सक्षम बनाती है। रेड्डी ने कहा कि विधायकों और एमएलसी को प्रति माह 25 लाख से 3 लाख रुपये तक का वेतन मिलता है, जबकि उनका कर योग्य वेतन केवल 20,000 रुपये दिखाया जाता है। इसी तरह, विधान परिषद के अध्यक्ष को लगभग 41 लाख रुपये प्रति माह मिलते हैं, लेकिन कर के लिहाज से केवल 41,000 रुपये ही वेतन के रूप में माने जाते हैं। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी द्वारा छह व्हिपों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाया और कहा कि उनका वेतन ढांचा लगभग एक जैसा है, जिसमें 20,000 रुपये का वेतन और पर्याप्त भत्ते शामिल हैं। उन्होंने तीन व्हिपों को राज्य मंत्री का दर्जा देने के हालिया फैसले का भी विरोध किया।

लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबा रही है कांग्रेस : भाजपा

रामचंद्र राव और कई अन्य पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने मंगलवार को राज्य पार्टी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और कई अन्य पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबा रही है और भाजपा को अपनी कथित विफलताओं को उजागर करने से रोक रही है। पुलिस की एक टीम ने रामचंदर राव को तारनाका स्थित उनके आवास से उस समय हिरासत में ले लिया जब वह नलगोंडा में जिला भाजपा अध्यक्ष एन. वर्षित रेड्डी से मिलने के लिए जा रहे थे। आरोप है कि सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर तोड़फोड़ की थी। राव को गांधी नगर पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि 'तेलंगाना में लोकतंत्र खतरे में है।' भाजपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है जब उन्हें नजरबंद किया गया है। इससे पहले, पुलिस ने उन्हें प्रदर्शनकारी पॉलिटेक्निक छात्रों से मिलने के लिए रामंतापुर जाने से रोक दिया था। राव की गिरफ्तारी के बाद, भाजपा विधायक दल के नेता अलेट्टी महेश्वर रेड्डी, एमएलसी सी. अंजी रेड्डी, राज्य उपाध्यक्ष और पूर्व महापौर बंदा कार्तिका रेड्डी और पार्टी महासचिव टी. वीरेंद्र गौड को भी उस समय हिरासत में ले लिया गया जब उन्होंने नालगोंडा जाने का प्रयास किया। इससे पहले दिन में, महेश्वर रेड्डी ने कांग्रेस सरकार के 1,000 दिनों के कार्यकाल को लेकर भाजपा की ओर से आरोप पत्र जारी किया, जिसमें इस अवधि को 1,000 झूठ और 1,000 विश्वासघात" करार दिया गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी छह गारंटियों और 420 वादों को पूरा करने में विफल रही है और उस पर प्रशासनिक गतिरोध और वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया। भाजपा ने अपराध में वृद्धि का आरोप लगाते हुए शमशाबाद और पठानचेरुवु सहित हाल की घटनाओं का हवाला दिया और कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और महिलाओं तथा आम जनता की सुरक्षा में कमी के प्रमाण के रूप में इन्हें प्रस्तुत किया।

गिरफ्तारियों से भाजपा की आवाज नहीं दबेगी : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी है कि गिरफ्तारियां और पुलिस प्रतिबंध भाजपा को सार्वजनिक मुद्दों को उठाने से नहीं रोक पाएंगे।

सोशल मीडिया पर एक तीखे शब्दों वाले पोस्ट में राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को यह गलतफहमी है कि भाजपा नेताओं को गिरफ्तार करने से वे चुप हो जाएंगे। 1975 में लागू आपातकाल के दौरान भाजपा के विरोध को याद करते हुए उन्होंने घोषणा की कि पार्टी सड़क से सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार विपक्षी आवाजों को दबाने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है और कहा कि भाजपा इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराती रहेगी। इसी बीच, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राव की गिरफ्तारी के बाद उनसे बात की और तेलंगाना भाजपा इकाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। पार्टी के अनुसार, नबीन ने राव को आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय नेतृत्व राज्य इकाई के साथ मजबूती से खड़ा है और कांग्रेस सरकार के खिलाफ उसके निरंतर अभियान की सराहना करता है।

मुख्यमंत्री नायडू ने नरसापुरम विकास का वादा किया

जलीय कृषि विश्वविद्यालय की घोषणा की

नरसपुरम , 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि गठबंधन सरकार कल्याण, विकास और सुशासन को समान प्राथमिकता दे रही है, जिसमें गरीबों का आर्थिक सशक्तिकरण मुख्य उद्देश्य है। मंगलवार को मोगलथुर में एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण समारोह में बोलते हुए नायडू ने कहा कि अब तक पेंशन के माध्यम से 73,507 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, जबकि पिछले दो वर्षों में कल्याणकारी कार्यक्रमों पर 1.50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बचत और उद्यमिता को बढ़ावा देने में डीडब्ल्यूसीआरए समूहों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दीपम-2.0 योजना के तहत महिलाओं को प्रतिवर्ष तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं सरकार 'स्वयं' ब्रांड के माध्यम से डीडब्ल्यूसीआरए उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। नायडू ने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें अनुसूचित जाति वर्गीकरण का कार्यान्वयन और प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदिवासी छात्रों के लिए समर्थन शामिल है। विकास के विषय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी नदी का जल सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक पहुंचाने और अंततः इसे उत्तरी आंध्र प्रदेश तक विस्तारित करने के प्रयास जारी हैं,

और देश की जल चुनौतियों से निपटने के लिए नदियों को आपस में जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार आंध्र प्रदेश में बड़े निवेश आकर्षित करने और उपभोक्ताओं पर बिजली का बोझ कम करने के लिए कदम उठा रही है। मत्स्यपालकों को 1.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली की आपूर्ति की जा रही है, साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आंध्र प्रदेश के मत्स्यपालन क्षेत्र को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंत्री निम्मला रामानायडू और गोट्टीपति रवि कुमार, उपाध्यक्ष रघुराम कृष्णम राजू, केंद्रीय मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा और अन्य नेता शामिल हुए।

रामागुंडम में विधायक राज ठाकुर के नेतृत्व में निकाली रैली

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के 1000 दिनों के जनशासन के अवसर पर रामागुंडम विधानसभा क्षेत्र में विधायक राज ठाकुर के नेतृत्व में विशाल रैली निकाली गई। नगर कांग्रेस अध्यक्ष बोंतला राजेश के नेतृत्व में आयोजित रैली में करीब 1500 लोगों ने हिस्सा लिया। विभिन्न सामाजिक, श्रमिक, व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विधायक का जगह-जगह स्वागत किया। मुख्य चौराहे से शुरू हुई रैली रीगल शू मार्ट सेंटर, लक्ष्मीनगर टी-जंक्शन, कल्याणनगर चौराहा, सिटी स्कैन सेंटर, डॉक्टर्स स्ट्रीट और ओल्ड अशोक सेंटर से होते हुए पुनः मुख्य चौराहे पर पहुंचकर समाप्त हुई।

कई स्थानों पर लोगों ने विधायक पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। लक्ष्मीनगर टी-जंक्शन पर सभा को संबोधित करते हुए राज ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्ल भट्टी विक्रमार्क और मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू के सहयोग एवं मार्गदर्शन से रामागुंडम तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में करीब 900 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं। इनमें इंदिरम्मा आवास, कैथ लैब, नए राशन कार्ड, सन्ना चावल वितरण, एसटीपी, आरजीएफ, जीजीएच अस्पताल में अतिरिक्त भवन, नर्सिंग कॉलेज, सड़क और भूमिगत ड्रेनेज व्यवस्था जैसे कार्य शामिल हैं। राज ठाकुर ने कहा कि रामागुंडम का विकास सामूहिक प्रयासों और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है तथा इसे राज्य का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाया जाएगा। रैली में मेयर महंकाली स्वामी समेत कांग्रेस के जनप्रतिनिधि, नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

टैंकबंड पर 100 फीट ऊंची छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने की मांग

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सिंकारू शिवाजी ने राज्य सरकार से हैदराबाद के टैंकबंड पर छत्रपति शिवाजी महाराज की 100 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है। मंगलवार को बशीरबाग प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिमा निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराए, जिसका निर्माण जनता के स्वैच्छिक सहयोग से किया जा सकता है। इससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

उन्होंने हुसैन सागर का नाम बदलकर 'विनायक सागर' रखने तथा टैंक बंड पर भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे राज्य के मंत्रियों, सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायकों से मुलाकात कर मांगों का समर्थन जुटाएंगे। सिंकारू शिवाजी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रत्येक गणेश पंडाल में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का चित्र लगाने की अपील की। साथ ही 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में आधिकारिक तौर पर मनाने की मांग की। उन्होंने गणेश पंडालों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने, सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने और तेलंगाना मुक्ति आंदोलन के बलिदानों को याद करने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में जी. सुधाकर, सूर्यवंशी रमेश, सुरेश साबने, जंपुला साई समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा-मुक्त जीवन को बढ़ावा देने के लिए

'डॉक्टर्स क्रिकेट लीग' का आयोजन

निजामाबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) निज़ामाबाद और डॉ. ए. विशाल के अल्कोहल और ड्रग डी-एडिक्शन और रिहैबिलिटेशन सेंटर ने संयुक्त रूप से केशापुर के रॉकेट्स क्रिकेट ग्राउंड में 'डॉक्टर्स क्रिकेट लीग' का उद्घाटन किया। इसका थीम था नशे को ना कहें, जीवन और खेल को हाँ कहें।

इस मौके पर मुख्य अतिथि, निज़ामाबाद के पुलिस कमिश्नर पी. साई चैतन्य ने युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने और खेल, व्यायाम व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आग्रह किया।

अध्यक्ष डॉ. विशाल अकुला ने ज़ोर देकर कहा कि नशे की लत एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या है जिसका इलाज संभव है। उन्होंने बताया कि दवाएं, काउंसलिंग, मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, डी-एडिक्शन इलाज और रिहैबिलिटेशन सेवाएं उपलब्ध हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.